

प्रााधकार संप्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

नई बिल्ली, शनिवार, अगस्त 26, 1978 (भाद्रपद 4, 1900)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 26, 1978 (BHADRA 4, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—**धाण्ड** 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायासयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसग्न और अधीन कार्यालयो द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

सघ लोक सेवा म्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनाक 2 ग्रगस्त 1979

स० ए० 32013/2/77-प्रणा०-I—प्रध्यक्ष, सघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा राष्ट्रीय डेरी अनुसधान सस्थान के सह-भाषार्य भौर सघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सचिव डा० डी० एन० प्रसाद को अद्यसन संशोधित सघ लोक सेवा ग्रायोग (कर्मचारी वर्ग) विनियमावली, 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के भ्रधीन 2-8-78 के पूर्वाह्म से 1-11-78 तक, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशो तक, जो भी पहले हो, सघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर वार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> प्र० ना० मुखर्जी, प्रवर सचिव, **कृते प्र**ध्यक्ष स**घ** लोक सेवा ग्रायोग

गृह मत्नालय का०एव प्र० स० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनाक 2 श्रगस्त 1978

स० ए०-19036/15/78-प्रशासन-5---निवेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्बारा श्री एम० ग्रार० ग्रग्रवाल, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो को दिनाक 15-7-78 के पूर्वीह्म से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

स० ए०-19036/16/78-प्रणासन-5—निर्देशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री एस० ए० हैदर नकवी, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो को दिनाक 20-7-78 के पूर्वीह्म से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए ग्रस्थायी रूप से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-ग्रग्नीक्षक, प्रोन्नत करते हैं।

सं० ए०-19036/17/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एव पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्रारा, श्री उमेण, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 20-7-78 के अपराह्म से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 4 ध्रगस्त 1978

सं० ए०-19021/2/75-प्रशासन-5—केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त श्री सी० ग्राजनेय रेड्डी, भारतीय पुलिस सेवा (1966-ग्रांध्र प्रदेश) ने दिनांक 4-7-78 के भ्रपराह्म में ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो से कार्यभार मुक्त हो जाने पर,
 श्री रेड्डी की सेवाएं श्रांध्र प्रदेश सरकार को सौप दो गई है।

महेन्द्र कुमार श्रग्रवाल, प्रशासन श्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

सं० 21021/15/78-प्रणा-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग के पुलिस उप-निरीक्षक श्री सी० सदीशवन्द्रन को प्रोन्नत हो जाने पर, दिनांक 19-6-78 के अपराह्न से श्रगले श्रादेश तक के लिए अस्थायी रूप से निरीक्षक, आर्थिक अपराध स्कंध/बम्बई शाखा के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह, प्रशासनिक ग्रंधिका**री (स्था**०) केन्द्रीय **ग्र**न्वेषण क्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 श्रगस्त 1978

सं० भ्रो० दो० 1024/72-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री दोपक चौपड़ा, उप-पुलिस श्रधीक्षक, के० रि० पु० बल (डी० मी० पी० सी० में प्रतिनियुक्ति पर) का त्याग पत्न 31-7-78 (ग्रपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

ए० के० बन्द्योपा**घ्या**य, सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110019, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० ई०-38013/2/1/78-कार्मिक--बड़ौदा को स्था-नांतरण होने पर श्री डी० एस० ट्रेजर ने 17 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट बालको कोरबा के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

दिनांक 3 ग्रगस्त 1978

सं० ई०-16013(2)/6/77-कार्मिक—उत्तर प्रदेश पुलिस मे प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री दलजीत सिंह ने 8-6-78 के पूर्वीह्न से के० ग्री० सु० व० यूनिट, एन० एफ० एल० नया नांगल (पंजाब) के कमोडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० ई०-16014(3)/1/77-कार्मिक—विस्ली पुलिस को प्रत्यावर्तन होने पर, श्री कैलाश चन्द्र बहल ने, 30 जून 1978 के अपराह्म से के० श्री० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्ब नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई०-16013(1)/1/78-कामिक—-प्रतिनियुक्ति पर स्थानांसरण होने पर, श्री शिव मोहन सिंह, भा० पु० से० (म० प्र०—1954) ने श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह, भा० पु० से० (म० प्र०—1955) के स्थान पर 7 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से के० ग्री० सु० ब० उ० व प० क्षेत्र, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया । राज्य काडर को प्रत्यावर्तित होने पर श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री बी० ग्रार० सूर (म० प्र०—54) ने 10 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से बोकारो स्टील लिमिटेड बोकारो के उपमहानिरीक्षक /के० ग्री० सु० ब० के पद का कार्य-भार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक — प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री महाराज सिंह, भा० पु० से० (म० प्र०—-56) से 7 जुलाई, 1978 के पूर्याह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लि०, भिलाई के उप महानिरीक्षक/के० श्री० सु० ब० के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(2)/1/78-कार्मिक-कलकसा से स्थानांतरण होने पर श्री ए० सी० राय ने 20-5-78 के पूर्वाह्न से कें० भ्री० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० 38013(2)/1/78-कार्मिक—बरौनी से स्थानांतरण होने पर श्री ग्रगोक दरबारी, भा० पु० से० (म० प्र०—68) ने 5-6-78 के पूर्वाह्म से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, कलकत्ता के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(2)/1/78-कार्मिक—हरिद्वार की स्थानांतरण होने पर श्री दलजीत सिंह ने 30 जून, 1978 के ग्रपराह्म से के० ग्री० सुं० ब० यूनिट, एन० एफ० एल०, नया नांगल के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं र्ड १०-38013(3)/1/78-कार्मिक—हिरद्वार को स्था-नांसरण होने पर श्री इन्दर मोहन ने 11-5-78 के श्रपराह्न से के श्री सुरु बर्ग्यूनिट, श्राई० एस० श्रार्श्यो थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया । सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक---दुर्गापुर से स्था-नांतरण होने पर श्री एन० के० खजुरिया ने 22 जून, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कलकत्ता के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक--राष्ट्रपति, निरीक्षक बी० पी० दुबे को, के० औ० सु० ब० यूनिट ग्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा का, तदये ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने 10-6-78 के ग्रपराह्म से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—-राष्ट्रपति , निरीक्षक ग्रार० एन० सरकार को, के० ग्रौ० मु० ब० यूनिट, एन० पी० ग्रौर पी० सी० लिमिटेड, नागालैण्ड का सदर्थ ग्राधार पर, स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं ग्रौर उन्होंने उक्त पद का कार्यभार 6-6-78 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया।

संबंधि ६०-38013(3)/1/78-कार्मिक हिरद्वार से स्थान नांतरण होने पर, श्री श्रार० के० भगत के 27 मई 1978 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब०यूनिट, बी० एच० ६० एल० खैलार, झांसी, के सहायक कमान्डेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—राउरकेला से स्थानांसरण होने पर श्री भूपिदर सिंह राणा ने 10-5-78 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, श्राई० श्रो० सी० मथुरा रिफाइनरी परियोजना मथुरा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक कृष्ण कुमार शर्मा को, के० भ्रौ० सु० ब० यूनिट, भ्रार० एस० पी० राउरकेला का तदर्थ भ्राधार पर, स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, श्रौर उन्होंने 5-6-78 के पूर्वाह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—नामस्प से स्था-नांतरण होने पर श्री पी० पी० मिल्रा ने 13-6-78 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमाडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एन० जी० डी० गुप्ता को के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० झरिया का तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं श्रीर उन्होंने जबिक वे हैदराबाद कैम्प में थे, 25 मई, 1978 के पूर्वाह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

 यह 5-7-78 की समसंख्यक पूर्व-श्रिधसूचना का ग्रिधिकमण करती है।

सं० ६०-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक ए० एस० धार० रेड्डी को के० ख्रौ० सु० ब० यूनिट, एम० पी० टी० मदास का तदर्थ ग्राधार पर, स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं श्रौर उन्होंने 5-6-78 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

रा० च०गोपाल, महानिरीक्षक/के० म्रौ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 भ्रगस्त 1978

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-I)—राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्रीर इस समय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तद्य श्राधार पर कार्यरत श्री एस० के० अग्रवाल को तारीख 26 जून, 1978 के पूर्वाह्स से अगले श्रादेशों तक उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित श्राधार पर अस्थायी तौर से उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में ही होगा।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-1)—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री एम० एम० दुम्रा को तारीख 4 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से भ्रगले म्रादेशों तक उसी कार्यालय में नियमित श्राधार पर ग्रस्थायी तौर से उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-J)—-राष्ट्रपति, पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक (तकनीकी) श्रौर इस समय पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना निदेशक के कार्यालय में उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ श्राधार से कार्यरत श्रीपी० सी० शर्मा को तारीख 28 जून, 1978 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक पंजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित श्राधार पर श्रस्थायी तौर से उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में ही रहेगा।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा०-ा) — राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) और इस समय उत्तर प्रदेश लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ श्राधार पर कार्यरत श्री एम० एस० एस० जयसवाल को तारीख 26 जून, 1978 के पूर्वाल से श्रगले श्रादेशों तक उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित श्राधार पर श्रस्थायी तौर से उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में ही रहेगा।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा०-I)---राष्ट्रपति, पजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) और इस समय हिमाचल प्रदेश, श्रिमला में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री कें० सी० सूरी को तारीख 27 जून, 1978 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक हिमाचल प्रदेश, श्रिमला में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित आधार पर श्रस्थायी तौर से उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय श्रिमला में ही रहेगा।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(ग्रर्थ विभाग)

भारत प्रतिभृति मुद्रणालय,

मासिक रोड, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० 781/ए०—-दिनांक 30-4-78 के कम में सर्व श्री जे०एच० सय्यद श्रीर श्रार० व्यंकटरमन् को उप नियंत्रण म्राधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मद्रणालय में तदर्थ रूप में 30-9-78 तक उन्हों णतों के साथ नियुक्त करते हैं।

> डी० सी० मुखर्जी, महाप्र<mark>यन्धक,</mark> भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

ग्रायिक कार्य विभाग

बैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 6 भ्रगस्त 1978

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/78—न्श्री एस० के० माथुर, स्थायी निरीक्षक नियन्त्रण को बैंक नोट मुद्रणालय, देवाम में उप-नियन्वण ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 25-7-78 (पूर्वाह्न) से 3 माह की ग्रविध तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो निरन्तर की जाती है।

मु॰ वै॰ चार, उप-महा प्र**नध**क

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 5 ग्रगस्त 1978

सं० 40011(2)/78/प्रणा० ए०---(1) वार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के मामने लिखी तारीख के ग्रपराह्म से पेंशन स्थापना को ग्रन्तरित कर दिया गया/जाएगा ।

कम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सि	त ग्रेड	पेंशन स्थापना को श्रन्तरण की ता रीख	संगठन
1	2	3	3 4	5
सर्वश्री 1. सी० व		. स्थायी लेखाग्रधि	कारी 30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
2. नरिन्द्रे	नाथ वर्मा (पी॰/44)	. स्थायी लेखा ग्राधिः	करसे 30-6-78	रक्षा नियंव हु, ग्रन्य रैंक उत्तर, मेरठ ।
3. के०सु	ब्रह्मण्यम (पी०/53)	. स्थायी लेखा प्रधिः	कारी 31-7- 7 8	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
4. इ रदया	ाल सिं ह (पी०/69)	. स्थायी लेखा ग्रधि	कारी 31-7-78	रझा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
5. ए० कि	ाव़ रमेँया (पी०/73)	. स्थायी लेखा श्रधि	कारी 31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षि णी कमान पूना ।
6. नन्द वि	कंशोर खन्ना (पी०/81)	. स्थायी लेखा ग्रहि	गकारी 30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैं क) उत्तर, मेरठ ।

,1	2	3	4	5
7.	सर्वश्री विलोक नाथ कक्कड़ (पी०/89) .	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-11-78	रंक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादुन ।
8.	राम प्रकाश साहनी (पी०/90) .	स्थायी लेखा प्रधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैं क) उत्तर, मेरठ ।
9.	ब्रह्म देव (पी०/95)	स्थायी लेखा प्रधिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा <i>नियं</i> त्रक (पेंशन) इला हा बाद ।
10.	जी० शंकर राव (पी०/114) .	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना ।
11.	मकसूदन लाल (पी०/202) .	स्थायो लेखा श्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कंमा न, मेरठ ।
12.	पी० डी० देशमुख (पी०/217) .	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंक्षक, (श्रन्य रैं क) दक्षिण, मद्रास ।
13.	सी० शेषगिरि राव (पी०/231)	स्थायी लेखा प्रधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ सेना) बम्बई ।
14.	निरंजन लाल (पी०/236) . ,	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-78	रक्षा लेखा नियंद्यक, मध्य कमान, मेरठ ।
1 5.	हरबंस लाल ग्रोबेराय (पी०/239)	स्थायी लेखा श्रिधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा मंयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ ।
16.	जी० एन० नटराजन (पी०/243)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा मियंत्रक, (ग्रफसर) पूनाः।
117.	দ্০ बी० बी० बनर्जी (पी०/245)	स्थामी लेखा ग्रधिकारी	30-10-78	रक्षा लेखा नियंक्षक, (फैक्टरी ज) कलकत्ता ।
18.	मैलेन्द्र नाथ गागुली (पी०/246) .	स्थायी लेखा प्रधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्टरीज) कलकत्ता ।
19.	म्रार०पी०सिह (254) .	स्थायी लेखा ग्राधिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद ।
20.	एम० के० त्याग राजन (पी०/266)	स्यायी लेखा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
21.	एन० कान्त∌ष्णन (पी०/279) .	स्यायी लेखा ग्रधिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद ।
22.	एम० एल० त्यागी (पी०/300) .	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैंक्टरीज) कलकत्ता ।
23	के० राम दोराई (पी०/338) .	स्थामी लेखा स्रधिकारी	30-9-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, द क्षिणी कमान, पूना ।
24.	पूरन चन्द श्रीपाल (पी०/344) .	स्थायी लेखा भ्रधिकारी	31-12-78	
25	. एम० एम० दस्ता, (पी०/370) .	स्थायो लेखा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
26	. श्रीपति भट्टाचार्यजी (पी०/399)	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-7-78	रक्षा लेखा लियंत्रक, (श्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।

1	2		3	4	5
सर्वंश्री					
27. पी॰ एन	न रसिम्हन (पी०/405)	. स्थायी लेखा	ग्र धिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
28. के०पी	० विश्वनाथन (पी०/409) .	स्थायी लेखा	म्रधिकारी	31-7-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ सेना) सम्बर्ध।
29. हरी वि	त्रशनलाल (पी०/468)	. स्थायी लेखा	' भ्रधिकार <u>ी</u>	30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून ।
30. एसॅ० स	गी० लुकोज (पी०/451) .	स्थायी लेखा	ग्रधिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा नियन्नक, (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।
31. पी० कृ	ष्ण स्वामी (पी०/491)	. स्थायी लेखा	' ग्र धिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेशन) इलाहाबाद ।
32. निरंजन	न सेन गुप्त (पी०/511)	. स्थायी लेखा	' प्र धिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्टरीज) कलकत्ता ।
33. शेन ला	ल गर्मा (पी०/539)	. स्थायी लेखा	भ्रधिकारी	30-9-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फँक्टरीज) कलकत्ता ।
34. जोगा	सह (पी०/602)	. स्थायी लेखा	। श्रधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
35. राजा र	राम वर्मा (पी०/626)	. स्थायी लेखा	ग्रधिका री	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
36. पी० र	ाम मोह्रन (पी०/628)	. स्थायी लेखा	' ग्रधिकारी	30-9-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
37. शर्शाक	मोहन देव (पी०/629)	. स्थायी लेखा	। म्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) उत्तर, मेरठ ।
38. प्रेम च	न्द्र मर्मा (पी०/645)	. स्थायी लेखा	प्रधिकारी	. 31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, परिचमी कमान, भेरठ ।
39. मुकन्द	लाल सहगल (ग्री०/65)	. स्यानापन्न हे	खा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
40. ई० ए	म० वारियर (म्रो०/69)	. स्थानापन्नले	खा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ ,सेना) बम्बई ।
41. चिन्ता	मणि जेटली (ग्रो०/93)	. स्थान।पन्न	नेखा प्रधिकारी	30-9-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कृमान, मेरठ ।
42. वी० प	ोषगिरि राव (भ्रो०/97)	. स्थानापन्न ले	खा ग्रधिकारी	30-9-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
43. एम०	एम० गांगुली (ग्रो०/108)	. स्थान/पन्न	तेखा अधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, ं (फैक्टरीज) कलकत्ता ।
44. कंवल	नयन मल्होत्रा (ग्रो०/129)	. स्थानापन्न	नेखा ग्रधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
45. ए० ड	ब्ल्यू० गोडबोले (ग्रो०/140)	़. स्थानापन्न	लेखा ग्रधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
46. पी०	एल० मेहरोता (म्रो०/208)	. स्थानापश्च	लेखा ग्रधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (भ्रन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।

1 2	3	4	5
सर्वश्री			
47. एन० म्रार० भारद्वाज (म्रो०/217) स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
48. एम० के० कुमथेकर (ग्रो०/299)	स्थानापन्न लेखा श्रयधकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रफसर) पूना ।
.9. जी० के० महिन्दर कर (ग्रो०/300) स्थानापन्न लेखा मधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।
50. गोपाल चन्द विशष्ठ (भ्रो०/ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापन्न लेखा मधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक,पश्चिमी कमान, मेरठ ।
51. के० के० सचदेव, (फ्रो०/ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-11-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, 🖁 (वायु सेना) देहरादून ।
2. के० लक्ष्मी नारायणन, . (म्रो०/म्रभी नियत नहीं)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य (रैंक) दक्षिण, मद्रास ।
53. वाई० घार० गैल्के, (ग्रो०/ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापन्न लेखा ऋधिकारी	31-10-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास ।
54. ग्रार० डी० भटनागर, . (ग्रो०/ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-7-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
 के० वरदाराजन, (भ्रो०/भ्रभी नियत नहीं) 	. स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ सेना) बम्बई ।

रक्षा मंत्रालय महानिदेशालय, **भ्रार्ड**नेंस फैक्टरियां, भारतीय भ्रार्डनेंस फैक्टरी सेवा कलकत्ता16, दिनांक 5 भ्रगस्त 1978 **भ्रुद्धि**पत

सं० 34/जी०/78—गजट प्रधिसूचना सं० 57/जी०/76 दिनांक 28-7-1978 के कमसंख्या 7 के समक्ष, प्रविष्टियां निम्नलिखित रूप में बदल ली जाएं:——

नाम एवं पद	तारीख
7. श्री डी० के० सरकार,	12 फरवरी, 1976 (निकट
स्थायी उप-प्रबन्धक	श्रागामी नियम के अन्तर्गत)

बी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक, प्रार्डनेंस फैक्टरियां

केन्द्रीय सलाह सेवा <mark>ग्रौर श्रम विज्</mark>ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 31 जुलाई, 1978 सं० 5/11/78-प्रशासन—महानिदेशक ने श्री यू० बी० परेलकर को स्थाई रूप से निरीक्षक (स्थापत्य) के पद पर इस कारखाना सलाह सेवा श्रीर श्रम विश्वान केन्द्र में 15 श्रप्रैल, 1976 से नियुक्त किया है।

> ए० के० चक्रवर्ती, महानिदेशक

लेखाउप महानियंत्रक (कार्मिक)

श्रम मंत्रालय

कीयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद, विनांक 31 जुलाई, 1978

सं० पी० 8(25)/67—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली 1949 के नियम 5 के भ्रन्तर्गत उप नियम (1) (ए) में दिए गए श्रधिकारों का प्रयोग कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एत्वद्वारा श्री एस० राय, मुख्य लेखा नियंत्रक, पूर्वीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड, सैनटोरिया, डिजरगढ़ को श्री बी० एस० वडेहरा के स्थान पर वित्तीय उप-समिति का सदस्य मनोनीत करती है जिसका गठन श्रधिसूचना सं०-पी० 8(25)67 दिनांक 23-12-75 मे उल्लिखित है तथा कथित श्रधिसूचना में निम्नलिखित संगोधन करती है:—

"क्रम संख्या 2-श्री बी० एल० वडेहरा, प्रबन्ध निवेशक, केन्द्रीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची" के स्यान पर कम संख्या-2 श्री एस० राय मुख्य लेखा नियंत्रक पूर्वीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड सैनिटोरिया, डिजरगढ़, वर्दवान प्रतिस्थापित क्षिया।

> एच० एच० कुरैशी श्रपर कोयलाखान कल्याण ग्रायुक्त धनबाद

वाणिज्य महासय

मुख्य नियंत्रक, ग्रामात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1978 ग्रामात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/1228/77-प्रशासन (राज०)/4422—मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात एतद्दारा श्री डी० के० भट्टाचार्य को जो पहले बाणिज्य मंत्रालय में निगत प्रदर्शनी निदेशालय एवं बाणिज्यिक प्रचार में सहायक निदेशक थे, दिनांक 17-3-1978 से श्रमला श्रादेश होने तक उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, फरीदाबाद में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियंत्रक श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

नियंत्रक, धायात-नियंति के रूप में श्री डी० के० भट्टाचार्य नियमानुसार, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

> टी० टी० ला, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

वस्त श्रायुक्त का कार्यालय वस्वई-20, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

सं० सी० ई० म्रार०/3/78—स्तीवस्त्र (नियंत्रण) म्रादेण, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्दारा बस्न भ्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० सी० ई० म्रार०/ 3/69 विनांक 19 सितम्बर, 1969 में निम्नलिखित म्रतिरिक्त संसोधन करता हूं श्रभीत्:—

उक्त ग्रधिसूचना में :---

पैरामाफ ७ में मद (६) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, मर्थात्:---

"(6) सूत में इस्तेमाल किए गए विभिन्न प्रकार तंतुमों में से प्रत्येक का वास्तविक प्रतिशत, उदाहरणार्थ:---रूई 60 प्रतिशत

. पोलिएस्टर फाइबर 40 प्रतिशत

श्रीर यदि किसी तंतु की प्रतिशत मात्रा सूत में लगे सभी किसा तंतुओं का सम्पूर्ण मात्रा के दो प्रतिशत से कम हो तो ऐसे तंतु की प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाने की श्रावश्यकता नहीं।

टिप्पणी:—उपर्युक्त उदाहरण केवल निदर्शन के लिए हैं। विनिर्माता रूई के ग्रंश या ग्रार्ट सिल्क या ऊन के ग्रंश की वास्तविक प्रतिशत माला की मोहर लगायएगा जो संमिश्र सूत म इस्तेमाल किए गए तंतुओं की संपूर्ण माला के भार के ग्राधार पर, प्रतिशत के रूप में होगा। यदि ग्रार्ट सिल्क का उपयोग संमिश्र सूत के एक संघटक के रूप में किया गया हो तो उसके प्रजाति नाम, जैसे नाइलोन, पोलिएस्टर एकिलिक, विस्कोज ग्रादि, जो भी हो, की मोहर उपर्युक्त उवाहरण के श्रनुसार लगाई जाएगी।

सं० 10(1)/73-78/सी० एल० बी०-U—कपास नियंत्रण श्रादेश, 1955 के खंड 4ए में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्द्वारा वस्त्र आयुक्त की श्रधिसूचना सं० 10(1)73-76-सी० एक० बी०-U—दिनांक 5 श्रगस्त 1976 को विखंडित करता हूं।

2. उक्त विखंडन के बायजूद भी विनिर्माता द्वारा रखी जा सकने वाली रूई का माला का विनियमन बस्त श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० 10(1)/73-74/सी०एल० बी०-II दिनांक 19 दिसम्बर, 1974 द्वारा होता रहेगा।

सं० सी० एल० बी० 11/10(2)/77-78—कपास नियंत्रण मादेश, 1955 के खंड 14 ए तथा ग्रन्य संबंधित उपबंधों में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र भायुक्त की ग्रिधसूचना सं० सी० एल० बी० 11/10(1)/73-76 दिनांक 11 ग्रक्टूबर, 1976 में निम्नलिखिल संशोधन करता हूं, ग्रथित्:—

उक्त प्रधिसूचना में से निदेश सं० (1) निकाल दिया जाएगा।

> गौरी शंकर भार्गब, संयुक्त वस प्रायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रमासन मनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 5 ग्रगस्त 1978

सं ० प्र०-1/2(360)—राष्ट्रपति श्री एम० सुन्दररामन, जो पूर्ति तथा निपटान महालिदेशालय, नई दिल्ली में 1 फरवरी, 1978 से तवर्थ श्राधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड 1) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे को विभांक 9 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से श्राकामी श्रावेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मन्नास में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा

₹ग्रुप ए के ग्रंड-1) के पद पर नियमित आधार पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/2(360)—राष्ट्रपति, श्री एम० ए० बी० चुगताई जो पूर्ति तथा निपटान निदेशालय बस्बई में 1-7-77 से तदर्थ ग्राधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-1) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे को दिनांक 9-3-78 से ग्रागामी ग्रावेशों के जारी होने तक उसी निदेशालय, बस्बई में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-1 में) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1 (836)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-III) श्री एस० फारूख हमीद को दिनांक 17 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली, में स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर उप निवेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-II) के रूप म नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश, (उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति सथा निपटान

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 4 ग्रगस्त 1978

सं० 6/85/54-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एम० एस० विनोद बाबू फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थानापन्न विन्नेता को दिनांक 31-7-1978 के पूर्वाह्म से फिल्म प्रभाग बम्बई के वितरण विभाग में स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया ।

एम० चन्द्रन नायरी प्रणासकीय ग्राधिकारी **कृते** प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और वृश्य प्रचार निवेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 ग्रगस्त 1978

सं० ए०-20012/4/71-प्र० (ए०)—विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री जी० सी० बनिक को जौरहाट स्थिस क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय में 15-7-78 (प्रपराह्न) से ग्रगक्ष ग्रावेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी ग्राधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

ग्रारि० देवासर उप निवेशक (प्रशासन) कृते विकापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 ग्रगस्त 1978

सं० ए० 12026/6/77-श्रौ० नि०—राष्ट्रपति, केन्द्रीय श्रौषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता के जीव रसायन बिज्ञानी डा० एस० सी० शर्मा को 1 जुलाई, 1978 की पूर्वाह्र से ग्रागामी श्रादेशों तक उसी प्रयोगशाला में उप-निवेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० एस० सी० शर्मा ने उसी दिन से केन्द्रीय भ्रौषधि प्रयोगशाला के जीव रसायन विज्ञानी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

संगत सिंह उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

सं० 12025/15/77-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निर्देशक ने डा० कुलबीप कौशिक को 16 मार्च, 1978 पूर्वाह्न से श्रामामी आदेशों तुक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद में दन्त-शस्य चिकित्सक के पद पर स्थानापन्न श्राधार पर नियुक्त किया है।

> शामलाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

भारतीय डाक-तार विभाग

मद्रास, दिनांक 2 ग्रगस्त 1978

सं० ए० एस० टी॰/ए० ई०-5/IV/—महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन जिला, निम्नलिखित कनिष्ठ डंजीनियरों को उनके नाम के श्रागे उल्लिखित ग्रवधि के लिए, स्थानीय प्रबन्ध के रूप में, सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं:—

		. <u> </u>	
ऋ० सं०	नाम	पदोन्नति की तारीख	पूर्व पद पर परावर्तन की सारीख
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	के० जी० सुन्दरेसन	10-2-78 पर्वाह्न	30-3-78 भ्रपराह्न
2.	बी० एस० नागराजन	10-2-78 प्वह्नि	30-3-78 म्रपराह्न
3.	श्रार० संपत	13-3-78 श्रपराह्न	30-4-78 पूर्वाह्न
4.	एम० ई० जयबालन	10-4-78 ग्रप राह्न	27-5-78 पूर्वास्त्र
5.	एम० ई० लक्ष्मणन	13-4-78 श्रपराह्य	1-6-78 ग्र पराह्य

1 2	3	4
6. ई० वी० नटेसन	22-4-78	6-6-78
	भ्रपराह्म	पूर्वाह्न
7. एन० एम० कन्दस्वामी	22-478	6-6-78
	श्र <u>प</u> राह्न	पूर्वाह्न
8. भ्रा र० पुष्पनादन	1-5-78	
	भपरा <i>ह्</i>	
 म्रार० म्रप्पादुरै 	1-5-78	-
	भ्रपराह्	
10. एस० भ्रस्तानन्दम	1-5-78	
	भपराह्म	
11. के० एस० राम मूर्ति	15-5-78	
	ग्रपराह्म	
12. एन० वी० वरदराजुलु चेट्टी	15-5-78	
	भ्रपराह्म	
13. डी० निरुषट्टीस्वरन	23-5-78	20-6-78
	प्र पराह्न	
14. ग्रार० संकरन	23-5-78	_
15. एस० बी० सुन्नमणियन	5-6-78	-
16. एन० संपत	12-6-78	
	भ्रपराह्म	
17. बी० षण्मुगम	21-6-78	
•	भ परा ह्य	
18. एन० पलनिस्वामी	21-6-78	19-7-78
	अपराह्न	भपराह्न
19. एस० रामस्वामी	26-6-78	15-7-78
	श्रपराह्म	ग्रपराह्न
20. एन० दासु	20-6-78	
	भ्रपराह्म	
21. ग्रार० जानकीरमन	24-6-78	17-7-78
	म्रपराह्म	ग्रपराह्म
		ह ॰ म्रपठनीय
	सहायक महाप्रबन्धन	ष्ट (प्रशासन)

कृषि श्रौर सिचाई मंत्रालय

विस्तार निदेशालय कृषि विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1978

 नियुक्ति दिनांक 28 फरवरी, 1978 से श्रागे 26 जुलाई, रै 1978 तक किनी रही।

> इन्द्रजीत कपूर, निवेशक प्रशासन

ग्रामीण विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

अधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1978

सं० ए० 19023/6/78-प्र० III—इस निदेशालय में विपणन श्रिधिकारी के पद से श्री एस० एस० इरापती द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र को दिनांक 26-9-77 (श्रपराह्न) से स्वीष्टत किया जाता है।

जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, विनांक 4 भ्रगस्त 1978

सं प्रणा 19024/9/78-प्र III श्री ए० ए० एस० प्रकाशा राय, वरिष्ठ रसायनज्ञ को कोचीन में दिनांक 10 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया ग्रह्मकालीन श्राधार पर तीन माह से ग्रधिक की ग्रवधि के लिए नहीं या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में नियुक्त किया जाता है ।

सं० प्रगा० 19025/21/78-प्र०III—श्री टी० जी० साहती, सहायक विपणन श्रिधकारी (अस्थाई) (जो निलम्बित है) को केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर ध्रपील) नियम, 1965 के श्रनुसार दिनांक 1 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से सरकारी सेवा से हटाया गया है।

विनांक 5 श्रगस्त 1978

सं० प्रशा० 19023/59/78-प्र० [II]—श्री के० एस० निणाल, सहायक विपणन प्रधिकारी को नई दिल्ली में दिनांक 3 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से पूर्णतया श्रल्पकालीन श्राधार पर तीन माह की श्रवधि के लिए या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में जो भी पहले षटित हो, स्थानापप्र रूप में विपणन श्रधिकारी (वर्ग-II), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन ग्रधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री निगाल ने दिनांक 3 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० प्रमा० 19023/66/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री के० के० निम्नियार को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदानाद में दिनांक

31 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में विपणन ग्रधिकारी (वर्ग-I), नियुक्त किया जाता है।

बीं० एस० मनिहार, निदेशक, प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

बेहरादुन-248001, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

सं० 6-1/78-प्र० -- प्रण्डेमान श्रौर निकोबार शासन के श्री बी० के० वासु जो कि वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, कलकत्ता जो कि इस संख्या की एक ईकाई है, में सहायक वन संरक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे थे, 27 मई, 1978 के श्रपराह्म को संबंधित पद का कार्यभार छोड़ दिया। श्री वासू की सेवाएं 29-5-78 से 19-7-78 सक श्रवकाण की समाप्ति पर, श्रंडमान निकोबार शासन को पुनः सींप दी गई है।

सी० एल० भाटिया, मुख्य समन्वयक

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा, दिनांक 18 जुलाई 1978

सं० एनएपीपी/प्रशासन/ 1 (18) / 78/एस०---मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना ने, इस कार्यालय के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० वेणुगोपालन की, 24 मई, 1978 के पर्वाह्न से 17 जुलाई, 78 के अपराह्न तक के लिए, उसी परियोजना में प्रशासनिक अधिकारी-II के पद पर 840-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपए के वेतनमान में तदर्थ प्राधार पर की गई नियुक्ति को मंजूरी दें दी है। यह नियक्ति श्री प्रार० पी० हरन, प्रशासनिक अधिकारी-II के स्थान पर की गई है जिनका तबादला परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान कलकत्ता को हो गया है और जो बहां प्रशासनिक अधिकारी-III के पद पर तैनात किए गए हैं।

जी० जी० कुलकर्णी, वरिष्ठ प्रशासन मधिकारी

नरोरा, दिनांक 22 जुलाई 1978

सं० एनएपीपी/प्रशा० 1(81)/78-एस०/7593----विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग पूल के स्थायी ड्राफ्ट्समैन "सी" ग्रौर नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एसबी श्री ताजमोहम्मद ने ग्रपने स्यागपत्र के फलस्वरूप 23 जून, 1978 के ग्रपराह्न में ग्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० कृष्णन, प्रशासनिक श्रधिकारी

ऋय ग्रीर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, विनांक श्रगस्त 1978

सं० क० भ० नि०/23/8/77-संस्थापन/20690— निवेशक, क्रय और भण्डार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखत व्यक्तियों को सहायक लेखा अधिकारी पद पर प्रभारी रूप से कार्य करिन हेतु, रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के वेतन क्रम में सदर्थ रूप से उनके सामने दिखाए गए समय तक इसी निवेशालय में नियुक्त करते हैं।

श्री जे० जी० साठे, सहायक लेखाकार

17-3-78 से 9-6-78 तक

2. श्री ए० एम० परुलकर, सहायक लेखाकार

27-4-78 से

To said a data (Alland) (Charles (Alland)

3-6**-78 तं**क

3. श्री ए० मैस्करैन्स, सहायक लेखाकार

8-5-78 से 9-6-78 सक

4. श्री वी० जी० पिम्पलखरे, सहायक

10-5-78 से 9-6-78 तक

लेखाकार

15-5-78 से

श्री दर्शन सिंह, प्रभागीय लेखाकार

23-6-78 सक

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, विनांक 5 श्रगस्त 1978

प्रादेश

सं० नाईस/प्रशा-5/20/1215—जब कि यह ग्रारोपित है कि—

श्री एम० कनकाराजू, बैट क्लीनर, एम० ई० एस० के रूप में कार्य करते हुए इ्यूटी से बिना इजाजत के गैर हाजिर रहने की श्रादत के कारण कार्य का नुकसान करते रहे हैं। उक्त श्री कनकाराजू 1974 में 10 श्रवसरों 1975 में 10 तथा 1976 में बिना किसी वाजिब कारण के 5 श्रवसरों पर श्रनुपस्थित रहे हैं।

उक्त श्री कनकाराजू 30-11-1976 से इ्यूटी से गैर कानूनी खंग से निरंतर गैर हाजिर हैं।

अपने एकत आचरण के कारण उक्त श्री कनकाराजू ने ड्यटी से गैर कानूनी उंग से गैर हाजिर रह कर ना० ई० स० के स्थायी भादेशों के पैरा 34 तथा 39(5) के धनुसार भ्रादतन गैर हाजिरी की एक सुरी हरकत की है।

भीर जबकि उस्त श्री कनकाराजू को उनके विरूद्ध लगाये गए भारोपों की सूचना जापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/3376 दिनांक 14-11-1977 के द्वारा भेजी गई जिसमें उन्हें उक्त ज्ञापन मिलने की तारीख से 7 दिनों के भीतर प्रस्तावित कार्यवाही के खिलाफ प्रतिनिधित्व करने का श्रवसर दिया गया था,

भौर जब कि उक्त शापन डाक विभाग द्वारा टिप्पणी ''श्रासामी बिना बताए शहर से बाहर हैं' के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया,

भीर जब कि ना० ई० स० के स्थायी श्रावेशों के पैरा 41 2() की जरूरतों के मुताबिक जांच श्रायोजित करने के लिए श्रावेश सं० नाईस/प्रशा-5/20/49 व 50 दिनांक 6-1-1978 के द्वारा एक जांच समिति का गठन किया गया,

और जब कि जांच ग्रिधिकारी द्वारा 9-1-1978 को श्री कनकाराजू को प्रेषित सूचना कि 20-1-1978 के दिन वे जांच कार्यवाही के समय उपस्थित रहें, जाक विभाग द्वारा टिप्पणी "श्रासामी बिना बताए इस पते से चला गया है" के साथ बिना विसरित किए ही लौटा दी गई,

श्रीर जब कि उक्त श्री कनकाराजू जांच के समय उपस्थित नहीं हुए,

श्रौर जब कि जांच कार्यवाही एक तरफा पूरी हुई,

भौर जब कि जांच ग्रधिकारी ने उक्त श्री कनकाराजू के विरुद्ध भारोपों को सिद्ध करते हुए 20-1-1978 को जाच रपट दाखिल की,

भीर जब कि निम्न हस्ताक्षरकर्ता जांच रपट तथा बुरी हरकत की गम्भीरता पर विचार करने के पश्चात् इस भ्रनंतिम निर्णय पर पहुंचे कि उक्त श्री कनकाराजू सेवा मे कायम रहने लायक व्यक्ति नहीं हैं तथा उन्हें सेवा से भ्रलग कर दिया जाना चाहिए,

श्रीर जब कि उक्त श्री कनकाराजू को रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजे गए ज्ञापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/239 दिनांक 30-1-1978 में अनन्तिम निर्णय की सूचना दी गई तथा सेवा से अलग किये जाने की सजा दिए जाने के विरुद्ध, उक्त ज्ञापन मिलने के 10 दिनों के भीतर प्रतिनिधित्ब का मौका दिया गया था,

ग्रीर जब कि दिनांक 30-1-1978 का उक्त ज्ञापन 10-2-78 को प्राप्त होने की सूचना उक्त श्री कनकाराजू ने दी,

श्रौर जब कि उक्त श्री कनकाराजू उन्हें सेवा से ग्रलग करने की प्रस्तावित सजा के विरुद्ध प्रतिनिधित्व करने मे श्रसफल रहे, श्रीर जब कि निम्न हस्ताक्षरकर्ता इस श्रंतिम निर्णय पर पहुंचे कि उक्त श्री कनकाराजू पर सेवा से श्रलग करने की सजा श्रारोपित की जानी चाहिए,

श्रव, इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता, ना० ई० स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 43 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 28(1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 में प्रदत्त श्रीकारों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा उक्त श्री कनकाराजू को तत्काल प्रभाव से सेवा से श्रलग करते हैं।

पी० उन्निकृष्णन, वरिष्ठ प्रणासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० ए-32013/4/78-ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० जोशी, विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी को श्री एन० के० विपाठी, जिन्हें छुट्टी मजूर की गई है के स्थान पर दिनांक 19-6-78 से 17-8-78 तक की ग्रवधि के लिए मुख्यालय में तदर्थ ग्राधार पर वरिष्ठ विमान-क्षेत्र श्रिधकारी के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 1 प्रगस्त 1978

सं० ए-32013/5/77-ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री चानन सिंह, विमानक्षेत्र प्रिधिकारी को दिनांक 24 जुलाई, 1978 से भौर ग्रन्थ ग्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग तथा विमान क्षेत्र संगठन में विरष्ठ विमानक्षेत्र ग्रिधकारी के रूप में नियुक्त किया है। श्री चानन सिंह को सिविल विमानक्षेत्र ग्रागरतला में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1978

सं० ए० 19014/147/72-ई-1--श्री एस० दयाल, तकनीकी श्रिधकारी विमान सुरक्षा नागर विमानन विभाग, नई विल्ली का 9 जून, 1978 को सरकारी सेवारत होते हुए निधन हो गया है।

सं० ए-32013/10/77-ई-1—संघ लोक सेवा भ्रायोग की सहमित से महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के श्री एस० के० चक्रवर्ती स्थानापन्न बरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष (स्थायी पुस्तकाध्यक्ष) को इस विभाग में दिनांक 14-6-1978 से 31-10-78 तक की भ्रवधि के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (ग्रुप 'ख' राजपन्नित) के पद पर नियुक्त किया है। यह इस विभाग की दिनांक, 14-12-1977 की भ्रधिसूचना सं० ए-32013/10/77-ई(1) के कम में जारी की जाती है।

प्रेम चन्द्र जैन, सष्टायक निदेशक प्रशासन ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण तापीय विद्युत केन्द्र कार्मिक प्रशिक्षण संस्थान

नई दिल्ली-110044, दिनांक 27 जून 1978

ज्ञापन

सं० स्था/36/ताविककाप्रस/78/81-88—मैं केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्रस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) के परन्तुक की श्रनुपालना में एतद्द्वारा इस संस्थान के सफाईवाला, श्री मोविंद राम की सेवाश्रों को तत्काल समाप्त करता हूँ और निदेश देता हुं कि (नोटिस श्रवधि के बदले में) उन्हें उनके एक महीने के वेतन तथा भत्तों के बराबर रकम की ग्रदायगी कर वी जाए जिनकी गणना इस नोटिस के उनको मिलने ग्रथवा उनको दिये जाने की तारीख से तुरन्त पहले उनको दिए जा रहें वेतन ग्रौर भत्तों की दर के श्रनुसार की जाए।

जै० के० भसीन, निदेशक

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० ए-19012/688/78-प्रशा० पांच--संघ लोक सेवा प्रायोग की सिफारिश पर श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री मोहन ए० केतकर को केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत श्रनुसंधानशाला, पुणे में सहायक श्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरिग-दूर संचार) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 के वेतनमान में 29 जून, 1978 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2 श्री केतकर 29/6/78 से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे। सं ० ए-32014/1/77-प्रणा० पांच (खण्ड-II)—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप-बी) की सिफारिण पर श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, निम्नलिखित श्रिधकारियों को, जो इस समय केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निवेणक/सहायक श्रीभयंता के रूप में सदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, उसी श्रेणी में नियमित्त श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, उसी श्रेणी में नियमित्त श्राधार पर र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

कम अधिकारीकानाम		नियमिस नियुक्ति
स०		की तारीख
	श्री जी० रंगा राव श्री मोहन कुमार	2-11-77(पूर्वाह्न) 30-6-78(पूर्वाह्न)

उपरोक्त श्रधिकारी श्रितिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक अभियंता के पद पर उनके सामने दिखाई गई तारीखों से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे ।

सं० ए-32014/1/77-प्रणा०-पांच (खण्ड-II) — विभागीय पदोन्नित सिमित (ग्रुप-बी) की सिफारिश पर घ्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री कैलाण चन्द्र पर्यवेक्षक को, जिन्होंने चुखा हाई डिल परियोजना, भूटान में संवर्ग-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति/बाहरी सेवा में रहते हुए 'ग्रासन्न कनिष्ठ नियम' की सभी शर्ते पूरी की हैं, अनु-पस्थित में, स्थानापन्न रूप में ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक प्रभियन्ता की श्रेणी में २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30 जून, 1978 के पूर्वाञ्च से नियुक्त करते हैं।

2. श्री कैलाश चन्द्र बाहरी सेवा से वापस लौटने पर केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रभिमंता के पद का कार्य-भार सम्भालने की तारीख से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षा पर रहेंगे।

विनांक 4 श्रगस्त 1978

सं० क-19012/731/78-प्रशा०-पांच — ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री एन० एम० महाजन, ग्रनुसंधान सहायक, को केन्द्रीय जल तथा विद्युत ग्रनुसंधानशाला, पुणे में सहायक श्रनुसंधान ग्रधिकारी (भौतिकी) के पद पर ६० 650-30-740-35-810 -द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया श्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर 12 जुलाई, 1978 की पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1978 तक श्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० क-19012/732/78-प्रशा०-पांच--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, एम० जी० काम्बले, श्रनुसंधान सहायक, को केन्द्रीय जल तथा विद्युत श्रनसंधान शाला, पूणे में सहायक श्रनुसंधान ग्राधकारी (भौतिकी) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेसन-मान में पूर्णतया श्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर 12 जुलाई, 1978 की पूर्वाह्म से 30 सितम्बर, 1978 तक ग्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा, भ्रवर सचिव

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 2 श्रगस्त 1978

सं० 3-538/78-ई(ई)—श्री ग्रार० एम० श्रन्सारी को विनांक 28-7-78 (पूर्वाह्न) से ग्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, फरीदाबाद में भंडार श्रधिकारी सामान्य सिविल सेवा श्रेणी 'बी' (राजपत्नित) वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

श्रजीत सिंह मुख्य श्रभियन्ता एवम सदस्य

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 भ्रगस्त 1978

सं० 23/2/77-ई सी II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित प्रधिकारी वार्धक्य की प्रायु प्राप्त करने पर, सरकारी सेवा से दिनांक 31 जलाई, 1978 (दोपहर बाद से) को सेवानिवृत्त हो गए:

नाम	वर्तमान पदनाम
1. श्री डी० पटवारी	कार्यपालक इंजीनियर 'डी' मंडल, के लो नि वि, नई दिल्ली
2. श्री रणबीर सिंह	कार्यपालक इंजीनियर, लोनिव मंडल-10 (दिल्ली प्रशासन), नई दिल्ली
3. श्री के० रामचन्द्रन	कार्यपालक इंजीनियर, मद्रास केन्द्रीय मंडल सं० 1, के लो नि वि, मद्रास

सु० सू० प्रकाश राव प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 जुलाई 1978

सं० 6/6/78-प्र० 2/ग्रध्यक्ष—केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतत्क्षारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में ग्रांतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रंड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से ग्रन्य ग्रादेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एस० के० ग्रग्रवाल	31-3-78(भ्रपराह्म)
2. श्री जी० एस० के० नायर	21-3-78(भ्रपराह्न)
 श्री ए० के० डुडेजा 	2 1-3-78(ग्र परा ह्न)
4. श्री कुलदीप सिंह-I	31-3-78 (श्र परा ह्न)

संतोष विश्वास, भ्रवर सचिव

सवारी डिब्बा कारखाना
महाप्रबंधक का कार्यालय
कार्मिक शाखा/शेल

मद्रास-38, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० पी० बी० / जी० जी० / 9/ विविध --श्री जे० एस० रूक्मांगदन (भ० नि० सं० 48546), स्थानापन्न मुख्य श्रमिकल्प सहायक/ बिजली (श्रेणी Π II) को 3-4-78 से सहायक बिजली इंजीनियर/ ग्रिभिकल्प/ महानगर (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री जी० राजामणि (भ० नि० सं० 48422), स्थानापन्न सहायक कर्मशाला प्रबंधक/ बिजली (श्रेणी II) को 16-1-1978 से वेतन मान ६० 650-1200 (सं० वे०) में श्रेणी II में स्थाई बनाया गया।

श्री एम० सुब्बा राव (ग्र० जा०) (भ० नि० सं० 48420) स्थानापन्न शाप [ग्राधीक्षक/ बिजली/ गाप-29 (श्रेणी III) को 26-4-78 से सहायक कर्मशाला प्रबंधक/ बिजली (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री टी० ए० रामचन्द्रन (भ० नि० सं० 20101), स्थानापन्न वरिष्ठ विजली इंजीनियर/ श्रनुरक्षण (व० वे०) को 26-4-78 से उप मख्य कार्मिक श्रीधकारी (क० प्र०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री जी० राजामणि, सहायक बिजली इंजीनियर/ निरीक्षण (श्रेणी II) को, 28-4-78 से 10-6-1978 तक कर्मशाला प्रबंधक/ बिजली ($a \circ a \circ$) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नस किया गया ।

श्री एन० वेलप्पन पिल्ले (भ० नि० सं० 27181), स्थाना-पन्न शाप श्रधीक्षक, शाप-22 (श्रेणी III) को 29-4-78 के श्रपराह्म से सहायक उत्पादन इंजीनियर/ उत्पादन नियंत्रण/ शेल (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री सी० ए० कृष्णमूर्ति (भ० नि० सं० 40038), स्थानापन्न उप भंडार नियंत्रक (क० प्र०) को रेलवे बोर्ड में संयुक्त निदेशक, रेलवे भंडार (खरीद) के रूप में हुए ग्रपने स्थानांतरण के आदेश का पालन करने के लिये 2-5-78 के ग्रपराह्म को इस प्रशासन से भारमुक्त किया गया।

श्री ग्रार० सुदंरम (भ० नि० सं० 22510), ग्रनुभाग ग्रिधकारी (श्रेणी $^{\rm III}$), बि० सं० भीर मु० ले० ग्र० का कार्यालय, को 3-5-78 से सहायक लेखा ग्रिधकारी/ लागत/ शेल (श्रेणी $^{\rm II}$) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदीभत किया गया ।

श्री एस० ग्रमोक (भ० नि० सं० 48396), स्थानापन्न मुख्य श्रभिकल्प सहायक / बिजली (श्रेणी III) को 4-5-78 से सहायक बिजली हंजीनियर/ सामग्री योजना (श्रेणी II) (सदर्थ) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री सैयद नियमजुल्ला (भ० नि० सं० 21463), स्थानापन्न सहायक कर्मणाला प्रबंधक/ श्रसेंब्ली / फर० (श्रेणी II) को विश्विष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप ूसे पदोन्नत करके 11-5-78 से 13-6-78 तक स्थानापन्न कर्मणाला प्रबंधक/ ए०-ग्राई० श्राई०/ शेल (व० वे०) के रूप में तैनात किया गया।

श्री एन० सी० रामकृष्णन (भ० नि० सं० 42469), स्थानापम शाप श्रधीक्षक/ शाप-16 (श्रेणी III) को 11-5-78 से सहायक उत्पादन इंजीनियर/ प्रगति/ शेल (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री एम० एन० कृष्णमृति (भ० नि० सं० 22509), स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी / फर्निशिंग (श्रेणी 11) को 15-5-78 से वरिष्ठ लेखा प्रधिकारी / शेल (व० वे०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री जे० राजन (ग्र० जा०) (भ० नि० सं० 44166), म्रम्भाग मधिकारी / भंडार/लेखा (श्रेणी III) को 15-5-78 से सहायक लेखा ग्रधिकारी / फर्निशिंग (श्रेणी [I) के रूप में स्थानापन्न रूप से तैनात किया गया।

श्री एस० जगदीशन (भ० नि० सं० 48397), स्थानापन्न सहायक शाप श्रधीक्षक/शाप-45 (श्रेणी III) को 12-5-78 से सहायक बिजली इंजीनियर / निरीक्षण (श्रेणी II) (तदर्थ) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री टी० प्रार० नटराजन, स्थानापन्न उप भंडार नियंत्रक (क्ष० प्र०) ने डीजल रेल ग्रंजन कारखाना, वाराणसी, से स्था-नान्तरित होकर इस प्रशासन में भर्ती रिपोर्ट पेश की श्रीर उन्हें 17-5-78 को उप भंडार नियंत्रक के रूप में तैनात किया गया ।

श्री के० के० वर्गीज (भ० नि० सं० 21488), स्थानापन्न शाप ग्रधीक्षक / शाप-30 (श्रेणी][]) की 25-5-78 से सहायक कर्मणाला प्रबंधक/ विनिर्माण / फर्निणिग (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नप्त किया गया ।

श्री के० एस० दस्तगीर (भ० नि० सं० 40049), स्थानापन्न कार्यपालक इंजीनियर (व० वे०) को 27-5-78 से स्थानापन्न उप मुख्य इंजीनियर (क०प्र०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री वी० ग्रार० रामनाथन (भ० नि० सं० 20202), महाप्रबंधक के स्थानापन्न सचिव (व०वे०) को, जिनका इस प्रणासन के ब्राई० ब्रार० एस० एस० संवर्ग के कनिष्ठ वेसनमान में धारणाधिकार (लीन) है, 6-6-78 से वरिष्ठ वैतनमान में, स्थाई बनाया गया।

श्री एस० चिदंबरम (भ० नि० सं० 48010), स्थानापन्न बरिष्ठ बिजली इंजीनियर/प्रनुरक्षण (व०वे०) (तदर्थ) को श्रेणी II सेवा में परावर्तित करके 10-6-78 से सहायक बिजली इंजीनियर/ निर्माण (श्रेणी II) के रूप में तैनात किया गया ।

श्री एस० मस्तान (ग्र०जा०) /(भ० नि० सं० 57740), प्रधीक्षक /निरीक्षण / बिजली (श्रेणी III) स्थानापन्न माप को 13-6-78 से सहायक बिजली इंजीनियर/संपर्क-II (श्रेणी (तदर्थ) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नति किया गया ।

श्री बी॰ महावेयन (भ॰ नि॰ सं॰ 48407), स्थानापन्न शाप ग्रधीक्षक / उ० नि० बिजली (श्रेणी III) को 15-6-78 बिजली इंजीनियर/ निरीक्षण (श्रेणी II) (तदर्थ) के रूप में स्थानापन्न रूप से पवीन्नस किया गया।

श्री प्रार० विनायकमृति (भ० नि० सं० 20937), को जो आई० श्रार० एस० एम० ई० के० श्रधिकारी है। 12-6-78 से वरिष्ठ वेतनमान में स्थाई बनाया गया।

श्री बी० नारायणस्वामी (भ० नि० सं० 22121), स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/ प्रगति/ फर्निशिंग 30-6-78 को सेवा निवृत्त हो गये।

श्रीबी०एफ० मेशराम (ग्र०जा०) (भ०नि० सं० 42441), स्थानापन्न माप प्रधीक्षक, माप-42 (श्रेणी III) को 6-7-78 से सहायक यांत्रिक इंजीनियर/ डी० पी० डी० (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया

> एस० वेंकटरामन कार्मिक अधिकारी उप मुख्य कृते महाप्रबंधक

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनाक 3 ग्रगस्त 1978

सं जी । एम । ए । जी । एस । / 8 (मेड) - इस प्रशासन के निम्नलिखित डाक्टर को चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना के चिकित्सा विभाग के संवर्ग में प्रथम श्रेणी की सेवा में सहायक जिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर तारीख 01-10-1973 (पूर्वाह्न) से स्थायी किया जाता है।

ऋम सं०	! डाक्टर का नाम	पद जिस पर स्थायी किया गया है
1		3
1. ভা	० एस० के० चटर्जी	सहायक जिला चिकित्सा ग्रधि- कारी (ग्रन्तरंग)।
2. डा	० म्रसित कुमार बनर्जी	सहायक जिला चिकित्सा ग्रिधिकारी (पैयोलोजी़) ।
3. डा	० ए० बी० राय	सहायक जिला चिकित्सा ग्रधि- कारी (ग्रन्तरंग) ।
4. ভা	० एम० सी० सरकार	सहायक जिला चिकित्सा <mark>प्रधिकारी</mark> (ग्रन्तरंग) ।
5. डा	० एस० के० दास	सहायक जिला चिकित्सा ग्रधिकारी (बहिरंग)।
6. डा दा	० एच० बी० तपा- र	सहायक जिला चिकित्सा ग्रधि- कारी (वक्षनिदानशाला) ।
7. ভা	० ए० मैंत्र	सहायक जिला चिकित्सा ग्रीध- कारी (जन स्वास्थ्य)
8. স্থা	०एस० भट्टाचार्य	सहायक चिकित्सा जिला प्रधि - कारी (बहिरंग) ।
	० ग्रजित कुमार री बनर्जी	सहायक जिला चिकित्सा ग्रधि- कारी (बहिरंग)।

1	2	3
10.	डा० के० पी० विश्वास	सहायक जिला चिकित्सा ग्रधि- कारो (एनेस्थीसिजोलाजी)।
11.	डा० डी० बी० सेन	सहायक जिला चिकित्सा भ्रधि- कारी (श्रन्तरंग) ।
1 2·	डा० ए० एम० विष्वास	सहायक जिला चिकित्सा स्रिधि कारी (ग्रन्तरंग)।
1 3.	डा० (कुमारी) पी० मृत्सुद्दी	सहायक जिला चिकित्सा अधि- कारी (श्रन्तरंग) ।

के० रमन महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 2 श्रगस्त 1978

सं० 28 — उत्तर रेलवे के निम्नलिखित श्रधिकारी, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से श्रन्तिम रूप से, रेल सेवा से निवृत्त हो गये हैं:—

1. श्रीजे बी शर्मा, सहायक कार्मिक श्रधिकारी 31-8-76 श्रपराह्न

2. श्रीटी०पी० कपूर, उप मुख्य कार्मिक ग्रधिकारी. 30-6-77 श्रपराह्म

3. श्री एस० सी० मुखर्जी, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी 30-6-77 भ्रपराह्व

4. श्री बी० डी० व शिष्ठ, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी 30-6-77 ग्रपराह्म

5. श्री ए० सी० जैन, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी 30-9-77 श्रपराह्म

6. श्री बी० एल० मधोक, मन्डल कार्मिक ग्रिध- 28-2-78 कारी ग्रपराह्म

सं० 29 --- उत्तर रेलवे के निम्नलिखित ग्रंधिकारी प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से ग्रन्तिम रूप से रेल सेवा में निवृत्त हो गये हैं:---

1. श्री ग्रार० एन० निगम, सहायक सतर्कता 28-2-77 ग्रियकारी ग्रिपराह्न

2. श्री ग्रार०के० बहादुर विधी श्रधिकारी 31-7-77

श्रपराह्म

3. श्री श्रो०पी० चोपड़ा, वरिष्ठ उपमहाप्रबन्धक 31-8-77

ग्नपराह्न 4. श्री भ्रो०पी० मेहता, सहायक वाणिज्य प्रकाशन 31-8-77 भ्रषिकारी I भ्रपराह्न

- 5. श्री बी० डी० ग्राहूजा, सहायक सचिव महा- 31-8-77 प्रबन्धक ग्रपराह्म
- 6. श्री जी० एच० केसवानी, महाप्रवन्धक 31-5-78 श्रपराह्न

एच० एल० भाटिया महाप्रबन्धक (कार्मिक)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंद्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स तुलसी बिल्डर्स ईन्टरप्राईसीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 ग्रगस्त 1978

सं० 560/1962 — कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतदृद्वारा सूचना दी जाती है, कि मैसर्स तुलसी बिल्डर्स ईन्टरप्राइसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स शंधवी बायर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 स्रगस्त 1978

सं० 560/ 1976 — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के श्रनुसरण में एसद्वारा सूचना दी जाती है कि, मैंसर्स शंधवी वायर इण्डस्ट्रीज प्राध्वेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 भौर मैसर्स स्पेणीयल बेरींग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 भगस्त 1978

सं० 560 | 2163 — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स स्पेशीयल बेरींग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी भिधिनियम, 1956 भौर मैसर्स तुलसी इंबेस्टमेन्ट गुजरात प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

भहमदाबाद, दिनांक 1 भ्रगस्त 1978

सं० 560/2215 ---कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के भ्रनुसरण में एतदृहारा सूचना दी जाती है कि, मैसर्स तुलसी इनवेष्टमेन्ट गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटिस हो गयी हैं।

जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, ग्रहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स रूंगटा स्ट्रा बोर्ड एण्ड पेपर प्रोडक्ट्स प्राडवेट लिमिटेड के विषय में ।

·ग्वालियर, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० 1245/ए०/ 560 (5) — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेंसर्स संगटा स्ट्रा बोर्ड एण्ड पेपर प्रोटड्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विघटिस हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स इन्दौर बांटलिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, विनांक 29 जुलाई 1978

सं० 1252/ए०/ 560 (5) — कम्पनी श्रिधिनिमय, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद- द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसमें इन्दौर बांटलिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स इस्टर्न रीफेब टेक्नोलोजी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

ग्वालियर दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० 1270/ए०/560 (5) — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैंसर्स ईस्टर्न रीफेब टेक्नोलोजी प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वास्त्रियर

कम्पनी घ्रधिनियम 1956 घ्रीर आकाश चिट फण्ड एण्ड ट्रेडिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 5 ग्रगस्त 1978

सं० 3816/14308—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर भ्राकाश चिट फण्ड एण्ड टरेडिंग कं० प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

> ह० श० शर्मा सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार विल्ली एवं हरियाणा

कार्यालय भासकीय समापक

नई दिल्ली-110002, दिनाक 3 जुलाई 1978 सेषा समाप्त होने का नोटिस

स० पी० एफ०/ पी० डी० पी० / श्रो० एल० — केन्द्रीय जान पद सेवा (ग्रन्थाई सेवा) नियम 1965 के ग्रन्तर्गत उपधारा (1) की धारा 5 में मैं, शासकीय समापक, दिल्ली के कार्यालय के चपरासी श्री पुण्य देव प्रकाण को सूचित करता हूं कि इस नोटिस के राजकीय पत्न में प्रकाशित होने की तिथि के एक माह उपरान्त उन की सरकारी सेवा समान हो जाएगी।

एस० च० मित्तल शासकीय समापक, दिल्ली

श्री पुण्य देव तकांश नं० 25 ए, फेस न–II, कौटवारीया सराय, डी० डी० ए० क्वाटरस, नई दिल्ली

कार्यालय, धनकर/दानकर श्रायुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1978 धनकर/दानकर

फा० सं० जुरि० दिल्ली/2/78-79/ 17356—धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 8 ए० ए० की उपधारा (1) तथा दान-कर अधिनियम, 1958 की धारा 7 ए० ए० द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, धन-कर/दान-कर आधुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि धन-कर अधिकारी/दान-कर अधिकारी कम्पनी सिकल 24 और डिस्ट्रिक्ट 6 (13), नई दिल्ली को किसी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग या आय या आय के वर्ग या मामले या मामलों के वर्ग के बारे में प्रदान की गई या सौंपी गई किसी या सभी शिक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2-ई भी साथ-साथ करेंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन के लिए धनकर/ दान-कर ग्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली, धनकर ग्रिधिनियम की धारा 8 ए० ए० की उपधारा (2) तथा दानकर ग्रिधिनियम की धारा 7 ए० ए० के मन्तव्य के श्रनुसार ग्रादेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक धनकर/ दानकर ग्रायुक्त, रेन्ज, 2-ई को भी प्राधिकृत करते हैं।

यह म्रादेश 1-8-78 से लागू होगा।

ए० सी० जैन भ्रायकर म्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली

कार्यालय भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-3 नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1978 कर-वसूली श्रधिकारियों मे कार्यभार का वितरण श्रादेश

फा० सं० जृरि-दिल्ली/3/78-79/ 17478—-इस विषय पर पहले के सभी श्रादेशों का ग्राधिकमण करते हुए श्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे की ग्रनुसूची में निर्दिष्ट कर-वसूली श्रिधिकारी उसी श्रनुसूची के कालम 3 मे निर्दिष्ट रेज-/डिस्ट्वटो/सिंगलों के बारे में भ्रपने कार्य करेगे :--

ग्रन्यची

क्रम सं० पदनाम	ग्रायकर डिस्ट्रिक्ट/ सर्कि ल
1 2	3
1. कर-वसूली ग्रधिकारी-5 नई दिल्ली	डि॰ 5 (1), 5(2), 5 (3), 5(4), (5 (5), (5(6), 5 (7), 5 (8), (5 (9), 5 (10), 5 (13), 5 (14), 5 (15), 5 (15), ग्रसिंग्स्ति, 5 (18), नई दिल्ली।
तथा ग्रतिरिक्त	सर्वे सर्किल-4.
 कर-वसूली अधिकारी-8 नई दिल्ली 	डि॰ 8 (1), 8(2), (8(4), 8 (6), 8(7), 8(8), 8 (9), 8 (10), 8(11), 8 (12), 8 (16), 8 (17), तथा स्राई॰ ए॰ सी॰ रेज-4
	डी० निर्धारण ।
3· कर-वसूली ग्रधिकारी-14 नई दिल्ली	डि॰ 10(1), 10 (2), 10 (4), 10 (6), 10 (7), 10(8), 10(9),10(10), 10 (12), 10 (13), तथा सर्वे सर्कल-4, नई दिल्ली।
4. कर-वसूली ग्रधिकारी-10 नई दिल्ली	डि॰-5(11), 5(12), 5 (16), 8(3), 8(5), 8(13) 8 (14), 8 (15), 10 (3), 10 (11), स्पेशल सर्किल-6, स्पेशल सर्किल-6 प्रतिरिक्त, स्पेशल सर्किल-10, स्पेशल सर्किल 14, स्पेशल मर्किल-16, नई दिल्ली।

फा० मं० जुरि-दिल्ली/3/78-79/17407 :--- इस कार्यालय की दिनाक 19-4-77 की प्रधिसूना एए० सं० जुरि०-दिल्ली/ 3/78-79/ 1375 में आशिक संजोधन करते हुए तथा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 वा) की धारा 123 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियो, तथा इस बारे में प्राप्त ग्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हें कि नीचे दी गई अनस्ची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, उसी श्रनसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डि०/ सर्किलों

यह आदेश 1 अगस्त, 1978 से लागु होगा।

के भायकर प्रधिकारियों के प्रधिकार क्षेत्र में भ्राने वाले क्षेत्र या व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग या भ्राय या भ्राय के वर्ग या मामले या मामलो के वर्गी के बारे में उक्त प्रधिनियम के प्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायक्त के सभी कार्य निष्पादित करेगे :---

ग्रस सची

ग्रनुसूचा	
रेन्ज	ग्रायकर डिस्ट्रिक्ट / सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहामक श्रायकर ग्रायुक्त रेन्ज-4 ए	डि॰ 5 (1), 5(2), 5(3), 5 (6), 5(5), 5 (6), 5(7), 5(8), 5 (9), 5 (10), 5(13), 5 (14), 5(15), 5(15) म्रतिरिक्त, 5(18), नई दिल्ली तथा म्रति- रिक्त सर्वे सर्किल-4
कर वसूली	ग्रधिकारी- 5, नई दिल्ली
निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त रेंज-4 बी०	डि० 8(1), 8(2), 8(4), 8(6),8(7)8(8),8(9), 8 (10), 8(11),8(12), 8(16), तथा 8 (17), नई दिल्ली।
कर-यसूली र्घा	धकारी-8, नई दिल्ली
नि रीक्षीय स हायक श्रायकर श्रायुक्त रेन्ज~4 सी०	डि॰ 10(1), 10 (2), 10 (4), 10(6), 10 (7), 10 (8), 10(9), 10(10), 10 (12), 10(13), तथा सर्वे

सकिल -4, नई दिल्ली ।

कर-वसूली श्रधिकारी-14, नई दिल्ली

निरीक्षीय सहायक श्रायकर বি০ 5(11),5(12) 5(16), 8(3), 8(5), 8 (13), 8 ग्रायक्त रेन्ज-4-ई० (14), 8 (15), 10(3), 10(11), स्पेशल सर्किल-6, स्पशल सर्किल-6 ग्रतिरिक्त, स्पेशल सर्किल-10, स्पेशल सर्किल 14, स्पेशल सर्किल-16 नई दिल्ली कर-वसूली ग्रधिकारी-10, नई दिल्ली।

यह श्रादेश 1 श्रगस्त, 1978 से लागू होगा।

एस० बी० देवा, ग्रायकर ग्रायक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली

प्रकप आई• टी॰ एन॰एस॰--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० 112/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन मायकर मिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भिक्षक है

श्रौर जिसकी सं० 10-3-76 I सत मारेडपली हैं, जो सिकन्द्राबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्शय से उक्त धन्तरण किखित में वास्तविक कप से कथित नड्डी किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भाषानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

यत: भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों प्रधीत :---

- (1) श्री बी० एस० वरदराज पिता श्रो० वी० सबापती ईस्ट मारेडपली घर नं० 10-3-36 सिकन्द्राबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सोहनराज पिता इन्दरमल घर नं० 10-3-36 इस्ट मारेडपली सिकन्द्राबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भो भाक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष मंप्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध पिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और वदों का, जो उक्त मिन्ध-नियम के ग्रह्याय 20क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अभुसुधा

पहीला सता का घर नं० 10-3-36 तुर्प मारेटपली सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2066/77 घर रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में ।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 3-8-1978

प्रकृप धाई • टी • एन • एस •--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 24 जुलाई 1978

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/31/77-78---यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० मे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 78 डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल एस्टेट नं० I निकट 13/6 माईल स्टोन है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकर्रण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है घौर घन्तरक (अन्तरकों) घौर घन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरग से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने मे सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसा किसी भाग या किसी घन या प्रत्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिप्तियम, या श्रन-कर ग्रिप्तियम, या श्रन-कर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उनः अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण म, में, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्राचीन निम्मनिचित स्पक्तियों, अर्थात् :--- मैं० न्यू हिन्दुस्तान भ्रायरन स्टोरस मार्फत श्री के० के० चोपड़ा पुत्र श्री रोशन लाल चोपड़ा निवासी के-39, साउथ श्रकस्टैनशन पार्ट-II, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(1) कु० रिछा गुप्ता सुपुत्री श्री हिर चन्द गुप्ता
 (2) कु० गस्ती गुप्ता सुपुत्री हिर चन्द गुप्ता
 दोनों निवासी :

सी-15, फंड्स कालोनी (ईस्ट) मथुरा रोड, नई देहली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की शबिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिध, जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्वे होगा जो उस शब्दाय में दिया समा है।

अनुसूबी

प्लाट नं० 78, डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रीयल एस्टेट नं० I, निकट 13/6 माईल स्टोन, फरीदाबाद ।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 4382 तिथि 29-12-1977 पर दर्ज हैं)।

> रवीन्त्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 24-7-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्याक्रय, सङ्खायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेंज सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनाक 24 जुलाई, 1977

निदेश सं० पी० एन० पी०/25/77-78—- ग्रतः मुझे रवीन्द्र कूमार पठानिया,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका रक्तवा 19 कनाल 12 मरले, सामने ब्यास प्रोजेक्ट हैं तथा जो जी० टी० रोड पानीपत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित) हैं, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नथम्बर, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिश्रक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्सरण से हुई किसी आध की बाबन उक्त भ्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देन के मन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; सौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम या श्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ंग्रत: श्रब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के ननुबरण में, बें, उक्त बिधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रकीन निम्नक्षित स्पन्तियों. बर्धात् ।---

- सर्वश्री हनवन्त सिंह, बलबीर सिंह, लाल चन्द, पुत्रगण श्री रिशी सिंह निवासी ग्राम व डाकना सियाह तहसील पानीपत, जिला करनाल (ग्रन्तरक)
- मैस० दीपक वूलन मिल्ज मार्फत श्री दीपक नाथ, ब्यास प्रोजेक्ट के सामने जी० टी० रोड़, पानीपत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क श्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भा ग्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियें जा सकों।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूधी

भूमि कुल 19 कनाल 12 मरले और जोकि ब्यास प्रोजेक्ट के सामने जी० टी० रोड पर स्थित हैं।

(सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2807 तिथि 15-11-1977) पर दर्ज हैं)।

> रवीन्द्रं कुमार पठानिया, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 24-7-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हार्योतर, भारतिक पारकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जुलाई, 1978

निदेश सं० 1569/म्रर्जन/मेरठ/7778---म्रतः मुझे एल० एन० गुप्ता,

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिन

भ्रौर जिसकी सं ० श्रनुस्ची के श्रनुसार हैं तथा जो श्रनुस्ची के श्रनुसार में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-11-1977

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृष्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान अतिकल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण सं हुई किसो प्राय को बाबत उका प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य म्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त धांधानियम की धारा 269म के धनु-सरण में, में, उक्त धांधानियम की धारा 269 थ की उपधारा (1) के सधीम निम्नलिखित व्यक्तियो, प्रथातः :---

- श्री कैलाश नाथ सिन्हा पुत्र स्वर्गीय गोपी नाथ सिन्हा एडवोकेट नि० 50 साकेत मेरठ (श्रन्तरक)
- श्री मोहित कुमार जैन पुत्र हरिश्चन्द जैन, 479 सकेत मेरठ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिन्तबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्टोकरण : जिसम प्रयुक्त मन्दा और पदो का, जो उक्त प्रशिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 49 ए स्थित साकेत मेरठ (र्रे भाग) 60,000 के विऋय मृत्य में बेचा गया।

एल० एन० गुप्ता सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 27-7-78

À

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुनन (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 जुलाई, 1978

निदेश नं० 1597 ए/ग्रर्जन/शहर/7778—ग्रतः मुझे, एल० एन० गुप्ता

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुक में अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिता (अनिरितियों) के बीज ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप स कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी आय की गावत उका ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचन में सिवधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर मीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धार। 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के भ्रधीन निम्नासिख्त न्यक्तियों, ग्रथांत:---

- श्री सूरज प्रकाश पावहा, चन्द्र प्रकाश पावहा मतीश कुमार पावहा, मन मोहन पावहा, किरती कुमार पावहा पुत्रगण चुन्नी लाल पावहा नि० 323 दयाकरण चांदनी चौक दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती किरन देवी पत्नी नन्द किशोर श्रीमती शोभारानी पत्नी रमेश चन्द, राज कुमार, उमेश कुमार एवं नितिन कुमार (वियस्क गण) पुत्रगण रमेश चन्द एवं रमेश चन्द पुत्र नन्द किशोर नि० बुलन्दणहर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि-ि व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध थिसी श्रन्य क्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिल म किये जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अ**न्**युवी

कोल्ड स्टोरेज एवं वर्फ फैक्ट्री 11815 वर्ग गज पर बना हुआ हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज एवं रेक्जिरेशन कम्पनी के नाम से स्थित जी० टी० रोड़ बुलन्दशहर 7,50,000 के विक्रय मूथ्य में बेचा गया ।

> एल० एन० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख:: 29-7-1978

अरूप भाई• टो० एन० एस०-

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

निदेश नं० ए० पी० नं० 1814—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर पिछनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में है तथा जो 518-मार माडल टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख विसम्बर, 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधितियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्सरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को जिन्हें शारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—

- श्रीमनी तिलोतमा देवी पत्नी श्रयित्त लाल चोपड़ा 518-एल माडल टाउन जालन्धर (श्रन्तरक)
- श्रीमती बिला देवी परनी बलदेव सिह गांव सीना श्रव 161 माडल टाउन जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि उपर 2 में है (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधिभोग में सम्पत्ति हैं) ।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में क्वि 'रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध ह)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दां भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5301 of December, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

बी० एस० दाहिया मक्षम श्रधिकारी स**हायक मायक**र आयु**क्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5/8/78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 5 ग्रगस्त 1978

निदेश नं० ए० पी० नं० 1े15—स्यतः मुझे बी० ए० दाहिया आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त भ्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो 324 न्यू जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्त बिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय भौर/या
- (ख) ऐसी, किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः श्रम, उनत स्रिधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उनत स्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के स्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात् :— 4—216GI/78

- 1. श्री जोगिन्द्र सिंह सन्धू पुत्र सुन्दर सिंह स3धू 256 लाजपत नगर जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. (1) डा० प्रतिपाल सिंह पुत्र रन सिंह (2) जगदीप कौर पत्नी डा० प्रतिपाल सिंह नकोदर रोड़ जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भाविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वशकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस घध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5361 of December 77 of the Registering Authority, Jullundur.

बी० एस० दहिया सक्षम मधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5/8/77

प्रकृष भाई० टी• एन• एस•

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

निदेश सं० ए०पी० नं० 1816--यतः मुझे, बी० एस० दहिया भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपए से घाधिक है

अरेर जिस्की सं० जैया कि अनसूची में है तथा जो गांव गड़ा तहसील जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्टीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (स्त्र) ऐसी किसी भाय या किसी घन या **मन्य भास्तियों** हो जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थातु:--

- श्री प्रमजीत सिंह पुत्र गुरगोपाल सिंह, गांव गड़ा, तहसील जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- (1) श्री संतोख सिंह त्व, चानन सिंह गांव श्रठोला । (2) दविन्द्र सिंह पुत्र चानन सिंह गांव ढापई, तहसील (ग्रन्तरिती)

कपूरथला ।

- 3. जैसा कि ऊपर नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक किसी मध्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

रपब्डीकरचः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5802 of December, 1977 of the Registering Authority,

बी० एस० दहिया, सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखा : 5-8-78

प्रकप मा६०टी०एन०एस०----

ध्रायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक र ग्रगस्त, 1978

निदेश सं० ए० पी० 1817—यतः मुझे, बी० एस० दहिया पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में है तथा में 324 बो न्यू जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जानन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिश्विनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिश्विनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- जोगिन्द्र सिंह संधू पुल सुन्दर सि ३ संधू, 256 लाजात नगर, जालन्धर (अन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती गनमाला जैन पन्नी राज कुमार जैन, (2) परदीप गुभार जैन गुत्र राज कुमार जैन, 38 ग्रादर्श गगर, जालन्बर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है) ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (भ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो धायकर ग्रिधिनियम, के घटयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होना जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5362 of December, 77 of the Registering Authority, Juliundur.

बी० एस० दहिया, पक्षम स्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीखः 5-8-78

प्रकर पाई॰ टी॰ एन॰ एत॰---

भायकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

निवेश सं० ए० पी० -1818—यतः मुझे, बी० एस० दहिया धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- घपए से मुधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शहीद बाबू लाभ सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी घन या मन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :----

- भी हरबंस लाल पुन्न बोरबल, 3ए-117 बाजार पापरीयां मृह्ला मृगना, जालन्धर (श्वन्तरक)
- किंग स्टील रोलिंग मिल्स जालन्धर (राहीं) मोहिन्द्र पाल सिंह पुत्र जैमल सिंह, एन० 437 गोपाल नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्षीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की शब्धि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रम्बोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भवि-नियम के भव्याय 20-क में यदापरिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है

अनुसूची

Property as mentioned in the Registration Sale Deet No. 5351 of December 1977 of the Registering Authority Juliundur.

त्री० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 5-8-78

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर विजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्घायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, धारवाड

धारवाष- 580004, दिनांक 7 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० 220/78-79/म्रर्जन—यतः मुझे, डि० सि० राजागोपालन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ओर जिसकी संवनंव 45 है, जो गुल्लरहवेली गांव बीदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बीदर श्रंडर कुकमेंट नंव 1741/77-78

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 8-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्छह प्रतिज्ञत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (धग्तरकों) भीर प्रस्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धिमियम, के धिमि कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उबसे बचने में सुविधा के मिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तिमों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर धिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः भव, उनत भिन्नतियम की धारा 269-व के भ्रमुसरण में, मैं, उनत पश्चिनियम की बारा 269-घ की उपवारा (1) के प्रधीन निम्मालिकत व्यक्तियों, भवीत्:—

- श्री सगद ग्रफजल अहमद न्यादि पिता लेट सगद गाह मोहमद न्यादि केर्ग्राफ हैफीड पोलटरी ग्रीर क्याटल फीडस तिनक रोड़, हैदराबाद (ए० पी०) (ग्रन्तरक)
- 2 श्री मोहमद फिस उद्दीन पिता मोहम्मद जफारिल दिलक्षु पोलटिर फारम गुल्लार हेबेलि न्यु कालोनी एम बोदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवित्यम के भ्रध्याय 20-क में परिशायित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हवांड मीजरोंठा 204'-9" लेंब भीर 116" विडय गुल्लनर हवेली गांव बीदर के यहां है।

पुर्व: 30' बड़ा रस्ता

पश्चिम : मुनिसीपल बालोका जगा

उत्तर: कट्टा ग्रेव यार्ड

वक्षिण : 30' वेड रोड कोलार के श्रोर श्रौर फारेस्ट नरसरी

डी० सी० राजगोपालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, धारवाड

तारी**च** : 7-8-1978

प्रस्प धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत । सरकार

कार्यालय, सञ्चायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, धारवाड

धारवाड़-580004, दिनांक 7 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० 221/78-79/म्रर्जन—यतः मुझे ङी० सी० राजागोपालन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 8-11-24/1, सी० नं० 45, है, जो गुल्लर हवेली गांव, बीदर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची म ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बीदर, ग्रंडर शकुमेन्ट नं० 1742/77-78 भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक 8-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मस्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियमं के प्रधीन कर देने के प्रम्तरच के वायित्व में कभी करने या उससे बचमें में सुविधा के शिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के लिए;

धतः धन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की घारा 269-व की क्पबारा (1) के घडीन निकासिवित व्यक्तियों, वर्षात्र मे---

- श्री सयद श्रफजल श्रहमद क्यादि स्वर्गवासी पिता सयद साहमोहम्मद क्यादि केरश्राफ है० फीड पोल्टरी ग्रौर क्याटक फीडस तिलक रोड़, हैदराबाद (ए० पी०)। (श्रन्तरक)
- श्री मोहम्मद फिसउद्दिन पिता मोहम्मद जिलक्ष पोलटरी फार्म गुल्लर हवेली न्यू कालोनी, एम बीदर। (अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य स्थिकत द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मित्रिनयम, के झड्याय 20-क में परिभावित है, वहीं मर्च होगा जो उस झड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोलटरी फार्म का बिल्डिंग नं० 8-11-24/1 गुल्लर हवेली गांव का नं० 45 इसके चारों श्रोर

पूर्व: पोलटरी शैंड श्रांफ श्री मानिक राव फुलकर। पश्चिम: कुवां श्रोर वेंडर का जगा सीरीयल नं० 45 उत्तर श्रोर दक्षिण: वेंडर का जगा नं० 45

डी० सी० राजागोपालन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीऽक्ष्क्ष) भर्जन रेंज, धारवाड़

तारी**ख** : 7-8-78

प्ररूप ग्राई० टी • एन० एस •-----

म्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के <mark>प्रधीन सूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्कन)

भ्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 7 ग्रगस्त 1978

निर्देश मं० 222/78-79/प्रर्जन—यतः मुझे डी० सी० राजागोपालन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम), कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 8-11-24/1, सि नं े 45, है, जो गुल्लेर हवेलि गांव बीदर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, बीदर श्रंडर डाकुमेंट नं० 1743/77-78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीवित्यम 1908 '1908 का 16) के श्रीवित दि० 8-11-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, ऐसे षृश्यमान श्रीतफल

का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त श्रिधितयम के श्रिधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने व सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भारितमों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भौधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए वा, जिन्माने में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त धिविषम की बारा 269क के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269क की उपघारा (1) के स्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत् :---

- श्री मानिकराव रामचंदर राव फुलेकर एन०एम०एल०ए० प्रेसिझेंट श्रोफ डी० सी० सी० बीदर । (श्रन्सरक)
- मोहम्मद फिसउद्दीन पिता मोहम्मद जफार भ्रली जिलका पोलटरी फार्म गुल्लर इवेली गांव एम बीदर।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अअंग के लिए कार्येषाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्याँन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा घड़ोड्स्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पत्तों का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्च होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

बन्स्ची

पोखटरी फार्म मकान नं० 8-11-24/1, गुल्लोर हवेली गांव का सर्वे नं० 45 श्रीर भाकार

पूर्व: सयद भफजल श्रहमद क्यादि की जमीन है।

पश्चिम : सयद श्रक्षजल अइमद कथादि की जमीन है पोलटरी फार्म का शैंड है ।

उत्तर ग्रौर दक्षिण : की ग्रोर सयद ग्रफजल ग्रहमद क्यार्दि की जमीन है ।

> डी० सी० राजागोपालन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, धारवाड़

तारीखा : 7-8-78

प्रकप धाई• टी• एन• एस•---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के धर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्कायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

मांकीनाडा, दिनांक 26 जुलाई 1978

सं० 710—यतः मुझे एन० के० नागराजन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/-इ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 18-19-937/18 है, जो विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूली में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्नह्र प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिशियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः श्रव, उन्त जिन्नियम की श्रारा 269 म के अनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की श्रारा 269 म की उपवारा (1) के अधीन, निक्वितिका व्यक्तियों, श्रवत् ।—

- (1) श्री जि० वीराभद्राचार्युभ (2) एस० वेंकटा कनका दुर्गेभवा, विजयवाडा । (ग्रन्तरक)
- (1) श्री वै० सुन्बाराव (2) एन० गोविंदा शेकर राव, विजयवाडा (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री ध्रार०गोपालराव (2) एम० कुटमबाराव (3) सी० एच० सुर्याराव (4) एम० एम० घ्राली विजयवाडा (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से ते 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झविछ, जो भी झविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरनः - इसमें प्रमुक्त कब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम के मध्याय 20क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भयें होगा, को उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-12-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3523/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षणै) एम विद्यार्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 26-7-78

मोहर ।

प्रकप भाई० टो० एन० एस०--

नामकर ग्रीविनियम, 1981 (1981 का 43) की वारा 269 व (1) के ग्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कांकीनाडा

कांकीनाडा, दिनांक 27 जुलाई, 1978

सं० 711---यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

प्रायकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपए से अधिक है,

मौर जिसकी सं० म्रार० एस० 217/5 श्रौर 218/1 है, जो कानूरू ग्राम में स्थित है (श्रौर इ.से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के वृष्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उखित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से धिक है धीर प्रम्तरक (धन्तरकों) धीर प्रम्तरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं । इया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ को बाबत, उक्त श्रिष्टिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी घाय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सन्न, उक्त सधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में। में, उक्त प्रशितियम की धारा 269-४ को उपधरा (1) के सधीन। निम्निश्चित व्यक्तियों, शर्वात्:---5--216GI/78

- श्रीमती एन० वेंकटा सुरुवम्मा विजयवाडा (भ्रान्तरक)
- 2. श्री टि॰ प्रेमलाल विजयबाडा (ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में परिमाणित है, वहीं श्रथं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षित स्रंत 31-12-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3716/77 में निगमित श्रनसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वी० भ्रजैन रेंज काकीनाडा

तारीख: 27-7-78

प्रस्प भाई० टी० एन• एस०——— आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (नि क्षिण)
ग्रर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० 712—यतः मुझे एन० के० नागराजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से प्रधिक है और जिसकी सं० श्रार० एस० 217/5 है, जो कानूरू में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 28-12-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृक्यमाम प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है और प्रन्तरक (पन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रजितियम के प्रधीन कर देने के प्रत्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (छ) ऐसी किसो आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स मधिनियम, या घन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम धारा 269-ग की उपभारा (1) के ग्रभीन निम्नलिखित स्यक्तियों श्रथीत्:—

- श्री एम० पुत्तय्या (2) एम० कोटेस्वराराव (3) एम० कृष्णा मूर्ती (4) एम० सीता महलक्ष्मी विजयवाडा। (अन्तरक)
- 2. श्री टी० प्रेमलाल, विजयबाङा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वचीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्च होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रंत 31-12-77 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 3717/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख: 27-7-1978

(ग्रन्तरक)

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० 713-यत: मुझे एन० के० नागराजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269- ब्रा के मधीन संसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- वपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 27-1-45 है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-12-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाचे भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अव, उक्तः प्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण म, मैं; उक्त प्रविनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के प्रवीत, निम्नसिक्ति व्यक्तियों वर्षात !~~

- श्रीमती वि० ग्रन्नपूर्नम्मा, हैदराबाद
- 2. श्री वि० ध्यामसुन्दर विजयवाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिष्ठित के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रश्रं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धपुसुची

विजयवाडा रजिस्ट्री भ्रधिकारी से पॉक्षिक श्रेत 15-12-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3443/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) एम० वि० श्रर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख: 27-7-78

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 27 श्रगस्त 1978

सं० 714—यतः मुक्षे, एन० के० नागराजन
आयकर भिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा
269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है
और जिसकी सं० 14-49-74 से 77 है, जो विजयवाड़ा में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है),
रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय

है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से यिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखत में अस्तरिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत उक्त श्रीविषयम के श्रीक कर देने के श्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्ब ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चनियम, या धन-कर ग्रिश्चनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, उक्त श्रवितियम की घारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त श्रवितियम की घारा 269-म की वर्षवारा (1) के ब्राचीन निम्नसिक्ति स्यक्तियों, अर्थात्।——

- श्रीमती ग्रार० सीतामह्लक्ष्मी (2) पी० भारती देवी ते (3) ऐ० हैमावती (4) के० राजेस्वरी (5) ए० तक्ष्मी बाई (6) बी० कमला बाई (7) बि० विजयालक्ष्मी (8) बि० बाबू नरसिंहा राव मदास (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एम० रामचन्द्राराव विजयवाडा (ग्रन्तरिती)
- (1) माजेटी रामचन्द्राराव सन्स (2) जैहिद जुबलरी मार्ठ (3) मृत्युनजयराव विजयवाडा । (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्य होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक ग्रंत 31-12-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3714/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम० बी० श्रर्जन रेंज काकीनाडा

तारी**व** : 27-7-1978

प्रकृष बाई • टी • एन • एस • ----

म्रावकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 जुलाई 1978

निर्देश सं० 715---यतः, मुझे, ए०जन० के० नागराजन, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं महावीर श्रायल मिल है, तथा जो कोमटियल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारा के कार्यालय, गणपतिनगरम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उनन अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी अन या धन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः प्रव उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम, की बारा 269-घ की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:— 1. (1) श्री सत्यनारायण महेण्चरी (2) सत्यनारायण महेण्वरी (3) चि० बापनव्या सेट्टी (4) पि० धिनवेंकचा (5) वेणुगोपालासई संकर राव (6) वेंकटा सत्यनारायण मूर्ती (7) पि० श्रानिवासन राव (8) पि० चिन्नवेंकन्ना (9) पि० इण्वर मकाष (10) पि० भास्करा सत्या श्रानिवास (11) पि० माना (12) पि० पैंडि बाका निपुरसुन्दरा (13) बा० महलक्ष्मा (14) के० ज्योति (15) पि० वेंकटारतनम विजयनगरम

(भन्तरक)

 (1) श्री ग्रनिसैट्टी सत्यासिराव (2) ग्रनिमट्टी सत्यनारायण गणपतिनगरम

(श्रन्तरिती)

3. श्री बाकाजी ट्रेडर्स, कोमटिपल्ली (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>अर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्प व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो सकत श्रीवित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

मनुसूची

गणपतिनगरम रिजस्ट्री मधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-12-1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3329/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 27-7-1978

प्रकप थाई• टी• एन• एस•----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

मर्जन रेंज-1, महमवाबाद कार्यालय

घ्रहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1449 (668)/1-1/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एफ० पा० नं० 275, एस० पी० नं०-1 है, तथा जो दफ़नाला के पास, शाहीबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,

तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से पश्चिक है धीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर मन्तरिती (घम्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उपत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के शन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए। और/मा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट सहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न के धनुसरण में, में, उक्त श्रिष्टित्यम की घारा 269-व की उपघारा (1) के श्रवीन निव्यक्तिवित व्यक्तियों वर्षाबु!—

- श्री हरी प्रसाद डी० लक्करी, पावर खोक एटारनी होल्डर, श्री ध्रनिल कुमार एच० लक्करी, दुरगेश बंगलो, शाहीबाग, श्रहमदाबाद (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमती शांताबेन जयंतीलास गजर, नं० 1185-1, नवा-असारवा, श्रहमदाबाद अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे वा सकींगे।

ह्यच्छोकरण:---इसमें प्रमुक्त अब्दों और पदों का, जो उनत धाड़-नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं क्रों होगा को इस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 578 वर्ग गज है तथा जिसका एफ० पी० नं० 275, एस० पी० नं० 1, है तथा जो उफनाला के पास, शाही बाग, टी० पी० एस०-14 महमवाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विसम्बर 1977 वाले बिकी दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 14-6-78

मोहरः

प्रकप भाई । टी । एन । एस --

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० एस० सी० नयू० 23-1-1513(669)/10-1/77-78—यत:, मुझे, एस० सी० परीख, न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टीचर्स क्वार्टरस के पीछे एक श्रचल सम्पत्ति है, तथा जो इंडियन रेयान फैक्टरी के पीछे, हाई वे के पास वेरावल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-का भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिता के लिए;

अतः सब उनत श्रिष्ठिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 प्रकी उपधारा (1) के अभीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री लुहार नाथू डोडिया, स्टेशन रोड, वेरावल (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पतानी मोहम्मद भ्रहमद जमादार, बहर कोर, हाजीभाई बिल्डिंग, मसजिद, वेरावल

(म्रन्तरिती)

3. (1) श्री श्रनिल कुमार जे० जोशी, (2) श्री रेडकंद गोरधनदास, (3) श्री ठाकुर लाल, (4) श्री वल्लभदास श्रयाजी, (5) श्री जीवत राम मिरचूमल, (6) श्री जेठ्ठानन्द नेलाराम, (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्जीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, भ्रबोहस्ताखरी के पास जिबात में किए जा सकेंगें।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त मन्त्रों झौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

प्रमुष्मी

एक ग्रन्स सम्पत्ति जो 636 वर्ग गज भूमि पर स्थित हैं तथा जिसका बांधकाम 228 वर्ग गज है ? जो टीनर्स क्वारटर्स के पीछे, इंडियन रेयान फैक्टरी के पीछे, हाई वे के पास, वेरावल में स्थित है। तथा जिसका पूरण विवरण 20-12-77 बाले बिकी बस्तावेज नं० 2075 में दिया गया है।

रा० कु० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख : 14-6-1978

प्रक्प बाई• टी• एन• एस•---

धावकर घश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269व (1) के घन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 23 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1520(674)/10-1/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 4/1/1 है, तथा जो सुमीयार विलब जामनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत भिष्ठिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बजने में पुरिधा के लिए; भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

भतः शव, उक्त प्रविनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नणिवित व्यक्तियों धर्णीत् :---

- 1. (1) श्री प्रताप राय रंगील दास मेहता,
 - (2) श्री प्रभूदास रंगील दास मेहता,
 - (3) श्री हेमाभाई निरभय शंकर,
 - (4) श्री मोतीचन्द सेजपाल, दिगविजय नगर, प्लाट, जामनगर (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री रामचन्द बीरपार शेठ,
 - (2) श्री धीरजलाल नरसी,
 - (3) श्रीमती चंपाबेन फूलचन्द गाह,
 - (4) श्री जयंतीलाल वीरपार,
 - (5) शांति लाल वीरपार,
 - (6) श्री विपिन चंद्र लखमशी,
 - (7) श्री महेण कुमार कनाजी,
 - (8) श्री देवराज भ्रा पटेल
 - (9) श्री कीरीत कुमार मोतीचन्द,
 - (10) श्री दाई भाई हीराजी भाई,
 - (11) पूनमचन्द नरसी, जेल रोड के पास, जामनगर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा घष्टोहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत भिक्षितियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खेतीबाड़ी वाली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ें—-4 गुंठा बराबर 91476 वर्ग फुट है तथा जिसका सर्वे नं 4/1/1 है तथा जो सुमियार क्लिब रोड, जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 31-12-77 वाले बिकी दस्तावेज में दिया गया है ।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रा**युक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 23-6-1978

प्रकप साईं टी॰ एन॰ एस॰---

आयक्षर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1566(676)/16-6/77-78---यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

जिसकी सं० प्लाट नं० 114, है, तथा जो घोरी नं० 23 के ईस्ट में, जगन्नाथ के पास, राजकोट में स्थित है (न्नौर इससे उपाबक्ष न्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मिला के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 2-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरित (भन्तरिती) भे बीच ऐसे मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निम्बत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रिष्ठितयम के ध्रधीय कर देंने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घाय घारितयों की, जिन्हें भारतीय धायकर घितियम,
 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम'
 या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनाथ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269ना के धनुसरम में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात् :— 6—216GI/78

- 1. श्रीगुलाबबेम छोटालाल बोगाणी, 28, प्रह्लाद प्लाट, राजकोट (ग्रन्तरक)
- 2. श्री उत्तम चन्द जयंतीलाल कोठारी, "पना कुटीर ब्लाक नं० 4, घाटकोपर, बम्बई 400077 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की भविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवंध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 250 वर्ग गज़ है तथा जिसका प्लाट नं० 114 है तथा शेरी नं० 23 है तथा जो न्या जागनाथ प्लाट पर, राजकोट में स्थित है।

> एस० पी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 30-6-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस•---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-भ (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०: 23-1-1579(677)/10-1/77-78—यत:, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीय सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- नपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 119, हैं, तथा जो गहु सेक्शन रोड के पास, जामनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबन्द श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 31-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तिरती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वाक्तिवक कम से कथित नहीं किया यया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उन्त प्रधिनियम कौ धारा 269-ग के प्रमुसरण में मैं, उन्त धिधनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नसिबित स्पित्तमों, अर्थात्:--- श्री श्ररविंद कांतीलाल शाह, कस्तूरवा बिल्डिंग, स्टेशन श्रें रोड, जामनगर (श्रन्तरक)

(सूचित) ड्रविन सर्किल, जामनगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्थंन के लिए कार्यंगहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---हममें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त सकि-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभावित हैं, वहीं पर्य होना, को उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़— 32 गुंठा है तथा जिसका सर्वे नं० 119, है तथा जो शहु सेक्शन रोड पर जामनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 31-12-77 वाले बिकी दस्तावेषा नं० 1903 में विया गया है ।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मवाबाद

तारीख : 3-7-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, ध्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०: 23-1-1528(678)/10-1/77-78—यत:, मुझे, एस० सी० परीख,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से मधिक है,

ग्नौर जिसकी सं० सर्वे नं० 4-ए०-1, है, तथा जो "क्लोक सी०" पहला मंजिला, सुपर मारकेट, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-12-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; म्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय था किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिमियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीम निक्नितिबत व्यक्तियों, प्रधीत्।——

- 1. श्री मेघजी राजाभाई, ग्रेन मारकेट, जामनगर (ग्रन्तरक)
- 2. डा॰ नवीनचंद्र राए संघवी, सुपर मारकेट ज्लोक "सी" पहेला मजिल, जामनगर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा में 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रविनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रजल सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 2611 वर्ग फुट है तथा बहु मणी बिल्डिंग में पहली मंजिल पर है। तथा जिसका सर्वे नं० 4 ए०-1 है तथा जो सुपर मारकेट, जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 31-12-77 वाले बिक्री दस्तावेजा नं० 1837 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीखा : 3-7-1978

प्ररूप माई० टी० एम० एस०---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, ग्रहमदोबाद ग्रहमदोबाद, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए०सी० क्यू० : 23-I-1555(679)/

16-6/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सलम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 401, प्लाट नं० 4, है, तथा जो उमाकांत उद्योग नगर रेडीयो मिल के पास, राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला भ्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-12-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रइप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वावत, उपत घर्षिक नियम, के धधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी छन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः सब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्राधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- मैसर्स स्वास्टिक इंजीनयरिंग वर्कस, की भ्रोर सं भागीदार :---
- (1) श्री भगवानजी काल्भाई खंभायता,
- (2) श्री मनसुखलाल मानजीभाई बडाकिया,
- (3) श्री सुरेश भगवानजी खंभायता,
- (4) श्रीमती मुक्ताबेन मानजीभाई वडाकिया, गोन्डल रोड, राजकोट (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स विरंदावन इंजीनियरिंग वर्कस, की श्रोर से भागीदार :---
- (1) श्री देवजीभाई रंछोड़भाई सावलिया,
- (2) श्री केवशलाल रंछोड़भाई सावलिया,
- (3) श्री पुरषोत्तमभाई रंछोड़भाई सावलिया,
- (4) श्री रामजीभाई रंछोड़भाई सावलिया, उमाकांत उद्योगनगर, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त भव्दों भीर पदों का, जो अकत ग्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रच्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भ्रचल सम्पत्ति जो 2341.40 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 401, प्लाट नं० 4, है तथा जो उमाकांत उद्योगनगर, भक्ति नगर स्टेशन के दक्षिण में, रेडीया मिल के पास, राजकोट में स्थित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख : 3-7-1978

प्रकप प्राई • टी • एन • एस :-----

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-I, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1978
निर्देश सं० ए० सी० नयू०: 23-I-1558(681)/
16-6/77-78—-यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/
इपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 401, प्लाट नं०7, भावडी प्लाट, है, तथा जो पंडित उद्योगनगर राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अवतः प्रधिनियमं की घारा 269-गं के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घातः—

- मैंसर्स सौराष्ट्र इंजीनियरिंग वर्कस की श्रोर से भागीदार :---
- (1) श्री गिरधरलाल नरसीभाई मिस्स्री, तथा
- (2) श्री प्रक्षाप राए गिरधरलाल मिस्त्री, 68, रामजी वेला प्लाटस, भिवत नगर सोसायटी के पीछे, राजकोट (श्रन्सरक)
- 2. मैंसर्स गुजरात एलेक्ट्रोव्लेटर्स, की भ्रोर से भागी-दार :---
- श्री एन० एल० वैधनव, भावडी प्लाट, पंडित उद्योगनगर, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्षन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्षध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वधि, जो भी धर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक फैक्टरी प्रचल सम्पत्ति जो 2844-4-0 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 401, प्लाट नं० 7 है तथा जो पंडित उद्योगनगर, भावडी प्लाट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण दिसम्बर 77 वाले बिकी दस्तावेज नं० 3397 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम भ्रघिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख : 5-7-1978

प्ररूप भाई • टी० एन० एस० ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद कार्यालय श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुलाई 1978 निर्देश सं० ए० सी० क्यू० : 23-1-1556(682)/ 16-6/77-78---यतः, मुझे, एस० सी० परीख, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से पधिक है भ्रौर जिसकी संब्ष्लाट नंव 111 तथा 112, तथा जो हजूर पैलेस, राजकोट में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती

(क) ध्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ध्रम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धीर/या

(भन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के न्निए तय पासा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के सिए।

नतः भन, उक्त ग्रष्टिनियम, की घारा 269क्ष के धनु-सरच में, में, उक्त ग्रष्टिनियम की बारा 269क्ष की खपकारा (1) के ग्रधीन, निम्नचिषक व्यक्तियों, ग्रकीत्:---

- 1. मैसर्स प्रछूमन डेवलप्मेन्ट कारपोरेशन, हजूर पैलेस, राजकोट (भ्रन्सरक)
- 2. (i) श्री लिलत चन्द्र हिम्मतलाल शाह,
 - (ii) श्रीमती जसूमती ललितचन्द्र शाह, 13 दीवान परा, राजकोट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त भक्षि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 382-57 वर्ग गज है तथा जिसका प्लाट नं० 111 तथा 112 है तथा जो हजूर पैलेस, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 31-12-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 3394/77 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

तारीख : 5-7-1978

प्रकप ग्राई० टी० एम० एस०---

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा -269ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सञ्चायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, धिर्नाक 5 जुलाई 1978

निर्वेश सं० ए० सी० क्यू०: 23-I-1447(683)/
1-1/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है
प्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 914/915, सब प्लाट
नं० 3, है, तथा जो एलिस ब्रिज, श्रहमवाबाद में स्थित है (श्रौर
इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तविक कर से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी धाव की वाक्त, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरा धन, उन्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुतरक में, में, उन्त अधिवियम, की धारा 269-म की उपवास (1) के अधीन विश्निवित व्यक्तियों सर्वात्:—

- 1. (1) श्री गनवंतलाल ात्रभाई ग्रगरवाल,
 - (2) श्री चद्रवदन एलयास चिनुभाई लालभाई प्रगरवाल,
 - (3) श्री विपिनचंद्र एल्यास बगुभाई लालभाई ग्रगरवाल
 - (4) श्री प्रकूलचंद्र एल्यास वीपकभाई लालभाई श्रगरवाल, बंगली नं० 5 चित्रकूट कालोनी, राजनगर सोसायटी के पास, पालडी, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. (1) कांतीलाल मोहनलाल गज्जर,
 - (2) श्रीमती कलावंतीबेन कांतीलाल गज्जर, 34-4, शंगार णेरी, सरसपुर, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के मीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हिशबद किसी भ्रम्य न्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रीविष्यम के भ्रष्टयाय 20क में परिमाणित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विसा गर्या है।

अनुसूची

एक भ्रचल सम्पत्त (जमीन) जिसका कुल क्षेत्रफल 455 वर्ग गज है तथा जिसका फ़ायनल प्लाट नं० 914/915 है तथा जो सब प्लाट नं० 5 है, टी॰ तथा पी॰ एस॰ नं० 3, एल्सिब्रिज महमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण दिसम्बर 1977 वाले बिकी दस्तावेज नं० 8026/77 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी स**ह।यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-7-1978

प्रकप माई • टी • एम • एस • ---
भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 म (1) के | अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 जलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० नयू०-23-I-1526(682)/
10-1/77-78—यत:, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६०
से मधिक है

जिसकी सं० सर्वे नं० 91-एच०-1, 95-एच०-1, पैकी बी०-15, है, तथा जो एस० टी० बस स्टेन्ड के पीछे, जांमनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31-12-1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बड़ विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जितत बाजार मूल्य, जसके
पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
सक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों)
के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति
उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है ।—

- (क) धन्तरण से हुई किली पान की नानत उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिंबे था, खिपाने में सुविधा के सिए:

सक्षः सन, उक्त समिनियम को भारा 269-ग के बनुसरक में में, उक्त श्रमिनियम की भारा 269 व नी उपवारा (1) के अधीन निम्मिचित व्यक्तियों, सचीत् >--

- श्री जबेरभाई जेठालाल तथा अन्य, स्वास्तीक सोसायटी, जामनगर (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स जी० सी० पूंजानी एण्ड कं०, की श्रोर से भागीदार :—
 - (1) श्री लीलाधर पी० पटेल,
 - (2) श्री मोरानलाल प्राणजीवन पटेल,
 - (3) श्री सुरेशचंद्र, हाथीभाई देसाई,
 - (4) श्री गौरीगंकर छगनलाल पूंजानी, बारोट फ़ली, जामनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास- लिखाल में किये जा सकेंगे।

प्रनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 9588 वर्ग फुट है तथा जिसका सर्वे नं० 91-एच०-1, तथा 95-एच०-1 पैकी बी०-15 है तथा जो एस० टी० बस स्टेन्ड के सामने जामनगर में स्थित है तथा जिमका पूर्ण विवरण 31-12-1977 वाले बिकी दस्तावेज नं० 1855 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1978

मोहर ः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के प्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू॰-23-**I-**1552(683)/ 16-6/77-78---यतः, मुझे, एस० सी० पारीख, भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,**0**00/~ रुपये से अधिक है मुख भौर जिसकी सं० सी० के० केंबल इन्डस्ट्रीज बिल्डिंग, है, तथा जो गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 29-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. मैंसर्स रज्जर मिल्स, गोंडल रोड, एस० टी० वर्कशाप के पास, राजकोट (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स सीं० के० कैंबल इंडस्ट्रीज की ग्रोर से एड-मिनिस्ट्रेटर:----

श्री चन्द्रकांत कांजीभाई भम्मर, चैधरी स्कूल के सामने, राठोड हास्पीटल के पीछे, राजकोट (ग्रन्तरिती)

को **यह सूचना जारी** करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्ये<mark>वाहि</mark>यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

बिल्डिंग जो "सी० के कैंबल इंडस्ट्रीज बिल्डिंग" के नाम से प्रख्यात है तथा जो 950 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो गोंडल रोड राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 29-12-77 वाले बिकी दस्तादेज नं० 3336/1977 में दिया गया है ।

एस० सीम परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-7-1978

६० से अधिक है

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेन रेंज-I, ध्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1978

निर्वेश सं० ए० सी० नयू०: 23-I-1532(690)/
1-1/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
प्रायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परनात् 'उक्त धििनयम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/-

और जिसकी सं० न्य ब्लाक नं०-3, प्लाट नं० 67 है, तथा जो वटवा दस्कोई तालूक, डिस्ट्रिकट म्रहमदाबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्रण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 27-12-1977

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या ज़ससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के निए;

अतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम को प्रारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, श्रयौत्:—

- मैंसर्स नंबोलिया इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कारपोरेशन,
 2-ए०, सरीता दरशन सोसायटी, श्राश्रम रोड,
 श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वल्लभभाई मोतीभाई पटेल, 85 ध्याम सदन एफ॰ रोड, मरीन ड्राईव, बम्बई (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्संखंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की धामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 5630 वर्ग गज है तथा जिजसका न्यू ब्लोक नं० 3, प्लाट नं० है तथा जो बटवा, ताल्का दस्कोई, डि० ग्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 27-12-77 वाले बिकी दस्ता-वेज नं० 9310 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-7-1978

प्रकप माई• टी• एन• एस•→---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/ 1045—यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूह्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-12-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिबित में वास्तविक रूप में कृषित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाक्त उक्त अधिनियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, प्रवीत:—

- (1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नि श्री स्व० दुलीचन्द्र श्रीवास्तव, (2) श्री वीरेन्द्र कुमार, (3) श्रीमती सुधा श्रीवास्तव, (4) श्रीमती मधु श्रीवास्तव, (5) कु० शशी श्रीवास्तव—सभी पुत्र व पुत्री स्व० श्री दुलीचन्द्र श्रीवास्तव सभी निवासी सराय सिकन्दरीया, स्टेशन भोपाल (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हाजरा बाई परिन श्री मुल्ला मुमताज हुसैन निवासी मोहल्ला बैलदार पुरा, भोपाल_ (ग्रन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की लारीख से 45 विस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितयद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरवा: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं धर्य होगा, को उस धन्याय में दिया गया है।

प्रमुपी

दो मंजिला मकान स्थित प्लाट नं० 3, वार्ड नं० 5, शापिंग सेंटर, टी० टी० नगर, भोपाल।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तातीख: 1-7-78

प्रस्य बाई व्ही • एन ० एस ०--

भायकर प्रविभियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० फ्रार्ट० ए० सी० एक्दी०/भोपाल 78-79/ 1046—-यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सथाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रू॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख 7-11-77 को पूर्वोक्तसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अपेर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रश्तरण से हुई किसो ग्राय को बाबत, उक्त मधिनियम के सधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या श्रन्य श्रस्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:—

- श्रीमती चन्द्र प्रभा पितन श्री गिरधारी लाल महाराज निवासी मकान नं० 1, यशबन्त गंज, इन्दौर (भ्रान्तरक)
- श्री गौस्वामी गोकुलोत्सव जी महाराज पुत्र स्व० श्री गिरधर लाल जी महाराज निवासी म० नं० 1, यशवंत गंज, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभा-थित हैं, वही भ्रषं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

> रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-7-1978

प्ररूप धाई• टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-**ण** (1) के **मधी**न सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/ 1047---यतः मुझें, रा० कु० बाली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ∦रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-11-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी मायकी बाबत उक्त प्रक्ति-नियम के मधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी घन या प्रम्य मास्तियों को, जिन्हें नारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

यतः अय, उक्त यक्षिनियम, की घारा 269-ग के यनुसरक में, मैं, उक्त यिवित्यम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वात् :--- 1. श्रीमती चन्द्रप्रभा पहिन श्री गिरधारी लाल महाराज नियासी म० नं० 1, यशवंत गंज, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

2. श्री गौस्वामी देवकी नन्दन जा महाराज पुत्र श्री गिरधारी लाल जी महाराज निवासी म० नं० 1, यणवंत गंज, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

मकान नं० 6 (भाग), गली नं० 3, न्यू पलासिया, इन्दौर ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 3-7-1978

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 78 79/ 1048---यत:, मुक्षे, रा० कु० बाली,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिधिक है

भीर जिसकी सं भिकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिवारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण कि धिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रिष्ठिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक्त है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्यरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने भें सुविधा के खिए;

शतः शव, उक्त धविनियम की भारा 269-व के भनुसरण में, भें, इक्त धविनियम, की भारा 269-व की उच्चारा (1) वसीन, निकासिक व्यक्तियों, भ्रषीत्।— 1. श्री नाथू लाल पुत्र श्री हीरा लाल मुनाट निवासी $7 \, \text{एo}/4$, तुकोगंज मेन रोड, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री धन्नालाल जैन निवासी 7 ए०/4, तुकोगंज मेन रोड, इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजॅन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है ।

अन्सची

मकान नं० 7 ए०/4 स्थित साउथ तुकोगंज मेन रोड, इन्दौर ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1978

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/ 1047----यतः, मुझे, रा० कु० बाली,

श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो भ्रलीराजपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रलीराजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के भ्रधीन, तारीख 8-11-1977

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसेसे बचने में नुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।~~

- 1. श्री श्रीमन्त सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री महाराज फतेह सिंह बारा श्रामुख्तयार श्री श्रभय सिंह खुमान सिंह सोलंकी निवासी श्रनीराजपुर (श्रन्तरक)
- (1) श्री सुनील कुमार बेडिया, (2) भूपेन्द्र कुमार दोनों पुत्र श्री श्याम सुन्दर बेडिया वोनों निवासी ग्रलीराजपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त धन्यों भीर पदों का, को उक्त मिश्वित्यम के भव्याय 20 कर्मे परिभाषित है, वही अर्थे होना जो उस भव्याय में बिसा गया है।

मनुसूची

8.02 एकड़ कृषि मूमि साथ 20 श्राम के पेड़ स्थित ग्राम राक्सा श्रकोराजपुर ।

> रा० कु० बाली स्वाम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण) ग्रजैन रेंज, भोपाझ

तारीख : 3-7-1978

प्ररूप माई० टी• एन० एस०--

भायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख 3 जुलाई 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी० भोपाल-78-79 1050---श्रतः मुझे, रा० कु० बाली
ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्राधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- ६० से ग्राधिक है
ग्रीर जिसकी प्लाट्स है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का) के श्राधीन, तारीख
2-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: श्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना धं धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-प के मनुसरण में, में उक्त ग्रविनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिल ज्यक्तियों ग्रयित्ः—

- मानव कल्याण गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्याधित
 195, जवाहर मार्ग, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. म्रल्प ग्राय समुदाय गृह निर्माण सहकारी संस्थामर्या-दित द्वारा प्रेसिडेंन्ट श्री मी० एस० द्विवेदी, 16 बक्षी बाग, इन्दौर (भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त प्रधि-नियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 से 7 तक, 8 से 14 तक व 437 से 142 तक सेक्टर II वैगाली नगर, इन्दौर।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-7-78

प्रस्प प्राई० टी० एत० एस०----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) क ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनौँक 3 जलाई 1978

निदेश स० श्रार्ड० ए० सी० एक्बी०/भोपाल/ 78-79/1051 ----श्रतः मुक्षे, रा० कु० बाली

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मृह्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

अभैर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नहंत्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) भौर घन्तरिती (घन्तरित्यों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राव या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित स्पक्तिमों, अर्थात्:—— 8—216 GI/78

- अह्य दत्त सूद पुत्र श्री मंगत सिंह जो सूद निवासी गटरुष्ठाया हन्मान क्रास रोड, तिले पारले, बाम्बे-57 (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीनती भवरी देवी गान श्री सोविन्द लाल जी कावरा निवासी 380, एम० जी० रोड, इन्दौर (फ्रन्तरिती)

को यह सूबना नारी करके प्योंना सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सर्वात के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्लाट नं० 7, बी०, बिल्डर्स कालोगी, इन्दौर ।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-7-1978

मोहरः

प्ररूप प्राई० टो० एत० एस०-----

धायकर घश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल तारीख 3-7-1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०एक्वी०/भोपाल/78-79/1052— यतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी म० खुली भूमि है, तथा जो रायपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ भ्रमुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में,

रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक क बायित्व में कमी करने या उसमे वक्ते में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तें प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

धतः भव, उन्त प्रविनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, * मैं, 'उक्त प्रविनियम' की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति :—

- 1 (1) श्री रतनसाल लक्ष्मी नारायण राठी (2) श्री विजय रतन लाख राठी (3) श्री प्रनिल रतनसाल राठी (4) श्री राजेन्द्र रतन साल राठी सभी निवासी श्री कृष्णपेठ, ग्रमरावती, (महाराष्ट्र) (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती कमलाबाई पत्नी श्री कान्तीलाल सावरिया (2)श्रीमती कल्पना साँवरिया पत्नी श्री भारत सावरिया दोनो निवासी नाहरपारा, रायपुर (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करकेपूर्वोत्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जास हेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो मीर पर्दो का, जो झायकर श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

श्रोपन ग्लाट नं० 2/3 ब्लाक नं० 94, क्षेत्रफल 28288.54 वर्गफुट स्थित लक्कड गज, न्यू हास्पिटल बार्ड, रायपुर।

> रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 3-7-1978

प्रकप माई• टी• एन• एस•-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 भ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, स**हायक शायक**र घायुक्त (नि**रीक्ष**ण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1978

निदेश सं० थाई० ए० सी० एक्घी०/भोपाल/78-79/1053— भ्रतः मुझे, रा० कृ० बाली आयकर भिर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है

कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ३० से ग्राधिक है,

स्त्रीर जिसकी संब्दलाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 व) 16) के अधीन, 14-11-77 की

पूर्वोक्त सम्मिल के उचिन बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रम्तरकों) धौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रम्तरण जिखित में वास्तविक खप से कियत नहीं किया गया है: →─

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उकत श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी छन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के भ्रमीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मैंसर्स दयाल मोटर्स हारा पार्टनर श्री गुरचरण चड्डा पुत्र श्री प्रकाण चन्द्र चड्डा निवासी नव-रतन बाग, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. (1)श्री विक्रम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह चौधरी (2) श्री थीरेन्द्र सिंह (3) श्री सुरेन्द्र सिंह दोनों पुत्र श्री धनसिंह चौधरी (4) श्रीमती स्नेहलता परनी श्री नरेन्द्र सिंह चौधरी सभी निवासी श्रीनगर कालोनी, इन्दौर (5) श्रीमती हुर्ग बाला पत्नी श्री बालकृष्ण गामके, निवासी 298, णिवाजी नगर, इन्दौर (श्रन्तरिनी)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से . किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: →-इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिशिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 स्थित विकटरी स्टेट कालोनी, रतलाम कोटी, इन्दौर।

> रा० कु० वाली, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण), ग्रजन रेज, भोषालक

तारीख: 3-7-1978

प्ररूप भाई • टी • एम • एस • ~ -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 3-7-1978

सं० श्राई० ए० सी० एवबी०/भोपाल-78-79/1054--श्रत. मुक्षे, रा० कु० बाली,

धायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा नया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र॰ से ग्रिविक है

ग्रीर जिसकी स० 'लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित हे (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1977

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिक्षत उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में बाक्सिक कुष के कथित महीं किया नया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त स्रिष्ठ-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी फिसी घाय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया आना जाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः भ्रम, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उन्त भ्रिष्ठिनम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रम्बाल:---

- सरवार जोधा सिंह पुत्र श्री भैयालाल निवासी
 31/2 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर (ग्रन्सरक)
- श्रीमती साविधी देवी पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार निवासी "सुनील सदन" शास्त्री कालोनी जावरा (म०प्र०) (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अपनिसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपनिसयों में से किसी अपनिस दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हिसब क्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी अरण: ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गर्या है।

अनुसूची

प्लाट न० 1-ए० स्थित सीता बाग कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० वाली, सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, भोपास

तारीख: 3-7-1978

प्ररूप माई• टी • एत • एस • ---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 3 जुलाई 1978

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, 14-12-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्लरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक कि रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्रायं की बाबत उक्त प्रक्रिक नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (■) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थीत्:--

- 1. श्री बखतराम पुत्र श्री हीला राम जी पन्जानी निवासी 6, काटभू कालोनी, इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री गुलाबराम भदनानी निवासी 58, प्रेम नगर कालोनी, इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह मूचता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त प्रश्चित्तयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

प्लाट नं० 6 पर बना मकान स्थित काटजू कालोनी, इन्दोर।

> रा० कु० बाली सक्षेम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक स्रायकर घ्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-7-1978

ब्रायकर ब्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 3 ज्लाई 1978

निदेश सं० घ्राई० ए० सी० एक्बी०/भोपाल | 78-79| 1056—यत: मुझे, रा० कु० वाली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क से प्रधिक है छीर जिसकी सं० भिम है. तथा जो रतलाम में स्थित है (छीर

ग्रौर जिसकी सं० भूमि हैं, तथा जो रतलाम में स्थित है (ग्रौंर इससे उपाद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में , रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्राचिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखत में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माथ की साबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भाव था कि ी धन मा भग्न भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: प्रश्न, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण नें, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, प्रथित्:--

- (1) श्री समीर मल (2) श्री इन्द्र मल (3) श्री शान्ती लाल (4) श्री श्रेणीक लाल सभी पुत्र श्री रतनलाल मान्डोत (5) श्री कमल कुमार पुत्र श्री सिरेमल जी कतारिया, सभी निवासी चांदनी-चौक, रतलाम (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री श्रेणीक कुमार (2) श्री सिरेमल (3) श्री धीरज मल (4) श्री ग्रमृत लाल (5) श्री संतोष कुमार (6) श्री श्रशोक कुमार सभी पुत्र श्री रखबचन्द्र मूणत निवासी त्रिपोलिया गेट, चांदनी चौक, रतलाम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के भर्नेन के संबंध में कोई भी भाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी वाकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीला से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पतों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली भूमि माप 26.07×19.67 वर्गमीटर स्थित मोहल्ला लक्कड्पीडा, रतलाम ।

रा० कुँ० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक म्रायकर म्रायुक्त) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 3-7-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 3 जुलाई 1978

निवेश सं० ग्राई०ए०सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1057----ग्रत: मुझे, रा० कु० बाली

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उगाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 7-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थ्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विस्था जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- श्रीमती ऊषा पाठक पत्नी श्री प्रभात पाठक निवासी
 370 साकेत नगर इन्दौर (श्रन्तरक)
- श्रीमती सुखनन्दन बालिया पत्नी श्री डी० एस० बालिया 94 रेडियो कालौनी इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (त) इस सूलना के राजगत्र में प्रताणन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 9 साकेत नगर इन्दौर।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-7-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनिषम, 1961 (1961का 43) की बारा 269 (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, तारीख 3-7-1978

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-. इ० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्म प्रतिकत से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रम्तरिक्षी (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए,

इतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन मिस्निसिखत व्यक्तियों, अधीन !---

- श्री कैशव गोविन्द नायक नियासी 179, पालसीकर कालोनी इन्दौर (ग्रन्तरक)
- श्रीमती द्रोपदीबाई पत्नी नन्द कुमार जी, निवारी।
 53, पानसीकर कालोनी, इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मधं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 179, का तल मंजिल, पा<mark>लसीक</mark>र, कालोनी इन्दौर ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-7-1978

श्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०-----आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (मन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई लिसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुखिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किमी घन या प्रान्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
9—216GI/78

 श्री गोंकुलदास पुत्र श्री कन्हैयालाल जी मुछाल निवासी 274, जवाहर मार्ग, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

2. श्री सैंफुद्दीन पुत्र श्री कादिर भाई, (2) श्री ग्रब्दुल तरमेव कादर भाई बोहरा दोनों निवासी, 61, बोहरा बाजार, इन्दौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रहमाय में दिया गया है।

म भुसू भी

मकान नं० 274 का पश्चिमी भाग, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक म्रायकर म्रायुक्त) म्र्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 3-7-1978

प्ररूप आई ∘ टी • एन • एस ० –

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

तारीख 6-7-1978

निर्देश स॰ श्राई॰ ए॰ सी॰ एक्वी॰/भोपाल/ 78-79/ 1060---यत: मुझे, रा॰ कु॰ वाली

क्षायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-इ० से भिधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो दुर्ग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 1—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त शिवियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसो घाय या किसो धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना नाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधितियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधितियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) ग्रिधीन निम्नलिखित अपितामों ग्रिथीत् :---

- श्री सरदार इन्द्रजीत सिंह पिता कबूल सिंह जोहल निवासी मोहन नगर दुर्ग (ग्रब यू० एस० ए० में रहते हैं)
- श्रीमती भागवती बाई बेवा श्री हजारीमल वर्मा निवासी दीपक नगर, दुर्ग (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

प्रकृत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बग्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मधिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी मबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (अ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबढ़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, झधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही ग्रागंहोगा जो उस ग्रष्टयाय में वियागया है।

प्रमुख्यः

2.340 हैक्टर, भूमि, खसरा नं० 202/12, ग्राम सिकोजा तहसील एवं जिला दुर्ग 1.099 हैक्टर भूमि, खसरा न० 146/3. ग्राम करहीडीह तहसील एवं जिला दुर्ग।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेज, भोपाल

सारी**ख**: 6-7-1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • →

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, महायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल तारीख 6-7-1978

निदेश स० ग्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/ 78-79/ 1061---ग्रत: मुझे, रा० कु० बाली

प्राधिकारी

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के मिधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित बाजार मूहम 25,000/-६० मे अधिक है

ग्रीर जिसका सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उापबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन. तारीख 30-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से घधिक है भौर घन्तरक (घन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखिन में बास्तविक कप यं कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धम्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मोधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसने क्वने में पृविधा के लिए; प्रौर/या
- ्ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निम्मनिवित स्पक्तिमों, अवौतः---

- 1. (1) श्री एजाज भाई पुत्र श्री श्रमगर भाई (2) श्री बाल मुकन्द पुत्र श्री हरनाम दोनों निवासी फुब्वारा चौक, उज्जैन (3) श्री कासम भाई पुत्र श्री मोहम्मद भाई (4) श्री द्वारकादास पुत्र श्री दौलत राम, पाटनी बाजार (5) श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री पूनमचन्द गर्ग सर्राफा (6) दुर्गाप्रसाद पुत्र श्री शिवप्रसाद, दौलत गंज (7) कैलांग चन्द्र पुत्र श्री जवाहर लाल, सर्राफा (8) श्री सत्येन्द्र कुमार पुत्र श्री फतहलाल सेठी, क्षीर सागर, (8) श्री कन्हेंया लाल पुत्र श्री भगवानदास बुदवारिया (10) डूगरमल पुत्र श्री इरकचन्द्र महाजन माधोनगर उज्जैन। (श्रन्तरक)
- 2. देवीबाई पत्नी श्री बूलचन्द्र जी ललवानी सिंधी निवासी माधव नगर, उज्जैन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्येशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में को भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की ताभीज से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपस्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, यही धर्ष होगा जो उस घष्टयाय में दिया गया है।

अनुसुखो

तीन मंजिला मकान म्युनिसिपल न० 6/105 स्थित 6 तान्याटोपे मार्ग, माधोनगर, उज्जैन।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-7-1978

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीचण)]

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 6 जुलाई 1978

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/1062— ग्रतः मुझे, रा० कु० बाली ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें -इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 7-11-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उसन अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; भौर/या
- (॥) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उन्त श्रिष्ठिनयम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त प्रिष्ठिनयम, की धारा 269 च को उपश्चारा (1) के प्रधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री नारायण दास पिता श्री मोहर चन्द्र निवासी 1/1 पारसी मोहल्ला, इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- श्री शान्तीनाथ जैन, चेरीटेबल ट्रस्ट, इन्दौर । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना <mark>जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्ज</mark>न <mark>के</mark> लिए कार्यवाहियां **कर**ता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पच्छोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, जो 'उक्त श्रिधिनियम' के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3, मोहन नगर, इन्दौर।

रा**० कु०** बाली, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण) (निरीक्षण सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 6-7-1978

प्रकृप धाई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्बी०/भोपाल/ 78-79/1063 श्रतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित-है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9-11-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) क बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसा आय भी बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिश्य में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

झतः, भन, शुउक्त अधिनिथम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- श्री केशव गोविन्द नायक निवासी 159, पालसीकार कालोनी, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती रानी बाई पत्नी श्री मनोहरलाल जी, निवासी 535, पालसीकार कालोनी इन्दौर।
 (ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति कं ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध,
 जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी धन्य श्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में कियं जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमृमूची

दुर्मजिला मकान स्थित प्लाट न० 179, पालसीकार कालोनी, इन्दौर (भाग)

> रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-7-1978

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर ग्रम्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 6 जुलाई 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्बी०/भोपाल/78-79/1064—अत:, मुझे रा० कु० बाली प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-खं रू अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/~ क॰ से प्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,तारीख 17-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से घाधिक है भीर घन्तरक (धन्तरकों) घीर घन्तरितों (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिखे तम पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त धन्तरक लिखेत में बास्तबिक छूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उनत श्राधि-नियम के प्रधीन कर वेमें के भ्रन्तरक के वायित्य मंकमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिये; भोर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी झन या भ्रष्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त मिन्नियम या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिबे।

भतः भव, उक्त धिधनियम की धारा 269-ग के भनुमरण में में उक्त धिधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निभ्नलिखिश व्यक्तियों, अवित्:--

- 1. श्री सुरेन्द्र सिंह पिता श्री राजेन्द्र सिंह, निवासी 1/1 साउथ तुकोगंज, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम नारायण पिता श्री नन्दलाल नियासी 54, मल्लारगंज, इन्दौर (ग्रन्तरिती)
- श्री सुनील कुमार भटनागर किरायादार भू-तल पर (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना नारो करके पूर्ताकत सम्पत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करना है।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 4 व दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, मो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से पे किसो व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-इममें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 1/1, साइथ तुकोगंज, इन्दौर।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भोपाल

तारीख: 6-7-1978

नहीं किया गया है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/ 1065--श्रतः मुझे, रा० कु० बाली ग्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसने पश्चास् 'जन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है मीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-11-1977 को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भधिक है भीर श्रन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय का नाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, ग्रमीत् :--

- 1. डी० एस० लोनकर पुत्र श्री झानन्द राव लोनकर निवासी 227, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी श्री सूरजमल सलेजा निवासी 227, श्री नगर कालोनी, इन्दौर

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विन की भ्रविध या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उंक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता- क्षरी क पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 227 पर बना मकान स्थित श्री नगर कालोनी, इन्दौर (भाग)

> ∤रा० क० बाली |सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-7-1978

प्रकप भाई० टी० एन∙ एस•----

ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रिशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1978

निदेश सं ० ग्राई०ए० सी० एक्बी०/भोपाल 78-79/1066-भ्रत: मुझे, रा० कु० बाली भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-र∙ से प्रधिक है न्नीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो अबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 8-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के धृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिश्वत प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) गौर मन्तरिती

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या

(मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक

इत्प से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसा घाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों का, जिम्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत्:→-

- (1) श्री नईम खां पुत्र श्री ग्रब्दुल ग्रजीज खां (2) हाजी श्रब्दुल ग्रजीज खां पुत्र श्री इमाम खां निवासी नया मोहल्ला, जबलपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री निर्मल कुमार घग्रवाल, पुत्न श्री शंकरलाल घग्रवाल, निवासी 340, वार्ड गंज, जबलपुर (भन्तरिती)

को **यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए कार्यवाहियां करता** हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप भव्याय में दिया गथा है।

अनुसुची

दो मंजिला मकान, म्यूनिसिपल नं० 1632 व 4632/ ए० एरिया 3752 वर्गफुट जोकि डाईवर्टेंट प्लाट नं० 749 पर बना है स्थित नेपियर टाउन, जबलपुर।

> रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, भोपाल।

तारीखाः 6-7-1978

प्ररूप माई० टी • एन० एस०---

पा।कर मिशानयम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** ४6**9**ष(1) के अधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अगस्त 1978

निदेश सं श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1090-ग्रत: मुझे, रा० कु० बाली आयकर खिंचिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त झिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के झिंधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण र कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो जबलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निम्तिन में वास्तविक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करन या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या िया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः १८१, उक्त भिक्षितयम की घारा 269-ग के प्रन-सरण में, मै. उक्त मधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों अर्थात् :—-10-216 GI/78

- श्रीमती श्रन्नपूर्णा बाई, निवासी राइत टाउन, जबलपुर (श्रन्सरक)
- 2. सरदार ग्रमर सिंह (2) श्रीमती के० सौभाग्य वती (3) सरदार ईशर सिंह, निवासी मोदी बाङा, जबलपुर छावनी (ग्रन्तरिती)
- 3 (1) श्री भाटिया (2) श्री बन्ध्योपाध्याय (3) श्री परमार (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के बिलए कार्यवाहिया करता हं।

उका नपति के प्रजीन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूबना की तामील से 30 दिन की शबधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) {ध्रस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य अथिकत द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गावीं और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टपाय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस प्राध्याय में विथा गया है।

अनुभूची

मकान नं० 1186 स्थित मोदी बाड़ा, जबलपुर छावनी।

रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 5-8-1978

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्णन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अगस्त 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल-78-79/1071— भ्रतः मुझे, रा० कु० बाली अगयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र• से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 28-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, प्रोर घन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिशिनियम के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री एम० बी० डिग्वेकर पुत्र श्री भीखा जी डिग्वेकर नियासी 1310 ए०, राइट टाउन, जबलपुर

(श्रन्तरक)) श्री राज्य क्यारस (२) श्री क्या क्यारस पर

2. (1) श्री राज कुमार (2) श्री रूप कुमार पत्न श्री रतनचन्द्र सर्राफ (3) श्री बीरेन्द्र कुमार (ग्रवयस्क) पुत्न श्री रतनचन्द्र सर्राफ निवासी ग्राम सिहोरा तह० सिहोरा जिला जबलपुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घ्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 1313, 1314, राष्ट्र टाउन, जबलपुर (क्षेत्रफल 5428 वर्गफुट) जो कि जो कि डाईवर्जन प्लाट नं० 581 पर बना है शीट नं० 154 सी० सुभाष नगर म्युनिसिपल प्लाट नं० 8/1।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-8-1978

मोहर्ः

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अगस्म 1978

निदेश सं० घाई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1072--प्रतः मुझे, रा० कु० बाली
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/स्पर्य से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) म्रान्तरण से हुई किसी माय की वावत, उक्त प्रश्निनियम के प्रश्नीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीतः—

- श्री बृज लाल भाई पुत्र श्री स्व० रतनसी ग्रेट इस्टर्न रोड, मोव हपारा रायपुर (ग्रन्तरक)
- (1) श्री कन्हेंया लाल (2) श्री प्रभु राम
 (3) श्री किशन लाल ग्राहूजा घारमजा स्व० कवंर लाल ग्राहूजा निवासी शारदा चौक, रायपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का जो उक्त ग्रधिनियम के भव्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं॰ 5/217 जो कि ब्लाक नं॰ 77 प्लाट नं॰ 2/28 एरिया 627 वर्ग फुट तव जमीन ब्लाक नं॰ 77 प्लाट नं॰ 2/26 एरिया 718 वर्ग फुट स्थित मोहा-पारा वार्ड, रायपुर।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-8-1978

प्ररूप भाई० डी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीकण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अगस्त 1978

निवेश सं आई० ए० सी० एक्बी०/भोपाल 78-79/1073— आयफर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं॰ मकान है, तथा जो मुडवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुडवाडा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख 26-12-1977

को पूर्वोक्त सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर प्रकारक (प्रकारकों) प्रौर प्रकारिती (अक्तरितियों) के बीच ऐसे चन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में बास्तुविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्सरण से हुई किसी ग्राय की बाजत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के बायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः, सब, उबत मिनियम की घारा 269ग के मनुसरण में, वें, उक्त मिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के सबीक, निम्नतिबत व्यक्तियों अर्थात्:—-

- श्री नारायण प्रसाद पुत्र श्री घनश्याम प्रसाद मिश्रा निवासी भ्रोझा वार्ड, मंडला (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री प्रर्जुन दास (2) श्री स्रास्दोमल पुत्र श्री नारायण वास पंजवानी निवासी शिवाजी वार्ड, मुडवाडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इन सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान म्युनिसिपल नं० 78, 78/1,78/2, 78/3 व 78/4 स्थित मालवीय गंज, मुख्याडा ।

रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-8-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5-8-1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० ए.की० /भोपाल 78-79/
1074—ग्रत. मझे, रा० कु० बाली
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/कु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो भोपाल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है वि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरको) भीर धन्तरित (धन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रश्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िख्याने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त भिधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्ः—

- श्री भीषम लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल द्वारा पावर प्राफ एटार्नी श्रीमित विद्याबाई पत्नी श्री कन्हैया हलवानी निवासी डवरा (अन्तरक)
- 2. श्री शमीम एहमद साहब पुत्र श्री ग्रनीस ग्रहमद साहब निवासी पुत्र बोबदा, भोपाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पद्दों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

अनुसुची

प्लाट नं० 11 बी० क्षेत्रफल 8500 वर्गफुट स्थित भोपाल ग्राइल एण्ड फ्लोर मिल्स के श्रन्दर, चिसी, जहांगीराबाद, भोपाल।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-8-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के भन्नीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल दिनांक 5 अगस्त 1978

निदेश सं० श्राई०ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1095—
प्रतः मुझे, रा० कु० बाली
धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है
ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है)
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
23-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो ग्राय को बाबत, उनत ग्रिंश-नियम के ग्रग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः श्रवः जनत श्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत श्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के घंधीन, निम्निवित व्यक्तियों वर्षात् !---

- 1. श्री रानोमल जी पुत्र श्री बाटोमल जी निवासी इन्दौर हाल मुकाम शाहजहांबाद, भोपाल (ध्रन्तरक)
- 2. श्री शमीम ग्रहमद पुत्र श्री श्रनीस श्रहमद साहब निवासी पुल बोबदा, भोपाल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज्न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूचो

प्लाट नं० 11 ए० क्षेत्रफल 7850 वर्ग फुट स्थित भोपाल ग्राइल एण्ड फ्लिर मिल्स के ग्रन्दर, जिसी जहांगीराबाद, भोपाल।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-8-1978

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, दिल्ली-1

> 4/14 क, ध्रासफन्नली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी०/1/एस० श्रार०- 3/202/नव० 1/(20) 77-78/20 72—श्रतः मुझे, जे० एस० गिल.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो सुलतान पुर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अभिनियम के भधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के बाबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित्।---

- 1. श्री राजपाल पुत्रगण श्री धनीराम गांव सुलतानपर (दिल्ली) (श्रन्तरक)
- श्री गुरू सरन पुत्र श्री हकुमत राय (2) मोहम्मद हनीफ पुत्र चांद खान निवासी खुरैजी खाम, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरक:--इसमें प्रयुक्त प्राक्यों भीर पदों का, जो उक्त धिधिनयम, के भग्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भनें होगा जो उस भग्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि योग्य भूमि 4 बीघा 16 विश्वास जिनका नं० 558 जो कि कमरे के साथ (चौकीदार का कमरा) है जो कि गांव सुलतानपुर दिल्ली में है।

> जोगिन्दर सिंह गिल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8 भ्रगस्त, 1978

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 19th July 1978

No. F. 6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri P. S. Parvatheesam, Officiating Stenographer Grade 'B' of the Department of Social Welfare and permanent Stenographer Grade 'C' of the Ministry of Communication, Government of India, as an Officiating Private Secretary to the Hon'ble Judge, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 15th July, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD

Deputy Registrar (Admn, J) Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd August 1978

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. D. N. Prasad, Associate Professor of the NDRI and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis with effect from the forenoon of 2-8-1978 to 1-11-78 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended uptodate.

P. N. MUKHERJEE

Under Secy.

for Chairman
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd August 1978

F. No. A-19036/15/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. & IGP/SPE hereby promotes Shri S. R. Agarwal, Inspector of Police, C.B.I. to officiate as Dy. S.P., C.B.I., S.P.E. with effect from the forenoon of 15-7-78 in a temporary capacity until further orders.

F. No. A-19036/16/78-Ad. V.—The Director C.B.I. & I.G.P., SPE hereby promotes Shri S. A. Hyder Naqyi, Inspector of Police, C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I., SPE with effect from the forenoon of 20-7-78 in a temporary capacity until further orders.

F. No. A-19036/17/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. & I.G.P./S.P.E. hereby promotes Shri Umesh Inspector of Police C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police C.B.I., S.P.E. with effect from the afternoon of 20-7-78 in a temporary capacity until further orders.

The 4th August 1978

No. A-19021/2/75-Ad. V.—Shri C. Anajneya Reddy, IPS (1966-Andhra Pradesh) on deputation to C.B.I. as Superintendent of Police relinquished charge of his office on the afternoon of 4-7-78.

2. On relief from the C.B.I., the services of Shri Reddy have been placed at the disposal of the Government of Andhra Pradesh.

M. K. AGARWAL Administrative Officer (A) C.B.I.

New Delhi, the 3rd August 1978

No. 21021/15/78-Ad. I.—Consequent upon his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establish-

ment, hereby appoints Shri C. Sadish Chandran, Sub-Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division-of the Central Bureau of Investigation as Inspector, ECW/Bombay Branch in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 19-6-78 until further orders.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) Central Burcau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 7th August 1978

No. O. II-1024/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Deepak Chopra, Dy. S.P. of C.R.P.F. (on deputation to Directorate of Coordination Police Computers) with effect from 31-7-78 (AN).

A, K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 31st July 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Baroda Shri D. S. Treasure relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit BALCO Korba with effect from the forenoon of 17th July 1978.

The 3rd August 1978

No. E-16013(2)/6/77-Pers.—On transfer on deputation from UP Police Shri Daljit Singh assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit, NFL, Naya Nangal (Punjab) with effect from the forenoon of 8-6-78.

No. E-16014(3)/1/77-Pers.—On repatriation to Delhi Police, Shri Kailash Chander Behl relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Trg. Reserve. New Delhi with effect from the afternoon of 30th June 1978.

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri Shiv Mohan Singh IPS (MP-1954) assumed the charge of the post of Dy. Inspector-General, CISF, NW/Zone, New Delhi with effect from the forenoon of 7th July 1978 vice Shri S. V. Singh IPS (MP-1955) who on repatriation to the State Cadre relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri B. R. Sur IPS (MP-54), assumed the charge of the post of Dy. IG/CISF, Bokaro Steel Ltd., Bokaro with effect from the forenoon of 10th July 1978.

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shrl Maharaj Singh IPS (MP-56) assumed charge of the post of Dy. IG/CISF, Bhilai Ispat Ltd., Bhilai, with effect from the forenoon of 10th July 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Calcutta Shri A. C. Roy, assumed the charge of the post of Commandant. CISF Unit, BCCL, Jharia with effect from the forenoon of 20-5-1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Barauni Shri Ashok Darbari, IPS (MP-68). assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the forenoon of 5-6-78.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Hardwar Shri Daljit Singh relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit, NFL Naya Nangal with effect from the afternoon of 30th June 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Hardwar Shri Inder Mohan relinquished the charge of the post of Asstt, Commandant CISF Unit, ISRO Thumba with effect from the afternoon of 11-5-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Durgapur Shri N. K. Khaiuria assumed the charge of the nost of Asstt. Commandant CISF Unit Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the forenoon of 22nd June 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector B. P. Dubey to officiate as Asstt. Commandant, CISF Unit, IPCL Baroda on ad hoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the afternoon of 10-6-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector R. N. Sarkar to officiate as Assett. Commandant, CISF Unit, N.P. & P.C. Ltd., Nagaland on ad-hoc basis and assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 6-6-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Hardwar, Shri R. K. Bhagat, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, BHEL, Khailar, Jhansi with effect from the forenoon of 27th May 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Rourkela Shri, Bhupinder Singh Rana, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit IOC Mathura Refinery Project, Mathura w.e.f. the forenoon of 10-5-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector Krishan Kumar Sharma to officiate as Asstt. Commandant CISF Unit, RSP Rourkela on ad hoc basis and assumed the charge of the same posts with effect from the forenoon of 5-6-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Namrup Shri P. P. Mitra assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit DSP Durgapur with effect from the forenoon of 13-6-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri N. G. D. Gupta to officiate as Asstt. Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia on ad-hoc basis and assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 25th May 1978, while on camp at Hyderabad.

2. This supersedes carlier Notification of even number dated 5-7-78.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector A. S. R. Reddy to officiate as Asstt. Commandant, CISF Unit, MPT Madras on ad hoc basis and assumed the charge of the said posts with effect from the forenoon of 5-6-78.

R. C. GOPAL Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 1st August 1978

No. 2/1/75-RG(Ad-1).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Agarwal, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Haryana at Chandigarh and at present working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, in the office of the D.C.O. Uttar Pradesh at Lucknow, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the D.C.O. Uttar Pradesh, Lucknow, with the headquarters continue to be at Lucknow, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 26 June, 1978, until further orders.

No. 2/1/75-RG(Ad. I).—The President is pleased to appoint Shri M. M. Dua, Assistant, Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India,

at New Delhi as Deputy Director of Census Operations in the same office, with his headquarters at New Delhi, on regular basis, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4 July, 1978, until further orders.

No. 2/1/75-RG(Ad. I).—The President is pleased to appoint Shri P. C. Sharma, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operation, Punjab, Chandigarh, and at present working as Deputy Director of Census operations, on ad hoc basis, in the office of the D.C.O. Punjab Chandigarh, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the D.C.O. Punjab at Chandigarh, with the headquarters continue to be at Chandigarh, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 28 June, 1978, until further orders.

No. 2/1/75-RG(Ad. I).—The President is pleased to appoint Shri S. S. S. Jaiswal, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India at New Delhi and at present working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, in the office of the D.C.O., Uttar Pradesh at Lucknow, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the D.C.O. Uttar Pradesh at Lucknow, with the headquarters continue to be at Lucknow, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 26 June, 1978, until further orders.

No. 2/1/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Suri, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operation Punjab at Chandigarh and at present working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, in the office of the D.C.O. Himachal Pradesh, Simla as Deputy Director of Census Operations, in the office of the D.C.O. Himachal Pradesh at Simla, with the headquarters continue to be at Simla, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 27 June, 1978, until further orders.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE

(Deptt. of E.A.)

INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD

Nasik Road, the 31st July 1978

No. 781/A.—In continuation of Notification No. 485/A dated 30-4-1978, the *ad hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Deputy Control Officers, India Security Press, Nasik Road are extended for a further period upto 30-9-78 on the same terms & conditions or till posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA, General Manager.

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS: DEWAS (MP)

Dewas (MP), the 6th August 1978

F. No. BNP/C/5/78.—Shri S. K. Mathur. a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer on ad hoc basis in the Bank Note Press, Dewas for a period of 3 months with effect from the Forenoon of 25-7-78 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

M. V. CHAR, Dy. General Manager

DFFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

Now Delhi. the 5th August, 1978.

No. 40011(2)/78/AN-A——(1) The undermentioned Accounts officers were/will be transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of Superannuation.

Si. No.	Name with Roster Number	•	Grade	Date from which transferred to Pen- sion Establishment.	Organisation
1	2		3	4	5
1.	S/Shrl C. Vasudevan P/7		. Permanent Accounts Officer	30-11-78	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.

ι

1	2	3	4	5
2.	Narindra Nath Varma P/44 .	Permanent Accounts Officer	30-6-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.
3.	K. Subramaniam P/53	Do.	31-7-78	Controller of Defence Accounts, Centre Command, Meerut.
4.	Hardayal Singh P/69	Do.	31-7-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
5.	A. Sivaramiah P/73	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
6.	Nand Kishore Khanna P/81 .	D o. *	30-6-78	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks), North, Meerut.
7.	Tarlok Nath Kakar P/89 .	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehra Dun.
8.	Ram Parkash Sawhney P/90.	Do.	31-8-78	Controller of Defence Accounts, (ORS) North Meerut.
9.	Braham Dev P/95	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
10.	G. Sankara Rao P/114 . ,	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
11.	Maqsoodan Lal P/202	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut.
12.	P. D. Deshmukh P/217 .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks), South Madras.
13.	G. Soshagiri Rao P/231	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
14.	Niranjan Lal P/236	Do.	30-9-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
15.	Harbans Lal Oberoi P/239 .	Do.	31-10-78	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
16.	G.N. Natatajan P/243	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Officers Poona.
17.	A. B. Banerjee P/245	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
18.	Sailendra Nath Ganguly P/246	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
19.	R. P. Singh P/254	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
20.	M. K. Thyagarajan P/266 .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
21.	N. Kunthakrishnan P/279 .	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
22.	M. L. Tyagi P/300	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
23.	K. Ramadorai P/338	Do.	30-9-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
24.	Puran Chand Sirpaul P/344 .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
-5 ,	M. M. Datta P/370	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meetut.
26.	Sripati Bhattacharjee P/399 .	Do.	31-7-78	Controller of Defence Accounts (Othter Ranks), North, Meerut.
27.	P. N. Narasimhan P/405 .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
28.	K P. Vishwanathan P/409 .	Do.	31-7-78	Controller of Defence Accounts, (Navy), Bombay.
29.	Hari Krishan Lal P/468 .	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehra Dun.
30.	M. C. Lukose P/451 .	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) Madras.
31	P. Krishnaswamy P/491	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts, (Pensions), Allahabad.
32.	Niranjan Sen Gupta P/511	Do,	30-11-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
33.	Shian Lal Sharma P/539 .	Do.	30-9-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
-				

1

X .				
1	2	3	4	5
34.	Joga Singh P/602	Permanent Accounts Officer	30-6-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
35.	Rajaram Verma P/626	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
36.	P. Ramamohan P/628	Do.	30-9-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
37.	Sasanka Mohan Deb P/629 .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, (other Ranks), North, Meerut.
38.	Prem Chand Sharma P/645 .	Do.	31 - 8-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
39.	Mukund Lal Sehgal O/65 .	Officiating Account Officer	31-12-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
40	E. M. Warriot O/69	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, (Navy), Bombay.
41.	Chintamani Jetly (O/93) .	Do.	30-9-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
42.	V. Seshagiri Rao O/97	Do.	30-9-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
43.	M. M. Ganguly O/108	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts, (Factories), Calcutta.
44.	Kanwal Nain Malhotra O/129	Do.	31-8-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
45.	A. W. Godbole O/140	Do.	30-6-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
46.	P. L. Mehrotra O/208	Do.	31-7-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.
47.	N. R. Bharadwaj O/217	Do.	31-12 - 78	Controler of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
48.	M. K. Kumthekar O/299 .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
49.	G. K. Mahinderkar O/300 .	Do.	31-8-78	Controller of Defence Accounts, (Other-Ranks), South Madras.
50.	Gopal Chand Vashist O/NYA	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
51.	K.K. Sachdeva O/NYA .	Do.	30-11-78	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.
52.	K. Lakshminarayanan O/NYA	Do.	30-6-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
53.	Y. R. Shelke O/NYA	Do.	31-10-78	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks), South, Madras.
54.	R. D. Bhatnagar O/NYA .	Do.	31-7-78	Controller of Defence Accounts, Central Command. Meerut.
55.	K. Varadarajan O/NYA .	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts, (Navy) Bombay.

R. VENKATARATNAM Dy. Controller General of Defence Accounts (PERS)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE CORRIGENDUM

Calcutta, the 5th August 1978

No. 34/G/78.—Entries against serial No. 7 of the Gazette Notification No. 57/G/76 dated 28/7/76 may be substituted as under:—

Name and Designation

Date

7. Shri D. K. Sarkar—12th Feb, 1976 (under 'Next below rule') Pt. Dy. Manager.

V. K. MEHTA, Assit., Director General, Ordnance Factories

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES, SION, BOMBAY-22,

Bombay-22, the 3rd July, 1978

No. 5/11/78-Adm.—Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri U. B. Parelkar substantively to the post of Inspector (Architect) in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute organisation with effect from 15th April, 1976.

A. K. CHAKRABARTY, Director General.

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 31st July 1978

No. P. 8(25)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare

Fund Rules 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints Shri S. Roy, Chief Controller of Accounts, Eastern Coalfields Ltd. Sanctoria, Disergarh as member of the Finance Sub-Committee constituted in the notification No. P.8(25)67 dated 23-12-1975 vice Shri B. L. Wadehra and makes the following amendment in the said notification viz:—

For the entry 'Sl. No. 2 Shri B. L. Wadehra Mg. Director, Central Coalfields Ltd. Darbhanga House Ranchi' the entry sl. no. 2 Shri S. Roy, Chief Controller of Accounts, Eastern Coalfields Ltd., Sanctoria Discrgarh, Burdwan' shall be substituted.

H. H. QURAISHY, Addl. Coal Mines Welfare Commissioner Dhaubad.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS,

New Delhi, the 21st June 1978 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1228/77-Admn(G)/4422.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby apoints Shri D. K. Bhatacharya, formerly Assistant Director in the erstwhile Directorate of Exhibitions and Commercial Publicity in the Ministry of Commerce, as Controller of Imports and Exports in the office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Faridabad, in an officiating capacity with effect from the 17th March, 1978, until further orders.

2. As Controller of Imports & Exports, Shri D. K. Bhatta-charya will draw his pay according to the Rules in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200.

T. T. LA, Dy. Chief Controller of Imports & Exports. for Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 3rd August 1978

No. CER/3/78.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated the 19th September, 1969, namely:—

In the said notification:--

In paragraph VII for item (6) the following shall be substituted namely:—

"(6) the exact percentage of each of the different type of fibres used in the yarn as illustrated below:—

Cotton

60%

Polyester fibre

40%

Provided that when the percentage of any fibre is less than 2% of the total fibre content in the yarn, the percentage of such fibre need not be stamped.

Note: The example given above, is only for the purpose of illustration. Manufacturers shall stamp actual percentage of cotton content or artsilk or wood content as the case may be, in the yarn, expressed as percentage to the total fibre content, by weight of yarn. In case, where artsilk fibre is used as one of the components, its generic name, for example, nylon, polyester, acrylic, viscose etc., as the case may be, shall be stamped as indicated in the illustration above.

No. 10(1)/73-78/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 4A of the Cotton Control Order, 1955, 1 hereby rescind the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-76/CLB.II, dated the 5th August, 1976.

2. Notwithstanding the rescission of the said Notification, the quantity of cotton that can be held by a manufacturer shall continue to be regulated by the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB II dated the 19th December, 1974.

No. CLB II/10(2)/77-78.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 14A and other relevant provisions of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB.II/10(1)/73-76 dated the 11th October, 1976, namely:—

In the said notification, Direction No. (1) shall be deleted.

G. S. BHARGAVA Jt. Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 5th August 1978

No. A-1/2(360).—The President is pleased to appoint Shri M. Sundararaman, who has been officiating as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on ad hoc basis with effect from the 1st February 1978 to officiate as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dtc. of Supplies and Disposals, Madras on regular basis from the forenoon of the 9th March, 1978 and until further orders.

No. A-1/2(360).—The President is pleased to appoint Shri M. A. B. Chugtai, who has been officiating as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. of Supplies and Disposals, Bombay on ad hoc basis with effect from 1-7-1977 to officiate as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at Bombay on regular basis with effect from 9-3-78 and until further orders.

No. A-1/1(836).—The President is pleased to appoint Shri S. Farukh Hamid, Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of the 14th July, 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH,

Dy. Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals.

FILMS DIVISION

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Bombay-26, the 4th August 1978

No. 6/85/54-Est.I.—The Chief Producer, Films Divisin, has appointed Shri M. S. V. Vinod Babu, officiating Salesman, Films Division, Bombay to officiate as Branch Manager, Films Division, Distribution Wing, Bombay with effect from forenoon of 31-7-1978.

M. CHANDRAN NAIR, Administrative Officer for Chief Producer.

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 4th August 1978

No. A-20012/4/71-Exh (A).—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri G. C. Banik to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition

Office of this Directorate at Jorhat with effect from 15-7-78 (A.N.), until further orders.

R. DEVASAR,

Deputy Director (Admn.) for Director of Advtg. & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 1st August 1978

No. A. 12026/6/77-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Sharma, Biochemist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Deputy Director, in the same laboratory with effect from the forenoon of 1st July, 1978, until further orders.

Dr. S. C. Sharma relinquished the charge of the post of Biochemist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day.

SANGAT SINGH, Dy. Director Administration.

New Delhi, the 5th August 1978

No. A. 12025/15/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Kuldip Kaushik to the post of Dental Surgeon at the C.G.H.S. Allahabad, with effect from the forenoon of 16th March, 1978, in an officiating basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA. Dy. Director Administration (Q&M).

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE GENERAL MANAGER MADRAS TELEPHONES

Madras-600001, the 2nd August 1978

No. ASI/AE-5/IV.—The General Manager, Madras Telephone District, is pleased to appoint the undermentioned Junior Engineers to officiate as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District for the period mentioned against each.

Sl. No.	Name	Date of properties of process of the detection of the det		Date of sion to cadre.	rever- parent
1.	Sri K. G. Sundaresan	10-2-78	AN	30-3-78	FN
2.	Sri B. S. Nagarajan .	10-2-78	AN	30-3-78	FN
3.	Sri R. Sampath .	13-3-78	FN	30-4-78	AN
4.	Sri S. E. Jayabalan .	10-4-78	I·N	27-5-78	FN
5.	Sri M. E. Lakshmanan	13-4-78	FN	1-6-78	FN
6.	Sri E. V. Natesan .	22-4 -78	ľN	6-6-78	AN
7.	Sri N. S. Kandaswamy	22-4-78	FN	6-6-78	AN
8.	Sri R. Pushpanathan .	1-5-78	FN		
9.	Sri R. Appadurai .	1-5-78	FN		
10.	Sri S. Arulanandam .	1-5-78	FN		
11.	Sti K. S. Ramamurthy	15-5-78	FΝ		
12.	Sri N. V. Varadarajulu Chetty	15-5-78	Ι·Ν		
13.	Sri D. Thiruvateeswaran	23-5-78	FN	20-6-78	ŀΝ
14.	Sri R. Sankaran ,	23-5-78		-	-
15.	Sri S. V. Subramanian	5-6-78			
16.	Sri N. Sampath .	12-6-78	FN		
17.	Shri B. Shanmugham.	21-6-78	FN		
18.	Shri N. Palaniswamy	21-6-78	ΓN	19-7-78	FN
19.	Sri S. Ramaswami .	26-6-78	FN	15-7-78	FN
20.	Sri N. Dasu	20-6-78	FN		_
21.	Sri R. Janakiraman .	24-6-78	FN	17-7-78	FN

K. RAJAGOPALAN Asstt. General Manager (Admn.) for General Manager

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 31st July 1978

No. F. 2-11/77-Estt.(1).—The ad hoc appointment of Shri N. Sivarama Krishnan in the post of Assistant Exhibition Officer (Gr. I) is further continued beyond 28th February 1978 and upto 26th July, 1978.

I. J. KAPUR,

Director of Administration.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION,

Faridabad, the 2nd August 1978

No. A. 19023/6/78-A.III.—The resignation tendered by Shri S. S. Irpati from the post of Marketing Officer in this Directorate has been accepted with effect from 26-9-77 (A.N.).

J. S. UPPAL,

Agricultural Marketing Adviser

Faridabad-121001, the 4th August 1978

No. A-19024/9/78-A.III.—Shri A. A. S. Prakasa Rao, Senior Chemist, is appointed to officiate as Chief Chemist at Cochin w.e.f., 10-7-1978 (F.N.), on purely short-term basis, for a period not exceeding three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A.19025/21/78-A.III.—Shri T. G. Shahani, Assistant Marketing Officer (temporary) (under suspension) has been removed from service in accordance with the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, with effect from 1-7-1978 (F.N.).

The 5th August 1978

No. A.19023/59/78-A.III.—Shri K. S. Nishal, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) at New Delhi with effect from 3-7-1978 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Nishal relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at New Delhi in the forenoon of 3-7-1978.

No. 19023/66/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri K. K. Nambiar is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad with effect from 31-7-1978 (Forenoon), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviser

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES Dehra Dun-248001, the 5th August 1978

No. 6-1/78-Adm.—Shri B. K. Basu, Assistant Conservator of Forests, Andaman & Nicobar Islands on deputation as Assistant Conservator of Forests in the Preinvestment Survey of Forest Resources, Eastern Zone, Calcutta, relinquished charge of the post in question on the afternoon of 27th May, 1978. The services of Shri Basu stand replaced at the disposal of the Andaman & Nicobar Islands on the expiry of his leave from 29-5-78 to 19-7-78.

C. L. BHATIA Chief Coordinator

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 18th July 1978

No. NAPP/Adm/1(18)/78/S.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project has approved the appointment

of Shri P. Venugopalan, an officiating Asst. Personnel Officer in this office as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of May 24, 78 to the afternoon of July 17, 78 in the same Project in a temporary capacity on ad hoc basis vice Shri R. P. Haran, Administrative Officer-II transferred to the VEC Project, Calcutta, and posted as Administrative Officer-III.

G. G. KULKARNI Sr. Administrative Officer Narora Atomic Power Project

Narora, the 21st July 1978

No. NAPP/Adm/1(81)/78-S.—Consequent on his tendering resignation, Shri Taj Mohammed, a permanent Draftsman 'C' in the PPED pool and an officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Narora Atomic Power Project relinquished charge of his post with effect from the afternoon of June 23, 1978.

S. KRISHNAN Administrative Officer

DIRETORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 5th August 1978

No. DPS/23/8/77-Est./20690—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints the following persons in the Directorate of Purchase & Stores to efficiate as Assistant Accounts Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, on an ad hoc basis, in the same Directorate for the period as shown against each.

1. Shri J. G. Sathe from 17-3-78 to 9-6-78 Assistant Accountant

 Shri A. M. Parulkar , from 27-4-78 to 3-6-78 Assistant Accountant

3. Shri A. Mascarenhas from 8-5-78 to 9-6-78 Assistant Accountant

 Shri V. G. Pimpalkhare from 10-5-78 to 9-6-78 Assistant Accountant

5. Shri Darshan Singh from 15-5-78 to 23-6-78
Divisional Accountant

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 5th August 1978 ORDER

Ref : NFC/PA.V/20/1215.—WHEREAS it was alleged that :

Shri M. Kanaka Raju, while employed as Wct Cleaner, MES, is in the habit of remaining absent from duty without prior permission and thus causing dislocation of work. The said Shri Kanaka Raju remained absent on 18 occasions in 1974, 10 occasions in 1975 and 5 occasions in 1976, without sufficient cause.

The said Shri Kanaka Raju has further been remaining unauthorisedly absent from duty with effect from 30-11-1976.

By his aforesaid behaviour, the said Shri Kanaka Raju has committed acts of misconduct by remaining unauthorisedly absent from duty in terms of para 34 and indulging in habitual absenteeism in term of para 39(5) of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS the said Shri Kanaka Raju was informed of the charges levelled against him, vide memo No. NFC/PA.V/20/3376 dated 14-11-1977, wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 7 days from the date of receipt of the said memo,

AND WHEREAS the said memo was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party left the station without instructions',

AND WHEREAS as required under para 41.2(ii) of the NFC Standing Orders, an inquiry committee was constituted to conduct the inquiry, vide Order No. NFC/PA.V/20, 49 & 50 dated 6-1-1978,

AND WHEREAS the notice dated 9-1-1978 issued by the Inquiry Officer asking Shri Kanaka Raju to attend the inquiry proceedings on 20-1-1978, was returned undelivered by postal authorities with the remark "party left the address without instructions",

AND WHEREAS the said Shri Kanaka Raju did not turn up for the inquiry,

AND WHEREAS the inquiry proceedings were held exparte,

AND WHEREAS the inquiry officer submitted the inquiry report on 20-1-1978 holding the charges framed against the said Shri Kanaka Raju as proved,

AND WHEREAS the undersigned after considering the inquiry report and the gravity of the inisconduct came to the provisional conclusion that the said Shri Kanaka Raju is not a fit person to be retained in service and should be removed,

AND WHEREAS, vide memo No. NFC/PA.V/20/239 dated 30-1-1978 sent by registered post, the said Shri Kanaka Raju was informed of the provisional conclusion and given an opportunity to make representation if any against imposition of the penalty of removal within ten days from receipt of the said memorandum,

AND WHEREAS the said memo dated 30-1-1978 was acknowledged by the said Shri Kanaka Raju on 10-2-1978,

AND WHEREAS the said Shri Kanaka Raju failed to submit any representation against the proposed penalty of removal.

AND WHEREAS the undersigned has come to the final conclusion that the penalty of removal should be imposed on the said Shri Kanaka Raju.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 28(1)/67-Adm dated 3-12-1970, hereby orders that the said Shri Kanaka Raju be removed from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th July 1978

No. A.32013/4/78-EA.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Joshi, Aerodrome Officer to the grade of Scnior Aerodrome Officer, at Headquarters, on purely ad hoc basis for the period from 19-6-78 to 17-8-78 vice Shri N. K. Tripathi, granted leave.

The 1st August 1978

No. A.32013/5/77-EA.—The President has been pleased to appoint Shri Chanan Singh, Aerodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 24th July 1978 and until further orders. Shri Chanan Singh is posted at Civil Aerodrome, Agartala.

V. V. JOHRI Asstt, Director of Administration

New Delhi, the 8th August 1978

No. A.19014/147/72-E.I.—Shri S. Dayal, Technical Officer, Air Safety, Civil Aviation Department, New Delhi, died while in service on the 9th June, 1978.

No. A.32013/10/77-E.I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint with the concurrence of the Union Public Service Commission Shri S. K. Chakraborty, Officiating Senior Librarian (Permanent Librarian) in this

Department to the post of Chief Libratian (Group 'B' Gazetted) in this Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, for a period from [4-6-78 to 31-10-78 in continuation of this Department Notification No. A.32013/10/77-E(I), dated 14-12-1977.

P. C. JAIN Asstt. Dir. of Admn.

MINISTRY OF ENERGY

(DEPARTMENT OF POWER)

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

THERMAL POWER STATION PERSONNEL TRAINING INSTITUTE

New Delhi-110044, the 27th June 1978

Memorandum

No. Est/36/TPSPTI/78/81-88.—In pursuance of the proviso to sub-rulo (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby terminate forthwith the services of Shri Govind Ram, Safaiwala of this Institute and direct that the shall be paid a sum equivalent to the amount of pay and allowances for a period of one month (in lieu of the period of notice) calculated at the same rate at which he was drawing them immediately before the date on which this order is served on or, as the case may be, tendered to him.

J. K. BHASIN Director

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 31st July 1978

No. A-19012/688/78-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Mohan A. Ketkar to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Telecommunication) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. the forenoon of 29th June, 1978.

2. Shri Ketkar will be on probation for a period of two years w.e.f. 29-6-78.

No. A-32014/1/77-Admn. V (Vol. II) —On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers, presently officiating on ad-hoc basis as extra Assistant Director Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a regular basis in the same grade in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the dates shown against each:

SI. Name of Officer No.	·			Date of regular appointment		
1. Shri G. Ranga Rao				2-11-77 (FN)		
2. Shri Mohan Kumar		•		30-6-78 (FN)		

2. The above mentioned officers will be on probation in the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer, for a period of two years with effect from the dates shown against each.

No. A-32014/1/77-Adm.V(Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B). Chairman. Central Water Commission hereby appoints Shri Kailash Chander, Supervisor who satisfy all the conditions of the 'Next Below Rules', while on deputation foreign service to ex-cadre post to Chukha Hydel Project, Bhutan, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Figureer, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E3-35-880-40 1000-EB-40-1200, in absentia, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th June, 1978.

2. Shri Kailash Chander will be on probation for a period of two years with effect from the date he assumes charge of the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission on reversion from foreign service.

The 4th August 1978

No. A-19012/731/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri N. M. Mahajan, Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 12th July, 1978 upto 30th September, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/732/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri M. D. Kamble, Research Assistant, to the post of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 12th July, 1978 upto 30th September, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 2nd August 1978

No. 3-538/78-Estt.(E).—Shri R. M. Ansari is appointed to the post of Stores Officer, G. C. S. Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E3-35-880-40-1000-EB-1200 on temporary basis in Central Ground Water Board, Faridabad w.e.f. 28-7-1978(FN) till further orders.

AJIT SINGH Chief Engineer & Member

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 4th August 1978.

No. 23/2/77-EC. II.—The following Officers of Central Public Works Department, on attaining the age of superannufation, have retired from Government service on 31st July, 1978 (A.N.):

Name	Present designation
1. Shri D. Patwary	Executive Engineer, 'D' Division, Central Public Works Depart- ment, New Delhi.
2. Shri Ranbir Singh	Executive Engineer, P. W. D. Division No. X (DA), New Delhi.
3. Shri K. Ramachandran	Executive Engineer, Madras Central Division No. I, C. P. W. D., Madras.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
For Director-General (Works)

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 28th July 1978

No. 6/6/78-Admn.II.—The Chairmau Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names:—

- 1. Shri S. K. Aggarwal.—31-3-78 (Forenoon)
- 2. Shri G. S. K. Nair,-21-3-78 (Foreneon)
- 3. Shri A. K. Dudeja.-21-3-78 (Forenoon)
- 4. Shri Kuldip Singh.-31-3-78 (Afternoon)

S. BISWAS Under Secy. INTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL BRANCH/SHELL Madras-38, the 29th July 1978

No. PB/GG/9/Misc.—Shri J. S. RUKMANGATHAN (P.F. No. 48546), Officiating Chief Design Assistant/Electrical (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/Design/MTP (Class II) with effect from 3-4-1978.

Shri G. Rajamani (P.F. No. 48422), Officiating Assistant Works Manager/Electrical (Class II) has been confirmed in Class II service in scale of Rs. 650—1200 (RS) from 16-1-1978.

Shri M. SUBBA RAO (SC), (P.F. No. 48420), Officiating Shop Superintendent/Elec./Shop-29 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Works Manager/Electrical (Class II) with effect from 26-4-1978.

Shri T. A. RAMACHANDRAN (P.F. No. 20101), Officiating Senior Electrical Engineer/Maintenance (S.S.) has been promoted to officiate as Deputy Chief Personnel Officer (J.A.) from 26-4-1978.

Shri G. RAJAMANI, Assistant Electrical Engineer/Inspection (Class II) has been promoted to officiate as Works Manager/Electrical (S.S.) from 28-4-1978 to 10-6-1978.

Shri N. VELLAPPAN PILLAI, (P.F. No. 21781), Officiating Shop Superintendent, Shop-22 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Production Engineer/PC/S (Class II) with effect from the afternoon of 29-4-1978.

Shri C. A. KRISHNAMURTHY (P.F. No. 40038). Officiating Deputy Controller of Stores (J.A.), has been relieved on the afternoon 2-5-1978 to carry out his transfer as Joint Director, Railway Stores (P), Railway Board.

Shri R. SUNDARAM (P.F. No. 22510), Section Officer (Class III), FA & CAO's Office has been promoted to officiate as Assistant Accounts Officer/Costing/Shell (Class II) with effect from 3-5-1978.

Shri S. ASHOK (P.F. No 48396), Officiating Chief Design Assistant/Electrical (Class III), has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/Material Planning (Class II) (ad hoc) from 4-5-78.

Shri SYFD NEAMATHULLAH (P.F. No. 21463), Officiating Assistant Works Manager/A/F (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale and posted as Officiating Works Manager/A.II/Shell (S.S.) from 11-5-78 to 13-6-1978.

Shri N. C. RAMAKRISHNAN (P.F. No. 42469), Officiating Shop Superintendent/Shop-16 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Production Engineer/PR/S (Class II) from 11-5-1978.

Shri M. N. KRISHNAMOORTHY (P.F. No. 22509), Officiating Assistant Accounts Officer/Furnishing (Class II) has been promoted to officiate as Senior Accounts Officer/Shell (S.S.) from 15-5-1978.

Shri J. RAJAN (S.C.) (P.F. No. 44166), Section Officer/Stores/Accounts (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Accounts Officer/Furnishing (Class II) from 15-5-1978.

Shri S. JAGADEESAN (P.F. No. 48397). Officiating Assistant Shop Superintendent/Shop 45 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/I (Class II) (ad-hoc) from 12-5-1978.

Shri T. R. NATARAJAN, Officiating Deputy Controller of Stores (J.A.) on transfer from D.L.W./Varanasi reported in this Administration and posted as Deputy Controller of Stores from 17-5-1978.

Shri K. K. VERGHEESE (P.F. No. 21488), Officiating Shop Superintendent/Shop-30 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Works Manager/M/F (Class II) from 25-5-1978.

Shri K. S. DASTHAGIR (P.F. No. 40049), Officiating Executive Figure (S.S.) has been promoted to officiate as officiating Deputy Chief Engineer (J.A.) from 27-5-1978.

Shri V. R. RAMANATHAN (P.F. No. 20202), Officiating Secretary to General Manager (S.S.) who has been bolding his lien in Junior Scale in I.R.S.S. Cadre of this Administration has been confirmed in Senior Scale from 6-6-1978.

Shri S. CHIDAMBARAM (P.F. No. 48010), Officiating Senior Electrical Engineer/M (SS), (ad-hoc) has been reverted to Class II service and posted as Assistant Electrical Engineer/Construction (Class II) from 10-6-1978 (A.N.).

Shri S. MASTHAN (S.C.), (P.F. No. 57740), Officiating Shop Superintendent/Inspection/Elec, (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/Liaison-II (Class II) (ad-hoc) from 13-6-78.

Shri B. MAHADEVAN (P.F. No. 48407), Officiating Shop Superintendent/P.C./Elec. (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/Inspection (Class II) (ad-hoc) from 15-6-1978.

Shri R. VINAYAKAMURTHY (P.F. No. 20937), an Officer of the I.R.S.M.F., has been confirmed in Senior Scale from 12-6-1978.

Shri V. NARAYANASWAMY (P.F. No. 22121), Officiating Production Engineer/Progress/Fur. has finally retired from service on 30-6-1978.

Shri B. F. MESHRAM (S.C.), (P.F. No. 42441), Officiating Shop Superintendent, Shop-42 (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Mechanical Engineer/DPD (Class II) from 6-7-1978.

S. VENK ATARAMAN,
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 3rd August 1978

No. GMA/GS/8 (Mcd.)—The following Doctors of this administration are confirmed as Assistant District Medical Officer in Class I service in the cadre of Medical Department of Chittaranjan Locomotive Works with effect from 1-1-73 (F/N):—

Sl Name of the D	octor. The post against which Confirmed
1. Dr. S. K, Chatter	lee ADMO (Indoor)
2. Dr. Asit Kumar B	Banerjee ADMO (Pathology)
3. Dr. A. B. Roy	ADMO (Indoor)
4. Dr. M. C. Sarkar	ADMO (Indoor)
5. Dr. S. K. Das	ADMO (Outdoor)
6. Dr. H B. Tapada	r ADMO (Chest Clinic)
7. Dr. A. Moitr a	ADMO (Public Health)
8. Dr. S. Bhattachar	rjee ADMO (Outdoor)
9. Dr. Ajit Kumar B	ancrice ADMO (Outdoor)
10. Dr. K. P. Biswas	ADMO (Anaesthesiology)
11. Dr. D. B Sen	ADMO (Outdoor)
12. Dr. A. M. Biswas	ADMO (Indoor)
13 Dr. (Miss) P. Muts	suddi ADMO (Indoor)

K. RAMAN, General Manager

NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

BARODA HOUSE

New Delhi, the 2nd August 1978

No. 28—The following Officer of Northern Railway, have finally retired from service from the dates noted against each:—

 Shri J. P. Sharma, Asstt. Personnel Officer—31-8-76 (AN).

- Shri T. P. Kapoor, Dy. Chief Personnel Officer----30-6-77 (AN).
- 3. Shri S. C. Mukherjee, Asstt. Personnel Officer—30-6-77 (AN).
- 4 Shi V. D. Vasisth, Asstt Personnel Officer—30-6-77 (AN).
- Shri A. C. Jain, Asstt. Personnel Officer—30-9-77 (AN).
- Shri B. L. Madhok, Divl. Personnel Officer—28-2-78 (AN).

No. 29.—The following officers of Northern Railway have finally retired from service from the date noted against each:—

- Shri R. N. Nigam Asstt: Vigilance Officer.— 28-2-77 AN
- 2. Shri R. K. Bahadur, Law Officer.—31-7-77 AN.
- Shri O. P. Chopra, Sr. Deputy General Manager,— 31-8-77 AN.
- Shri O. P. Mehta, Asstt. Commercial Publicity Officer.—31-8-77 AN,
- Shri B. D. Ahuja, Asstt. Secy. to General Manager.— 30-9-77 AN
- 6. Shri G. H Keswani, General Manager.-31-5-78 AN.

R. SRINIWASAN

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Tulsi Byilders Enterprises Pyt. Ltd.

Ahmedabad, the 1st August 1978

No. 1962/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Tulsi Bvilders Enterprises Pvt Ltd Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Sanghyt Wire Industries Private

Ahmedabad, 1st August 1978

No. 1976/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sanghvi Wire Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Special Bearing Pvt Ltd

Ahmedabad, 1st August 1978

No. 2163/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Special Bearings Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Tulsi Investment Gujarat Private Limited

Ahmedabad, 1st August 1978

No. 2215/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Tulsi Investment Gujarat Ltd has this day 12—216GI/78

been struck off the Register and the said company is disolyed.

J. V. V. ATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M's. Rungta Straw Board & Paper Products Private Limited.

Gwalior, the 29th July 1978

No. 1245 A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rungta Straw Board & Paper Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Indore Bottling Company Limited

Gwalior, the 29th July 1978

No. 1252/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Indore Bottling Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Eastern Refab Technology Private Limited.

Gwalior, the 29th July 1978

No. 1270/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1936 that the name of M/s. Eastern Refab Technology Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Aakash Chit Fund & Trading Co. Pvt. Ltd.

New Delhi, the 5th August 1978

No. 3816/14308.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Aakash Chit Fund & Trading Co. Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

H. V. KHANNA, Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

OFFICE OF THE OFFICIAL LIQUIDATOR TERMINATION NOTICE

New Delhi, the 3rd July 1978

No. PF/PDP/OL.—In pursuance of Sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri Punya Dev Parkash, peon of the Office of the Official Liquidator, Delhi that his services shall stand terminated after one month from the date of publication of this notice in the Gazette.

S. C. MITTAL, Official Liquidator, Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH/GIFT-

New Delhi, the 29th August 1978 WEALTH TAX/GIFT TAX

- F. No. JUR-D1.1/II/78-79 17356.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8AA of Wealth-tax Act, 1957 and 7AA of Gift-tax Act, 1958, the Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi. II, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the wealth-tax officer/Gift-tax officers Co. Circle XXIV. and Distt. VI(13), New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-II-E.
- 2. For the purpose of facilitating the performance of the functions Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax, Delhi. II New Delhi also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Range-II-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of Section 8AA of wealth-tax Act/7AA of Gift-tax Act.
 - 3. This notification shall take effect from 1-8-1978.

A. C. JAIN Commissioner of Income tax, Delhi-II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-III

New Delhi, the 29th July 1978

ORDER

Distribution of work load amongst T.R.Os -

F. No. Jur. DLI/III/77-78/17478—In supersession of all previous orders on the subject the commissioner of Incometax, Delhi-III, New Delhi, hereby directs that the T. R. Os mentioned below shall perform their duties in respect of the Ranga/Districts/Circles as mentioned in Column 3 of the Schedule below. This order shall be effective from 1st August, 1978.

Schedule

S. No.	Designation	Income-tax District/Circles
l	2	3
1.	T.R.O.V., New Delhi.	Distt. V(1), V(2), V(3), V(4), V(5), V(6), V(7), V(8), V(9), V(10), V(13), V(15), V (15) Addl., V(18), New Delhi, V(14) and Addl. Survey Circle IV.
2.	T.R.O.VIII	Dists. VIII(1), VIII(2), VIII(4), VIII(6), VIII(7), VIII(8), VIII(9), VIII(10), VIII(11), VIII(12), VIII(16), VIII(17), and IAC, Range-IV-D (Assessment).
3.	T.R.OXIV ,	Distts. X(1), X(2), X(4), X(6), X(7), X(8), X(9), X(10), X(12), X(13) and Survey Circle-IV, New Delhi.
4.	T.R.O.X.	Distts. V(11), V(12), V(16), VIII(3), VIII(5), VIII(13) VIII(14), VIII(15), X(3), X(11), Spl. Cir. VI, Spl. Cir. VI, Addl., Spl. Cir. X, Spl. Cir. XIV. Spl. Cir. XVI, New Delhi.

INCOME-TAX

F. N. JUR-DLI/III/77-78/17407—In partial modification of this office Notification F. N. JUR-DLI/III/77-78/17407, dated 19-4-1977 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi, hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein-below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such area or of such person or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction off the Income-tax Officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said Schedule:—

Schedule

Range	Income-tax Districts/Circles			
1	2			
I.A.C. Range-VI-A .	Distts. V(1), V(2), V(3), V(4), V(5), V(6), V(7), V(8), V(10), V(9), V(13), V(14), V(15), V (15) Addl. and V(18), New Delhi and Addl. Survey Cicrle IV. T.R.OV, New Delhi.			
I.A.C., Range-IV-B	Distts.VIII(1) VIII(2), VIII(4), VIII(6), VIII(7), VIII(8), VIII(9), VIII(10), VIII(11), VIII (12), VIII(16) and VIII(17), New Delhi. T.R.OVIII, New Delhi.			
I.A.C. Range-IV-C	Distts X(1), X(2), X(4), X(6), X(7), X(8), X(9), X(10), X(12), X(13), and Survey Circle-VI, New Delhi. T.R.OXIV, New Delhi.			
I.A.C. Range-IV-E	Distts-V(11), V(12), V(16), VIII(3), VIII(5), VIII(13), VIII(14), VIII(15), X(3), X(11), Spl. Circle-VI, Spl. Circle-VI Addl. Spl. Circle, X, Spl. Circle-XIV, Spl. Circle-XVI, New Delhi. T.R.O-X, New Delhi.			
This order shall tal	ce effect from 1st August, 1978. S. V. DEVA, Commissioner of Income-Tax, Delhi-III, New Delhi.			

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-JV

New Delhi, the 29th July 1978

CORRIGENDUM

No. JUR-DLI-IV/78-79/17303.—Substitute 1/7/78 in place of 1-7-77 in the last line of this office notification No. JUR/DLI/IV/IAC/78-79/9868 dated 1-7-78. No modification is necessary in the Hindi script of the said notification.

A. J. RANA, Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi.

(1) Sri V. S. Varadraj S/o V. O. Sabhapati, East. Maredpally H. No. 10-3-36, Secunderabad. (Transferor)

(2) Sri Sohanraj S/o Indermal H. No. 10-3-36 on 1st floor of East Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd August 1978

Ref. No. RAC. No. 112/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-3-36 1st Floor Portion situated at E. Marodpally Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on December 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the porposes of the Indian Income-tax A ct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ist floor portion of the premises bearing M. No. 10-3-36 situated at East Maredpally, Secunderabad, registered vide Document No. 2066/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD; ROHTAK

Rohtak, the 24th July 1978

Ref. No. BGR/31/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 78, DLF Industrial Estate No. 1, near 13/6 mile stone situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgath in December 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the section persons. namely:—

(1) M/s. New Hindustan Iron Stores, through Sh. K. K. Chopra s/o Sh. Roshan Lal Chopra R/o R-39, South Extension Part-II, New Delhi,

(Transferor)

- (2) (1) Miss Richha Gupta D/o Shri Hari Chand Gupta,
 - Miss Shruti Gupta (Minor) D/o Shri Hari Chand Gupta,

Both residents of C-15, Friends Colony (East) Mathura Road, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 78, DLF Industrial Estate No. 1, near 13/6 Mile stone, Faridabad.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 4382 dated 29-12-1977 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 24-7-1978

y = 1

١,

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 24th July 1978

Ref. No. PNP/25/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

land measuring 19 Kanal 12 Marlas Opp. Beas Project or G. T. Road, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Panipat in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Hanwant Singh, Balbir Singh, Lal Chand ss/o Sh. Rishi Singh R/o Vill. & P. O. Sewah, Teh. panipat, Distt. Karnal.

(Transferor)

(2) M/s. Deepak Woollen Mills, through Deepak Nath Opp. Beas project, G. T. Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 19 Kanal 12 Marlas situated on G. T. Road, Opp. Beas Project, Panipat.

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No. 2807 dated 15-11-1977 with the Sub-Registrar, Panipat).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 24-7-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th July 1978

Ref. No. Acq/1569-MRT/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 24-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kailash Nath Sinha s/o Late Gopi Nath Sinha advocate, R/o 50, Saket, Meerut City.

(Transferee)

(2) Mohit Kumar Jain S/o Harish Chandra Jain 49-A, Saket, Meerut.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property bear NG No. 49-A, situated at Saket, Meerut (1/2 Part) Transferred for an Apparent consideration of Rs. 60,000/-.

L. N. GUPTA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Seal : 27-7-1978

FORM ITNS----------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th July 1978

Ref. No. Acq/1597-A/B.Shahar/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Suraj Prakash Pawha Chandra Prakash Pawha, Satish Kumar Pawha, Man Mohan Pawha, Kirti Kumar Pawha, sons of Chunni Lal Pawha, R/o 323, Naya Katra, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kitan Devi w/o Nand Kishore, Smt. Shobha Rani w/o Ramesh Chander, Raj Kumar, Umesh Kumar and Nitin Kumar (Minors) sons of Ramesh Chander and Ramesh Chander s/o Nand Kishore, R/o Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cold Storage & Ice Factory built on land measuring 11815 Sq Yds. with Building known as Hindustan Cold Stores & Refrigeration Company, G. T. Road, Bulandshahar, Transferred for an Apparent Consideration of Rs. 7,50,000/-.

I. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 29-7-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1978

Ref. No. AP-1814.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at 518-R, Model Town, Jullundur

As per Schedule situated at 518-R, Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Jullundur on Dec. 1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tilotma Devi Chopra W/o Achint Lal Chopra 518-I., Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi W/o Baldev Singh R/o Vill, Sina Teh: Hoshiarpur at present 161 Model Town, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Salc Deed No. 5301 of December, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1978

Ref. No. AP-1815,—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

As per Schedule situated at 324-A New Jawahar Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

13-216GI/78

 Sh. Joginder Singh Sandhu S/o Sunder Singh Sandhu, 256, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) I. Dr. Pritpal Singh S/o Ran Singh 2. Jagdeep Kau W/o Dr. Pritpal Singh, Nakodar Road, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 5361 of December 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur.

Datc: 5-8-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1978

Ref. No. AP-1816.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated Village Garha, Teh: Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Paramjit Singh S/o Gurgopal Singh R/o Village Garha Teh: Jullundur.

(Transferor)

 1. Santokh Singh S/o Chanan Singh R/o Village Athola.
 2 Devinder Singh S/o Chanan Singh V. P. O. Dhapai Teh: Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As pci S. No. 2 above. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No: 5802 of December, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-8-1978

Scal:

4915

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1978

Ref. No. AP-1817.—B. S. Dehiya,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at 324-B, New Jawahar Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on December, 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Joginder Singh Sandhu S/o Sunder Singh Bandhu 256 Lajpat Nagar, Jullundur.

(2) Smt. Gun Mala Jain W/o Raj Kumar Jain, 2, Pardeep Kumar Jain S/o Raj Kumar, 98-Adarsh Nagar,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No: 5362 of December, 77 of the Registering Authority, Jullundur,

> B. S. DEHIYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullandur.

Date: 5-8-1978

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th August 1978

Ref. No. A.P. No. 1818.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Shanced Babu Labh Singhnagar, Influndur

situated at Vill, Judila Teh. Kalka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harbans Lal S/o Sh. Bir Bal EA-117 Bazar Paprian Moh. Mugla Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s King Steel Rolling Mills Jullundur Through Mohinder Pal Singh S/o Jaimal Singh N. N. 437 Gopal Nagar Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Persons in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 5351 of December 1977 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSUE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 7th August 1978

Notice No. 220/78.79/ACQ.—Whereas, f, D. C. RAJAGOPALAN.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason' to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. 45 situated at Guller Haveli Village, Bidar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfired under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bidar under Document No. 1741/77-78 on 8-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Aca, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Syed Afzal Ahmed Quadri S/o Late Syed Shah Mohammed Quadri. C/o Hy Feed Poultry & Cattle Feeds, Tilak Road, Hydrabad (A.P.)
- (Transferor)
 (2) Shri Mohammed Fasiuddin S/o Mohd. Jafeer Ali,
 Delux Poultry Farm, Gullar Haveli, New Colony,
 M. Bidar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 204'-9" Lenght and 116' Widh at Guller Haveli Village Bidar Bounded with

Haveli Village Bidar Bounded with
East: 30' Wide Proposed Road,
West: Municipal Land.
North: Katta Grave Yard.

South: 30' Wide Road to Kolar & Forest Nursery.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, DHARWAR

Date: 7-8-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 7th August 1978

Notice No. 221/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Building No. 8-11-24/1, Sy. No. 45, situated at Guller Haveli Village, Bidar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bidar, under Document No. 1742/77.78 on 8-11-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iniome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Syed Afzal Ahmed Quadri S/o Late Syed Shah Mohammed Quadri, C/o Hy. Feed Poultry & Cattle Fee, Tilak Road, Hyderabad (A.P.).

(Transferor)

(2) Mohammed Fasiuddin S/o Mohd. Jaffer Ali, Delux Poultry Faim, Gullar Haveli, New Colony, Bidar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Poultry Farm Building No. 8-11-24/1 in the Land Survey No. 45 of Guller Haveli Village, Bounded with

East: Poultry Shed of Shri Manik Rao Phulekar,

West: Well and Land of Vendor in Sy. No. 45. North: Land of Vendor in Sy. No. 45, South: Land of Vendor in Sy. No. 45.

D. C. RAJAGOPALAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DHARWAR

Date: 7-8-1978.

Scal:

(1) Shri Manik Rao Ramchander Rao, Phulekar, Ex. M.L.A. & President of D.C.C., Bidar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohammed Fasiuddin S/o Mohd. Iafter Ali, Delux Poultry Farm, Gullar Haveli Village, New Colony, M. Bidar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar, the 7th August 1978

Notice No. 222, 78.79/Acq -Whereas, 1 D. C. RAJAGOPALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building No. 8-11-24/1, In Sy 45, situated at Guller Haveli Village, Bidar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bidar under Document No. 1743/77.78 on 8-11-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Poultry Farm Building No. 8-11-24/1 in the Land Survey No. 45 of Village Guller Haveli, having the following boundaries :

East: Land of Sycd Afzal Ahmed Quadri in Sy. No. 45,

West: Poultry Shed of Shri Syed Afzal Ahmed Quadri,

North: Land of Syed Afzal Ahmed Quadri in Sy. No.

South: Land of Sycd Afzal Ahmed Quadri in Sy. No. 45.

D. C. RAJAGOPALAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DHARWAR

Date: 7-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 26th July 1978

Acq. File Ref. No. 710.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

18-19-937/18 situated at Gandhinagar Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Vijayawada on 7-12-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Dr. Guthikonda Veerabhadrachavyulu, s/o, Nagacharyulu, Durga Agraharam, Vijayawada-2.
 (2) Smt. Svarna Venkatakanaka Durgamba, w/o Late Subrahmanyam, Patamata, Vijayawada-6.

(Transferor

- (2) (1) Yarlagadda Subbarao, s/o. Ramaswamy, Patamata, Vijayawada-6.
 (2) Naragani Govinda Sekhar Rao, s/o. Anjaneyulu, Patamata, Vijayawada-6.
 (Trausferee)
- (3) (1) R. Gopala Rao (2) M. Kutumbarao (3) Ch. Surya Rao (4) S. M. Ali, Gandhinagar, Vijayawada-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3523/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the F. N. ended on 15-12-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 26-7-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th July 1978

Acq. File Ref. No. 711,-Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing RS No.

217/5 & 218/1A situated at Kanuru Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-14-216GI/78

Maudadi Venkata Subbamma, w/o (1) Shrimati Nagajah, Yenamalakuduru, Vijayawada-6.

(Transferor)

(2) Shri Tummala Picmlal, s/o Laxmana Swamy, Che-Governorperta, Vijayawadarukupalliyari St.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3716/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada

Date: 27-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th July 1978

Acq. File Ref. No. 712.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 217/5 situated at Kunuru Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 28-12-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mokkapati Punnaiah s/o Veeraiah (2) M.*
 Koteswara Rao (3) M. Krishna Murthy (4) Smt.
 M. Sitamahalaxmi, Yenamalakuduru, Vijayawada-6.
 (Transferor)
- (2) Shri Tummala Premlal, s/o. Laxmana Swamy, Cherukupallivari St., Governorpeta, Vijayawada-520002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3717/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F. N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Date: 27-7-1978.

Scal:

 Shrimati Vemuri Annapurnamma w/o Late Srirama Murthy Andhra Bank Colony, Plot No. 44, Malakpeta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vanga Shyamsundar, s/o Venkataratnam, Katurivari Street, Vijayawada-1.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kakinada, the 27th July 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Acq. File Ref. No. 713.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

27-1-45, situated at Eluru Road, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 2-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3443/77 registered before the Sub-Registrarl, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-12-1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 27-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th July 1978

Acq. File Rcf. No. 714.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

14-49-74 to 77 situated at Sivalayam St. Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 26-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:---

(1) (1) Smt. R. Seethamahalaxmi (2) P. Bharati Devi (3) Smt. A. Hymavathi (4) K. Rajeswari (5) A. Laxmi Bai (6) B. Kamalabai (7) B. Vijayalaxmi, Rao. Trustee & Executor Sri B. Babu Narasimha (8) Sri Bandaru Babu Narasimha Rao, s/o. Late Road, Venkataratnam, 191-Subhaschandra Bose George Town, Madras.

(Transferor)

(2) Majeti Ramachandra Rao, s/o. Nagabhushanam, Sivalayam St., Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) (1) M/s. Majeti Ramachandra Rao & Sons

(2) M/s. Jaihind Jewellery Mart (3) Sri Mrutyunjaya Rao, Sivalayam St., Vijayawada-1.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 3714/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the F.N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 27-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 27th July 1978

Acq. File Ref. No. 715.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mahavir Oil Mill, situated at Komatipalli Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering officer at

Gajapathinagaram on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Late Sri Madangopal Daga L/R. Satyanarayana Maheswari.
 - 2. Satyanarayana Maheswari, S/o Late M. G. Daga. (1 & 2) M. G. Road, Vizianagaram.

 3. Sri Pentapati Bapanayya Setty, S/o. Late Chinna
 - Venkanna,
 - 4. Sri Pentapati Venugopala Saisankara Rao,

5. Sri Pentapati Chinna Venkanna.

6. Sri Pentapati Venkata M/G. Bapanayya Satyanarayanamurthy

7. Sri Pentapati Srinivasa R (3 to 7) c/o Sri P. Bapanayya Setty. nayya Setty, M. G. Road, Vizianagaram.

- 8. Sri Pentapati China Venkanna, s/o. Late Sri Varahalu.
- 9. Sri Pentapati Eswara Prakash s/o. Late Sri Varahalu.
- 10. Sri Pentapati Bhaskara M/G Mrs. P. Satyasrinivas, s/o Late Sri Venkataratnamma, Varahalu, 11. Pentapati Meena, d/o Late W/o. Late
- Varahalu, Varahalu, 12. Pentapati Pydi Balatripura-
- sundari d/o Late Sri Varabalu.
- 13. Smt. Balavadineni Mahalakshmi, w/o. Surya Rao.
- Smt. Kalagarla Jyothi, w/o. Ranganayakulu,
 Sri Pentapati Venkataratnamma w/o. Late Varahalu (8 to 15) By G.P.A. Holder: Sri P. China Venkanna, Vizianagaram.

(2) (1) Anisetty Sanyasi Rao (2) Anisetty Satyanara-yana, Gajapathinagaram, Vizag Dist.

(Transferee)

(3) M/s. Balaji Traders, Komatipalli,

(Person in occupation of the property) movable property, within 45 days from the date of shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective Dersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3329/77 registered before the Sub-Registrar, Gajapathinagaram, during the F. N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN, Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 27-7-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1978

No. Acq. 23-1-1449(668)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F.P. No. 275, S. P. No. I situated at Near Duffnala, Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmadabad in Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Hariprasad D. Lashkari, Power of Attorney Holder Shri Anilkumar H. Lashkari, Durgesh Bungalow, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Jayantilal Gajjar, No. 1185-1, Nava-Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 578 sq. yds, bearing F.P. No. 275, S. P. No. 1, situated near Daffnala, Shahibaug, T. P. S. 14, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered during December, 1977.

S. C. PARIKH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14th June, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th June 1978

No. Acq. 23-I-1513(669)/10-1-77,—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/c and bearing No.

Building on back side of Teachers Quarters, situated at Behind Indian Rayon Factory, Nr. High Way, Veraval (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval on 20-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Luhar Nathu Dodia, Station Road, Veraval.
 (Transferor)
- (2) Shri Patani Mohmmed Ahmed Jamadar, Bahir Kot, Hajibhai Building, Masjid, Veraval.

(Transferce)

- (3) 1. Shri Anilkumar J. Joshi.
 - 2. Shri Reoakand Gordhandas.
 - 3. Shri Raja Thakurlal.
 - 4. Shri V. R. Popat.
 - 5. Shri Vallabhdas Odhaji.
 - 6. Shri Jiyatram Mirchoomal,
 - 7. Shri Jethanand Chellaram,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 636 sq. yds. having construction of 228 sq. yds. situated on back side of teachers quarters and Behind Indian Rayon Factory, near High Way. Veraval and as fully described in sale deed No. 2073 dated 20-12-77 registered at Veraval.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition • Range-I, Ahmedabad.

Date: 14th June 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 23rd June 1978

No. Acq. 23-I-1520(674)/10-1/77.78.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have season to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4/1/1 situated at Sumair Club, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 31-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, as the following persons namely:-

Shri Pratapray Rangildas Mehta,

2. Shri Prabhudas Rangildas Mehta,

Shri Hemabhai Nirbhayshanker,
 Shri Motichand Sejpal,

Digvijaynagar Plot, Jamnagar.

(Transferor)

1. Shri Raichand Virpar Shah 2. Shri Dhirajlal Narshi (2)

3. Smt. Champaben Fulchand Shah

4. Shri Jayantilal Virpar
5. Shri Shantilal Virpar
6. Shri Vinichandra Lakhamshi

7. Shri Maheshkumar Kanaji 8. Shri Devraj Bhura Patel 9. Shri Kiritkumar Motichand 10. Shri Daibhai Hirajibhai

11. Shri Punamchand Narshi,

Near Jail Road, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 2A-4G i.e. 91476 sq. ft. bearing S. No. 4/1/1 situated at Sumair Club Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed Registered vide R. No. 1897, detail 21, 12, 1972. 1897 dated 31-12-1977.

> S. C. PARIKH Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated 23-6-1978 Scal:

(1) Gulabben Chhotalal Boghani, 28, Prahalad Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Uttamchand Jayantilal Kothari, 'Pana Kuth', Block No. 4, Ghatkopar, Bombay-400077.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 30th June 1978

No. Acq. 23-1/1566/(676)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 114, situated at

East side of Sheri No. 23, Near Jagnath, Rajkot. (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
25-216 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 250 sq. yds. bearing plot No. 114, situated at Sheri No. 23, New Jagnath Plot, Rajkot.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated 30-6-1978 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Arvind Kantilal Shah, Kastur Building, Station Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Fionika Co-op. Housing Society Ltd. (Proposed), Irwin Circle, Jamnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1978

No. Acq. 23-1-1519(677)/10-1/77-78.—Whereas, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 119, situated at Near Saru Section Road, Jampagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jammagar on 31-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1 acre 32 Gunthas bearing Survey No. 119, situated at Satu Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1903 dated 31-12-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1978

No. Acq. 23-1-1528(678)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4-A-1, situated at 'Block-C', 1st Floor, Super Market, Lamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jamnagar on 31-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the send Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi i Meghji Rajabhai, Grain Market, Jamnagar.

(Transferor)

(2) D1. Navinchandra Raichand Sanghvi, Super Market, Block-C', 1st Floor, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is on the 1st floor of a multistoried supermarket with an area of 2611 sq. feet bearing S. No. 4-A-1; situated at Super Market, Jamnagar and as fully describe in the sale deed registered vide R. No. 1837 dated 31-12-77.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1978

Ref. No. Acq. 23-1-15555(679)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 401, Plot No. 4, situated at Umakant Udyognagai, Nr. Radia Mill, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 31-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Swastik Enginering Works,
 - through pattners:
 1. Shri Bhagwanji Kalubhai Khanbhayata,
 - Shri Mansukhlal Manjibhai Badakiya
 Shri Suresh Bhagwanii Khambhayata,
 - 4. Smt. Muktaben Manjibhai Badakiya, Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

- (2) M/s. Varindavan Engineering Works, through partners:
 - 1. Shri Devjibhai Ranchhodbhai Savalia,
 - 2. Shri Keshavlal Ranchhodbhai Savalia,
 - 3. Shri Putshottambhai Ranchhodbhai Savalia,
 - 4. Shri Ramjibhai Ranchhodbhai Savalia,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given the that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 2341.40 sq. mtrs. beating S. No. 401, Plot No. 4, situated at Umakant Udyognagar, South of Bhaktinagar Station, Nr. Radia Mills, Rajkot.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1558(681)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 401, Plot No. 7. in Mavdi Plot, situated at Pandit Udyognagar, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Saurashtra Engineering Works, through partiiers:

J. Shri Girdharilal Narsibhai Mistry and
2. Shri Parataprai Girdharilal Mistry;

68. Romii Vol. Plots

68, Ramji Vela Plots—
Behind Bhaktinagar Society, Rajkot.

(Transferor)

 M/s. Gujarat Electroplaters; through partner: Shri N. L. Vaishnav, Mardi Plot; Udyog Nagar,

Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Industrial building standing on land admeasuring 2844-4-0 sq. yds. beating [S. No. 401, Plot No. 7, situated at Pandit Udyognagar Maydi Plot, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3397 in the month of December, 1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1978

Ref. No. Acq. 23-1-1556(682)/16-6/77-78.—Whereas, J. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 111 & 112 situated at Hazur Palace, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weight-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Pradhuman Development Corporation, Hazur Palance, Rajkot.

(Transferor)

(2) J. Shri Lalitchandta Himatlal Shah;
 2. Mis. Jasumati Lalitchandta Shah;
 13, Diwanpara, Rajkot.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plots of land Nos. 111 & 112 admeasuring 382.57 sq. mts. situated at Hazur Palace, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. 3394/77 dated 31-12-77.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-7-1978

FORM I'INS-

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1447(683)/1/77-78.—Whereas, I, S C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 914/915, TPS. No. 3, Sub-Plot No. 3, situated at Ellisb idge, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad in December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Gunvantlal Lalbhai Agrawal,

Shri Chandravadan alias Chikubhai Lalbhai Agrawal,

 Shri Bipinchandra alias Bhagubhai I albhai Agrawal,

4. Shri Prafulchandra alias Dipakbhai Lalbhai Agrawal,

All R/o Bungalow No. 5, Chitrakoot Colony, Near Rajnagar Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Kantilal Mohanlal Gajjar;
 Smt. Kalavatiben Kantilal Gajjar;
 both R/o 34-4 Shangar Sheri,
 Saraspur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 455 sq. yds. bearing F.P. No. 914/15 Sub-plot No. 5, T.P. S. No. 3—Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by Registering Authority vide sale deed No. 8026/77 in the 1st Fort-night of December, 1977 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 5-7-1978

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND +LOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1526(682)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 91-II-1 & 95-H-1 Paiki B-15, situated at

Opp. S.T. Bus Stand, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at lammagar on 31-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market have of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Zaverbai Jethalal & Others, Swastik Society, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. G. C. Punjani & Co. through partners:

1. Shii Liladhar P. Patel
2. Shii Mohanlal Pranjiyan Patel

Shri Sureshchandra Hathibhai Desai
 Shri Gaurishanker Chhaganlal Punjani

Barot Fali, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 9588 sq. ft, bearing S. Nos. 91-H-1 & 95-H-1 Paiki B-15 situated at Opposite S. T. Bus Stand, Jammagar and as fully described in the saledeed registered vide R. No. 1855 dated 31-12-1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-7-1978

 M/s. Deepak Rubber Mills, Gondal Road, Near S. T. Workshop, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. C. K. Cable Industries; through administrator; Shi i Chandrakant Kanjibhai Bhammar, Opp. Chaudhary School, Beside Dr. Rathod. Hospital. Raikot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1552(683)/16-6/77-78.—Whereas , I, S. C. PARIKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.K. Cable Industries Bldg., situated at Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajkot on 29-12-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "C.K. Cable Industries Bldg.." Gondal Road, Rajkot standing on land admeasuring 950 sq. yds.—duly registered by registering Authority, Rajkot vide sale deed No. 3336/1977 29-12-1977 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 15-7-1978

Seal:

9--216GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1978

Ref. Ac. 23-I-532(690)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
New Block No. 3-Plot No. 67 situated at Vatva, Daskroi
Taluka, Ahmedabad District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ms. Nandollya Industrial Development Corporation, 2-A, Sarita Darshan Society. Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Vallabhbhai Motibhai Patel, 85, Shyam Sadan F. Road, Marine Drive, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 5630 sq. yds.—bearing New block No. 3—Plot No. 67—situated at Vatwa, Dskroi Taluka, Ahmedabad district registered by the Registering Officer, Ahmedabad as per Sale deed No. 9310/27-12-1977 and as fully described in the said Sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 21-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st July 1978

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/78-79/1045.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 29-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Shantidevi wd/o

Late Shri Dulichand Srivastawa,

Shri Virendrakumar,
 Smt. Sudha Srivastawa,

4. Smt. Madhu Srivastawa

5. Ku. Sashi Srivastawa,

all r/o Sarai Sikendaria, Railway Station Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Hazarabai w/o Shri Mulla Mumtaj Hussaln, r/o Mohalla Beldarpura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storyed house on Plot No. 3, Ward 5, Shopping Centre, T.T. Nagar, Bhopal.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-text
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 1-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Rof. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1046.—Whereas, I, R, K, BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1952) of the said Act, or the Wealth-tax Aca, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandraprabha w/o Shri Girdharilal Maharaj r/o H. No. 1, Yeshwant Ganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shr₁ Goswami Gokulotsawji Maharaj s/o late Shri Girdharilalji Maharaj, r/o H. No. 1, Yeshwant Ganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of H. No. 6, Street No. 3, New Palasia, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. 1AC/ACQ//BPL/78-79/1047.---Whereas, I, R. K. BAI I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Lands and shares in wells situated at

and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-11-77

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assis which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandraprabha w/o Shri Girdharilal Maharaj r/o H. No. 1, Yeshwant Ganj, Indorc.

(Transferor)

(2) Shri Goswami Devkinandanji Maharaj s/o Shri Girdharilal Maharaj r/o H. No. 1, Yeshwant Ganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6 (Part), Street No. 3, New Palasia, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1048.—Whereas, J, R. K. BALI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 8-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Nathulal Shri Hiralal Munat,, r/o 7-A/4, Tukoganj Main Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Surendrakumar s/o Shri Dhannalal Jain, r/o 7-A/4, Tukoganj Main Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7-A/4, situated at South Tukoganj, Main Road, Indore.

R. K. BALI,
Comptent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1049.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agr. land situated at Alirajpur

(and more fully described in the Schedule

annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office Alirajpur on 8-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimant Surendraşingh s/o late Shri Maharaj Fatehsingh, through Power of Attorney Shri Abhaysingh Khumansingh Solanki, R/o Alirajpur.

(Transferor)

Sunilkumar Bedhia,
 Shri Bhupendrakumar
 Sthri Ss/o Shri Shyamsunder Bedia,
 Alfrajpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 8.02 acres with 20 Mango trees, situated at Oram Raksa, Alirajpur.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1050.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plots situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Manav Kalyan Grah Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, 195, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Alpa Aaya Samudai Grah Nirman Sahakati Sanstha Maryadit, through President Shri C. S. Dwivedi, 16, Baxi Bag, Indore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 1 to 7, 8 to 14 & 137 to 142, at Sector II, Vaishali Nagar, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1051,---Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 3-11-77

for an apparent

11

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the folloing persons, namely:—
17—216GI/78

(1) Shri Brahmadatt Sood s/o Shri Mangalsinghji Sood, 'Matru Chhaya' Hanuman Cross Road, Vile-Parle, Bombay-57.

(Transferor)

 Smt. Bhanwaridevi w/o Shri Govindlalji Kabra, 380, M.G. Road, Indoie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Builders Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No IAC/ACQ/BPL/78-79/1052,—Whereas, I, R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Open Land situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 13-2-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Ratanlal Laxminarayan Rathi,

Shri Vijay Ratanlal Rathi,
 Shri Anil Ratanlal Rathi,

4. Shri Rajendra Ratan Rathi, All r/o Krishna Peth Amrawati.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kamlabai
 w/o Shri Kantilal Sawaria,
 2 Smt. Kalpana Sawaria,
 w/o Shri Bharat Sawaria,
 both r/o Naharpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 2/3, Block No. 94, Area 28288.54 Sq. ft. situated at Lakkadganj, New Hospital, Ward, Raipur.

R. K. BALI,
Competer! Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1053.—Whereas, I, R. K. BALJ,

Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R.O. Indore on 14-11-77

for an apparent consideration whic is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Dayal Motors, through Partner Shri Gurcharan Chadda s/o Shri Prakashchandra Chadda, r/o Navratan Bag, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vikramsingh

s/o Shri Laxman Choudhary;

Shri Virendrasingh,
 Shri Surendrasingh

both Ss/o Shri Dhansingh Choudhary,

4. Smt. Snehlata
w/o Shri Narondrasingh Choudhary,
all r/o Srinagar Colony, Indore

 Smt. Harshbala w/o Shri Balkrishna Gaike r/o 298 Shivaji Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-B, situated at Victory Estate Colony, Ratlam Kothi, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1054.—Whereas, 1, R. K. BALl,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-11-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sardar Jodhsingh S/o Shri Bhaiyalal r/o 31/2, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Savitidevi w/o Shri Devendiakumar r/o "Sunil Sadan", Shastri Colony, Jaora, (MP) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1-A, situated at Sitabag Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bakhatram s/o Shti Dilaramji Panjani r/o 6, Katji Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kamladevi w/o Shri Gulabram Madnani. r/o 58, Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1055.—Whereas, I.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Indoic

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 6, situated at Katju Colony, Indore.

R. K. BALI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1056.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 7-11-77

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S/Shri

- Samuma.
 Indermal,
- Shantilal,
 Shreniklal,
- all ss/o Shri Ratanlalji Mandot, &

5. Shri Kamalkumar

s/o Shii Siremalji Kataria, all r/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferor)

(2) S/Shri

- 1. Srenik Kumar,
- 2. Siremal,
- 3. Dhirajmal
- 4. Amritlal,
- 5. Santoshkumar &
- 6. Ashok Kumar, all ss/o Shri Rakhabchandji Munat,

r/o Tripolia Gate,

Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 26.07 x 19.67 sq. Mtrs. situated at Mohalla Lakkad Pitha, Ratiam.

> R. K. BALI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

Smt. Usha Pathak
 w/o Shri Prabhat Pathak,
 r/o 370, Saket Nagar, Indore.

(Transferote

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Smt. Sukhnandan Walia w/o Shri D. S. Walia, r/o 94, Radio Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1057.-- Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 9, Saket Nagar, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/78-79/1058.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-11-77

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesad repoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshav Govind Nasik, r/o 179, Palshikar Colony Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Draupadibai
 w/o Shri Nandkumarji,
 r/o 53, Palshikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of H. No. 179, Palshi Kar Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1059.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-11-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-216 GI/78

 Shri Gokuldas s/o Shri Kanhaiyalalji Muchhal, r/o 274, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Saiffudin
s/o Shri Kadarbhai
2. Shri Abdul Tayyab Kadarbhai Bohra,
both r/o 61, Bohra Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western Part of H. No. 274, Jawahar Marg, Indore.

R. K. BALI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date: 3-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1060.--Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Agrl. situated at Durg

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Durg on 23-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sardar Inderjitsingh S/o Shri Kabul Singh Johal, r/o Mohan Nagar, Durg (now resides in U.S.A.)

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwatibai wd/o Shri Hazarimal Verma, r/o Deepak Nagar, Durg.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.340 hect. land, Khasra No. 202/12, Vil. Sikola, 1.011 hecto land Khasra No. 146/3, Vil. Karhidih, Tehsil & Distt. Durg.

> R. K. BALI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1061.—Whereas, I, R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on 30-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) S/Shri

Aijajbhai s/o Asgarbhai
 Balmukund s/o Harnarainji

both r/o Funwara Chowk, Ujjain;

3. Kasambhai s/o Mohd. bhai,

1/o Daulatganj

4. Dwarkadas s/o Daulatram, Pathi Bazaı:

5. Premnarain s/o Poonamchand Garg,

Sarata.

6. Durgaprasad s/o Shivprasad,

Daulatgani, 7. Kailashchand s/o Jawaharlal,

Sarafa,

8. Satyandrakumar s/o Fatehlal Sethi, r/o Kshirsagar,

9. Kanhaiyalal s/o Bhagwandas,

Budhwaria, 10. Doongarmal s/o Harakchand Mahajan, Madhonagar, Ujjain.

(Transferors)

(2) Smt. Devibai w/o Shri Bulchandji Lalwani, Sındhı, r/o Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storyed house bearing Municipal No. 6/105, at 6 Tatya Tope Marg, Madhonagar, Ujjain.

> R. K. BALI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1062.—Whereas, J, R. K. BALI being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 7-11-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narayandas s/o Shri Moharchand r/o 1/1, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantinath Jain Charitable Trust, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Mohan Nagar, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 6-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1063.—Whereas, I, R. K. BALL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

 \perp_{i}

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-11-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Keshav Govind Naik, r/o 159, Palshi Kar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Ranibai w/o Shri Manoharlalji, R/o 535, Palshikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sair property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storyed house constructed on Plot No. 179, Palshikar Colony, Indore (Part).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1064.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 19-11-77

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surendrasingh s/o Rajendrasingh r/o 1/1, South Tukogani, Indore.

(Transfetor)

(2) Shri Ram Narayan S/o Shri Nandlal r/o 54, Malhar-ganj, Indore.

(Transferce)

*(3) Shri Sunil Kumar Bhatnagar, Tenant on ground floor.
(Person(s) in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1/1, South Tukoganj, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1065.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. S. Lonkar S/o Shri Anandrao Lonkar, r/o 227, Srinagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmibai w/o Shri Surajmal Salecha, r/o 227, Srinagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 227, at Srinagar Colony, Indore (Part).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

(1) Shri Naim Khan s/o Abdul Azij Khan, 2. Haji Abdul Azij Khan s/o Imam Khan, Naya Mohalla, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Nirmalkumar Agarwal s/o Shankarlal Agarwal, r/o 340 Ward Ganj, Jabalpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1066.—Whereas, I, R. K. BALI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8-11-1977

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storyed house, Municipal No. 1632 & 1632-A, area 3952 sq. ft. constructed on part of diversion of Plot No. 749, Napier Town, Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1090/78-79.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Weis'th tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Smt. Annapurnabai, r/o Wright Town, Jabalpur.
(Transferor)

Sardar Amarsingh; 2. Smt. K. Sowbhagyawati; &
 Shri Sardar singh Isharsingh,
 n/o Modi Baba, Jabalpur, Chhawani,
 pur, Chhawani.

(Transferce)

(3) 1. Shri Bhatia, 2. Shri Bandopadhaya & 3. Shri Parmar.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said propetty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1186, situated at Modi Bada, Jabalpur, Chhawam

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Incone-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANCE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th August 1978

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/1091/78-79.—Whereas, J, R. K. BALL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jabalpur on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer an 1/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri M. B. Digvekar s/o late Shri Bhikaji Digvekar, 1/o 1310 A, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor

(2) 1. Rajkumar; 2. Rupkumar s/o Shri Ratanchand Saraf & 3. Shri Birendrakumar (minor) s/o Shri Ratanchand Saraf, r/o Gram Sihora, Teh. Sihora, Dist. Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property m y be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. 1313, 1314, Wright Fown Jabalpur, (area 5428 sq. ft.) constructed on diversion Plot No. 581, Sheet No. 154C, Subhash Nagar, Municipal Plot No. 8/1.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th August 1978

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1092/78-78.Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 20-12-77

1

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-

(1) shri Brijlal Bhai s/o late Shri Ratansi, r/o Great Eastern Road, Modha Para, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kanhaiyalal; 2. Shri Prabhuram, & Shri Kishanlal Ahuja, s/o late Shri Kanwarlal Ahuja, r/o Sharda Chowk, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazetio.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storyed house No. 5/2/17, constructed on Plot No. 2/28, Block No. 77, Area 627 sq. ft. & land block No. 77, Plot No. 2/26, area 718 sq. ft. situated at Modha Para, Ward,

> R. K. BALI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1093/78-79.Whereas, I, R. K. BALL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Mundwara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mundwara on 26-12-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narayanprasad s/o Shri Ghanshyamprasad Mishra, r/o Ojha Ward, Mandla.

(Transferor)

 1. Arjundas;
 2. Shri Asudomal s/o Shri Narayandas Panjwani,
 r/o Shivaji Ward, Mundwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 78, 78/1, 78/2, 78/3 & 78/4, situated at Malviyaganj, Mundwara.

R. K. BALJ,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th August 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1094.Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No.

Plot situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal on 23-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhishamlal s/o Shri Kanhaiyalal, through Power of Attorney Smt. Vidhyabai w/o Shri Kanhaiyalal Halwani, r/o Dabra.

(Transferor)

(2) Shri Shamim Ahmad Sahab s/o Shri Anis Ahmad Sahab, r/o Pul Bobda, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11B, Area 8500 sq. ft. situated inside the Bhopal Oil & Flour Mills, Jinsi, Jehanglrabad, Bhopal.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ranomalji s/o Shri Vatumal, r/o Indore (at present Shahajanabad), Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Shamim Ahmad s/o Shri Anis Ahmad, r/o Pul Bobda, Bhopal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1095/78-79.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 23-12-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11A, area 7850 sq. ft. situated inside the Ehopal Oil & Flour Mills, Jinsi Jehangirabad, Bhopal.

R. K. BA11,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-7-1978

are -

FORM ITNS---

(1) Shri Rajpal S/o Dhani, R/o Village Sultanpuri (Delhi).

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Guru Sharan S/o Hakumat Rai (2) Mohd. Hanib S/o Chan Khan R/o Khureji Khas (Delhi).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

New Delhi, the 8th August 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC.I/SR-III/202/Nov.I(20)/77-78/2072.—Wheeras, I, I. S. GILL,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Sultanpuri (Delhi),

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi, on 8-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outlit to be disclosed by the transferce for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afersaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bighas & 16 Biswas bearing Khasra No. 558 with one Kotha (Chowkidar Room) situated at village Sultanpur (Delhi).

J. S. GILI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 8-8-1978